{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
रविवार 29 मार्च 2026
चैत्र शुक्ल 11 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 183
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

मथुरा विवाद : इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई टली

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद विवाद से जुड़े मामलों की शनिवार को प्रस्तावित सुनवाई टल गई है। अब मामले पर अगली सुनवाई 10 अप्रैल को होगी। बहुचर्चित और संवेदनशील मामले पर देशभर की नजरें बनी हुई हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट में पिछले कई महीनों से विवाद से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई हो रही है। हिंदू पक्ष की ओर से दायर याचिकाओं में शाही ईदगाह मस्जिद को हटाने और विवादित भूमि पर अधिकार की मांग हुई है। अदालत अब 10 अप्रैल को इन याचिकाओं पर आगे की प्रक्रिया तय करेगी। वर्तमान में हाईकोर्ट में हिंदू पक्ष की कुल 18 याचिकाएं लंबित हैं। वहीं, मस्जिद पक्ष ने 22 अगस्त को सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 151 के तहत एक आवेदन दाखिल किया था। इस आवेदन में सभी समेकित मुकदमों की आगे की कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की गई है, जिस पर भी अदालत को विचार करना है।

इंडिगो फ्लाइट का इंजन फेल, एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शनिवार सुबह उस वक्त हडकंप मच गया, जब विशाखापत्तनम से आ रहे इंडिगो के एक विमान का हवा में अचानक इंजन फेल हो गया। यह तकनीकी खराबी इतनी गंभीर थी कि विमान में सवार 161 यात्रियों और क्रू सदस्यों की सांसें अटक गईं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एयरपोर्ट पर तुरंत फुल इमरजेंसी घोषित कर दी गई। जानकारी के अनुसार, इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6ई 579 ने सुबह 8ः39 बजे विशाखापत्तनम (विजाग) से दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि केस में अदालत में वॉयस सैंपल की मांग

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले की एक विशेष अदालत में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ जारी एक मानहानि मामले की शनिवार को सुनवाई हुई। सांसद-विधायक (एमपी-एमएलए) अदालत में सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता के वकील ने राहुल गांधी की आवाज का नमूना लेने का निर्देश देने का अनुरोध किया। वादी के अधिवक्ता संतोष कुमार पांडेय ने बताया कि शनिवार को अदालत में राहुल गांधी की आवाज के नमूने की जांच के लिए अनुरोध किया गया। उन्होंने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 311 सहपठित धारा 91 के तहत एक अर्जी दी है। अर्जी में राहुल गांधी की आवाज का नमूना लेने का अनुरोध किया गया, जिसे पहले से दाखिल की गई सीडी के साथ विधि विज्ञान प्रयोगशाला (फोरेंसिक लैब) में मिलान कराने का अनुरोध किया गया। अधिवक्ता पांडेय ने बताया कि वह अगली सुनवाई पर बचाव पक्ष की आपत्ति को लेकर बहस करेंगे।

कुछ ना कहना

शाह ने टीएमसी सरकार के खिलाफ आरोप पत्र जारी किया, बोले

ममता चुनाव में खेलती हैं विक्टिम कार्ड

कोलकाता । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को भाजपा की ओर से पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के शासन पर 35 पन्नों का 'श्वेत पत्र' जारी किया। इस रिपोर्ट में पांच बड़े मुद्दों को उठाया गया है, जिसमें घुसपैठ, व्यवस्था में भ्रष्टाचार और संस्थाओं की कमजोरी, आर्थिक और औद्योगिक गिरावट, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था और 卐सामाजिक ढांचे का कमजोर होना शामिल है। घुसपैठ के मुद्दे पर 'श्वेत पत्र' में दावा किया गया है कि पश्चिम बंगाल में बांग्लादेश के साथ लगने वाली 2,216.7 किमी लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा में से 569 किमी हिस्सा अभी तक बिना बाड़ (फेंसिंग) के है।राज्य सरकार द्वारा जमीन अधिग्रहण में

देरी के कारण यह काम नहीं हो पाया, जिससे घुसपैठ को बढ़ावा मिला। दस्तावेज में यह भी आरोप लगाया गया है कि तृणमूल कांग्रेस ने 卐वोट बैंक卐 बनाने के लिए घुसपैठियों को फर्जी पहचान पत्र दिलाने में सिंडिकेट चलाए, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा और जनसंख्या संतुलन पर असर पड़ा।

व्यवस्था में भ्रष्टाचार और संस्थाओं के कमजोर होने के मुद्दे पर कहा गया है कि अलग-अलग क्षेत्रों में फैले भ्रष्टाचार और कट-मनी की संस्कृति से आम लोगों को मिलने वाली सेवाएं प्रभावित हुई हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि करीब 20 लाख सरकारी कर्मचारियों को महंगाई भत्ता नहीं मिला और सातवें वेतन आयोग को लागू नहीं किया गया, जिससे उनमें नाराजगी है।

इसके अलावा, मतदाता सूची में बदलाव की प्रक्रिया में रुकावट और सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया के निर्देशों की अनदेखी के आरोप भी लगाए गए हैं, जिससे हालात और खराब हुए। रिपोर्ट के अनुसार, 2016 के बाद से 300 से ज्यादा राजनीतिक हत्याएं और हत्या के 13,000 से अधिक प्रयास हुए हैं। साथ ही, राज्य के कई इलाकों में सांप्रदायिक तनाव की घटनाएं भी सामने आईं, जिससे डर का माहौल बना हुआ है।

श्वेत पत्र में महिलाओं के खिलाफ अपराधों को लेकर भी चिंता जताई गई है। रिपोर्ट में कहा गया कि 2023 में ऐसे 34,738 मामले दर्ज किए गए। इसके अलावा विधानसभा में विपक्ष के नेता को निलंबित करने और विपक्षी विधायकों की आवाज दबाने के आरोप भी लगाए गए, जिससे लोकतांत्रिक व्यवस्था कमजोर हुई।

आर्थिक और औद्योगिक गिरावट के तहत दावा किया गया है कि 15 साल में 6,688 कंपनियां राज्य छोड़कर चली गईं और 18,450 छोटे उद्योग बंद हो गए, जिससे बड़े पैमाने पर पूंजी का नुकसान हुआ। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि बेरोजगारी के कारण 40 लाख से ज्यादा युवाओं को राज्य छोड़ना पड़ा। स्नातकोत्तर स्तर पर बेरोजगारी दर 47.6 प्रतिशत बताई गई है।

बंगाल को अस्थिर करने की कोशिश में बीजेपी देशभर में अपनी साख खो देगी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने शनिवार को रानीगंज के खांदरा में एक विशाल चुनावी जनसभा को संबोधित किया। रानीगंज से पार्टी उम्मीदवार कालो बरन मंडल के समर्थन में आयोजित इस सभा में मुख्यमंत्री ने मंच से जामुड़िया विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी हरेराम सिंह के पुत्र प्रेमपाल सिंह को सार्वजनिक रूप से सतर्क रहने की चेतावनी दी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि 卐ऑनलाइन गाड़ी卐 का इस्तेमाल न करें। इस टिप्पणी के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं।

जनसभा के दौरान मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के सभी प्रत्याशियों का परिचय जनता से कराया और उन्हें भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। जामुड़िया प्रत्याशी हरेराम सिंह का हाथ उठाकर अभिवादन स्वीकार करते हुए उन्होंने यह विशेष सलाह दी।मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि बंगाल को अस्थिर करने की कोशिश में बीजेपी देशभर में अपनी साख खो देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान चुनवा आयोग बीजेपी के प्रभाव में काम कर रहा है और मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि यदि तृणमूल कांग्रेस लगातार चौथी बार सत्ता में आती है, तो वह राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी दलों को एकजुट कर 'दिल्ली विजय' की दिशा में प्रयास करेंगी। मुर्शिदाबाद के रघुनाथगंज और जंगीपुर में राम नवमी शोभायात्रा के दौरान हुई झड़पों का जिक्र करते हुए उन्होंने प्रशासन पर निष्क्रियता का आरोप लगाया और कहा कि उनकी संवैधानिक शक्तियों को सीमित किया जा रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि सत्ता में वापसी के बाद हिंसा के दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल की दूसरी सप्लीमेंट्री वोटर सूची जारी की

सूची के दो हिस्सों में करीब 12 लाख नाम

कोलकाता। चुनाव आयोग ने शुक्रवार रात करीब 11 बजे पश्चिम बंगाल की दूसरी सप्लीमेंट्री वोटर सूची जारी कर दी है। सूत्रों के मुताबिक, इस सूची के दो हिस्सों में करीब 12 लाख नाम हैं। एक हिस्से में उन वोटरों का नाम है, जिनका नाम बहाल किया है और दूसरे हिस्से में उन लोगों का नाम है, जिनका नाम हटाया गया है। सूची से जिन लोगों के नाम हटाए गए हैं, वे 15 दिनों के भीतर ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से अपीलीय ट्रिब्यूनल के सामने अपील कर सकते हैं।

इस सूची की प्रतियां मतदान केंद्रों पर भी प्रदर्शित होगी और डीईओ, डीएम, एसडीओ तथा बीडीओ के पास भी उपलब्ध रहेंगी। न्यायिक अधिकारियों ने शुक्रवार तक विचाराधीन 60 लाख मामलों में से करीब 37 लाख मामलों का निपटारा किया है। पहली सप्लीमेंट्री सूची में 10 लाख नाम शामिल थे।

हमें ई-हस्ताक्षर के साथ 12 लाख नाम मिले हैं और हमने उन्हें प्रकाशित किया है। अगर कलकत्ता हाई कोर्ट मंजूरी देता है,तब हम कल से रोजाना सप्लीमेंट्री लिस्ट्स प्रकाशित कर सकते हैं।

आयोग सूत्रों ने बताया कि न्यायिक समीक्षा के बाद अस्वीकृति दर 35-40 प्रतिशत थी। कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल ने शुक्रवार शाम को मुख्य सचिव, गृह सचिव, डीजीपी, कोलकाता सीपी, सीईओ मनोज अग्रवाल और विशेष रोल ऑब्जर्वर सुब्रत गुप्ता के साथ दूसरी सप्लीमेंट्री लिस्ट के प्रकाशन पर एक बैठक की अध्यक्षता की। शुक्रवार को टीएमसी ने मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल के समक्ष एक अपील दायर कर सप्लीमेंट्री सूचियों के दैनिक प्रकाशन की मांग की।

टीएमसी ने चीफ जस्टिस को बताया कि पहली सूची में केवल 749863 लोगों के नाम थे, जबकि न्यायिक अधिकारियों ने तब तक 27 लाख मामलों का निपटारा कर दिया था। बाकी 20 लाख से ज्यादा नामों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। टीएमसी ने यह भी कहा कि उसके 11 उम्मीदवारों का भविष्य, जिनके मामले अभी विचाराधीन हैं, अभी भी अनिश्चित है।

पश्चिम एशिया संकट वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए खतरा... सिस्टमैटिक्स की रिपोर्ट में डरावनी चेतावनी

भारत में बढ़ सकती है महंगाई !

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच वैश्विक बाजार एक बड़े भू-राजनीतिक बदलाव को नजरअंदाज कर रहे हैं। सिस्टमैटिक्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा हालात केवल तात्कालिक उतार-चढ़ाव नहीं, बल्कि वैश्विक परिदृश्य में एक बड़े बदलाव का संकेत हैं, जो आगे चलकर बार-बार उभर सकते हैं और लंबी अवधि तक अनिश्चितता बनाए रख सकते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, बाजार फिलहाल हर युद्ध से जुड़ी खबर पर उम्मीद और डर के बीच झूल रहे हैं, लेकिन इसके पीछे एक गहरा बदलाव चल रहा है। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में बदलती नीतियां और ईरान की प्रतिक्रिया मिलकर ऐसी स्थिति बना रही हैं, जहां निवेशकों के लिए लंबी अवधि के जोखिमों का आकलन करना मुश्किल हो गया है। रिपोर्ट ने इसे वैश्विक भू-राजनीतिक ढांचे में एक बड़े मेटामॉर्फोसिस के रूप में बताया है, जिसमें अमेरिका और चीन के नेतृत्व वाले ग्लोबल साउथ के बीच शक्ति संतुलन बदल रहा है। इससे आने वाले समय में इस तरह के तनाव और टकराव बार-बार देखने को मिल सकते हैं।

संकट का सीधा असर ऊर्जा बाजार पर दिख रहा

आर्थिक मोर्चे पर रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि इस संकट का सीधा असर ऊर्जा बाजार पर दिख रहा है। ब्रेंट क्रूड की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के आसपास या उससे ऊपर पहुंच चुकी है, जो न सिर्फ सप्लाई से जुड़े जोखिम बल्कि बढ़ते जियोपॉलिटिकल

प्रीमियम को भी दर्शाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, अगर तनाव कम भी होता है, तब भी कच्चे तेल और गैस की सप्लाई में बाधाएं बनी रह सकती हैं, जिससे कीमतें लंबे समय तक ऊंची रह सकती हैं।

भारी कर्ज बढ़ा रही चिंता

इसके साथ ही वैश्विक कर्ज भी चिंता का बड़ा कारण बनता जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, 2025 के दौरान वैश्विक कर्ज करीब 29 ट्रिलियन डॉलर बढ़कर 348 ट्रिलियन डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है, जिससे सरकारों की आर्थिक प्रोत्साहन देने की क्षमता सीमित हो सकती है।

भारत को लेकर आशंका

भारत को लेकर रिपोर्ट में विशेष रूप से चेतावनी दी गई है कि ऊंचे कच्चे तेल के दाम और कमजोर मांग मिलकर स्टैगफ्लेशन की स्थिति पैदा कर सकते हैं। इससे हाल के आर्थिक सुधारों पर असर पड़ सकता है और घरेलू अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले महीनों में भारत की खुदरा महंगाई दर 6 से 7 प्रतिशत से ऊपर जा सकती है। अंत में रिपोर्ट ने कहा है कि मौजूदा हालात अस्थायी नहीं हैं। ऊंचे तेल के दाम, सख्त वित्तीय परिस्थितियां और बार-बार होने वाले भू-राजनीतिक झटके अब वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थायी विशेषताएं बन सकते हैं, जिससे लंबी अवधि तक समायोजन का दौर जारी रह सकता है।

पश्चिम एशिया संकट पर रक्षा मंत्री राजनाथ की अध्यक्षता में हुई पहली हाई लेवल बैठक

-ईंधन आपूर्ति और एलपीजी संकट पर मंथन, केंद्र सरकार ने हालात पर रखी पैनी नजर

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और ईरान से जुड़े हालात के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार शाम एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक मंत्रियों के अनौपचारिक समूह (इंटर-मिनिस्ट्रियल ग्रुप) की पहली बैठक थी, जिसमें देश पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू और परमाणु ऊर्जा राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह सहित कई वरिष्ठ मंत्री मौजूद रहे। सूत्रों के अनुसार, बैठक में देश में ईंधन आपूर्ति की स्थिति, एलपीजी की संभावित कमी और अंतरराष्ट्रीय संकट के आर्थिक प्रभाव जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा की गई। सरकार ने इन चुनौतियों से निपटने के लिए विभिन्न विकल्पों और रणनीतियों पर विचार किया।

शुक्रवार को किया गया इंटर-मिनिस्ट्रियल ग्रुप का गठन

गौरतलब है कि 27 मार्च शुक्रवार को ही राजनाथ सिंह की अगुवाई में इस इंटर-मिनिस्ट्रियल ग्रुप का गठन किया गया था, जिसका उद्देश्य पश्चिम एशिया में बिगड़ते हालात के भारत पर पड़ने वाले प्रभावों का आकलन करना और आवश्यक कदम उठाना है। इससे पहले शुक्रवार को ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों व उपराज्यपालों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक की थी।

दिल्ली में 173 अधिसूचित विरासत स्थलों की बदहाली पर सुप्रीम कोर्ट हुआ नाराज

अगली सुनवाई पर एएसआई के महानिदेशक व्यक्तिगत रूप से मौजूद रहे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में 173 अधिसूचित विरासत स्थलों की बदहाली और अदालत के आदेशों की अनदेखी पर कड़ी नाराजगी जाहिर की है। न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के महानिदेशक को अवमानना नोटिस जारी किया है और अगली सुनवाई पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि आदेश का जानबूझकर उल्लंघन किया गया है, और महानिदेशक को यह बताना होगा कि उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही क्यों न शुरू की जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने नोट किया कि दिल्ली सरकार के पुरातत्व विभाग ने केवल 19 स्मारकों का निरीक्षण किया है, जिसमें अधिकांश बिंदुओं/क्षेत्रों के संबंध में केवल 'लोकेशन' और 'जियो-मैपिंग' तक ही अनुपालन हुआ। बेंच ने निर्देश दिया कि इन 19 स्थलों का विस्तृत हलफनामा दाखिल किया जाए, जिसमें पुराने आदेशों में उठाए गए सभी मुद्दों का विवरण, स्मारकों के संरक्षण में किए गए कदम और संबंधित स्थलों की अद्यतन तस्वीरें शामिल हों। अदालत ने यह स्पष्ट किया कि केवल सामान्य बयान देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि प्रत्येक स्मारक की स्थिति और संरक्षण उपायों की स्पष्ट रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। कोर्ट ने एएसआई और दिल्ली सरकार से आग्रह किया कि वे जल्द से जल्द अपने कर्तव्यों का पालन करें, ताकि इन ऐतिहासिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इस कार्रवाई से यह संदेश गया है कि अदालत विरासत संरक्षण में लापरवाही को गंभीरता से लेती है और नियमों के उल्लंघन को नजरअंदाज नहीं करेगी। सुप्रीम कोर्ट की यह कार्रवाई ऐतिहासिक स्मारकों के संरक्षण में सक्रियता बढ़ाने और सरकारी संस्थाओं को जिम्मेदारी निभाने के लिए एक चेतावनी के रूप में देखी जा रही है। यह मामला दर्शाता है कि अदालत का उद्देश्य केवल आदेश जारी करना नहीं, बल्कि उनका पालन सुनिश्चित कर देश की सांस्कृतिक धरोहर की रक्षा करना है।

नीतीश और नितिन 10 अप्रैल को राज्यसभा सदस्य के रूप में लेंगे शपथ

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन 10 अप्रैल को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे। इसी दिन शिवेश राम, रामनाथ ठाकुर और उपेंद्र कुशवाहा भी उच्च सदन की सदस्यता ग्रहण करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस बीच, राज्यसभा चुनाव के बाद यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या नीतीश कुमार और नितिन नवीन को 30 मार्च तक बिहार विधानमंडल की सदस्यता से इस्तीफा देना होगा। कुछ नेताओं द्वारा 14 दिनों की समयसीमा का हवाला देते हुए यह दावा किया जा रहा है कि निर्धारित अवधि में इस्तीफा न देने पर उनकी राज्यसभा सदस्यता खतरे में पड़ सकती है। हालांकि, संवैधानिक प्रावधानों की पड़ताल करने पर स्थिति स्पष्ट होती है कि दोनों नेताओं को 30 मार्च तक इस्तीफा देने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है। दरअसल, भारतीय संविधान का अनुच्छेद 101(2) के अनुसार कोई भी व्यक्ति एक साथ संसद और राज्य विधानमंडल दोनों का सदस्य नहीं रह सकता, लेकिन इसके लिए त्यागपत्र देने की समयसीमा नियमों के तहत निर्धारित होती है। यह समयसीमा प्रोहिबिशन ऑफ सिमल्टेनियस मेंबरशिप रूल्स 1950 के तहत तय की गई है, जिसमें 14 दिनों का प्रावधान है। यह अवधि उस समय से लागू होती है जब कोई व्यक्ति दोनों सदनों का सदस्य निर्वाचित हो जाता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, शपथ ग्रहण और औपचारिक सदस्यता की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही इस नियम की समयसीमा प्रभावी होती है। ऐसे में फिलहाल इस्तीफे को लेकर उठ रही अटकलें पूरी तरह स्पष्ट नहीं हैं। बहरहाल राजनीतिक गलियारे में इस मुद्दे पर चर्चा जारी है।

एआई से बने 'काल्पनिक फैसलों' पर सुप्रीम कोर्ट ने की सख्त टिप्पणी, बोला-

यह प्रवृत्ति खतरनाक, वकीलों को सतर्क रहने की जरूरत

नई दिल्ली। देश की शीर्ष अदालत सुप्रीम कोर्ट ने अदालतों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के गलत इस्तेमाल को लेकर गंभीर चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा है कि वकीलों और वादियों द्वारा ऐसे 'काल्पनिक' फैसलों का हवाला देना, जो वास्तव में मौजूद ही नहीं हैं, एक खतरनाक प्रवृत्ति बनती जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस राजेश बिंदल और जस्टिस विजय बिश्नोई की पीठ ने कहा कि यह समस्या सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया भर की अदालतों में तेजी से फैल रही है। अदालत ने सभी पक्षकारों को सतर्क रहने की सलाह दी है। यह टिप्पणी उस मामले की सुनवाई के

दौरान आई, जिसमें बॉम्बे हाईकोर्ट के एक आदेश पर आपत्ति जताई गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की एक टिप्पणी को हटाते हुए कहा कि हालांकि राहत दी जा रही है, लेकिन एआई के गलत इस्तेमाल का मुद्दा गंभीर है और पहले से न्यायिक विचाराधीन है।

दरअसल, बॉम्बे हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि एक पक्ष की दलीलें चेटजीपीटी जैसे एआई टूल की मदद से तैयार की गई थीं। इन दलीलों में एक ऐसे फैसले का हवाला दिया गया था, जिसका वास्तविक दुनिया में कोई अस्तित्व ही नहीं था। हाईकोर्ट ने यह भी कहा था कि दलीलों की भाषा, बुलेट प्वॉइंट्स, हरे टिक-मार्क और दोहराव जैसे संकेतों से यह स्पष्ट हो रहा था कि सामग्री एआई से तैयार की गई है। अदालत और उसके विधि सहायकों ने जिस कथित मामले—'ज्योति पत्नी दिनेश तुलसियानी बनाम एलीगेंट एसोसिएट्स'— का जिक्र किया गया था, उसे काफी खोजने के बावजूद नहीं पाया। इससे अदालत का कीमती समय भी बर्बाद हुआ।

हालांकि अदालत ने यह स्पष्ट किया कि शोध कार्य में एआई का उपयोग पूरी तरह से गलत नहीं है, लेकिन इसका प्रयोग करते समय तथ्यों और संदर्भों का सत्यापन करना आवश्यक है। सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी के बाद न्यायिक प्रक्रिया में एआई के उपयोग को लेकर नई बहस छिड़ गई है और इसके जिम्मेदार उपयोग की आवश्यकता पर जोर दिया जा रहा है।

तेल संकट पर पीएम मोदी की बड़ी अपील-लोग एकजुटता से करें वैश्विक संकट का सामना, राजनीति से बचें पार्टियां

नोएडा । उत्तर प्रदेश के नोएडा में जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के लोगों और राजनीतिक दलों से बड़ी अपील की है। पीएम नरेंद्र मोदी ने देश के लोगों से एकजुट होकर संकट का सामना करने की अपील की।

पीएम नरेंद्र मोदी ने वैश्विक संकट की स्थिति को लेकर देश के लोगों से अपील करते हुए कहा कि हमें वैश्विक संकट से निपटने के लिए एकजुटता दिखानी होगी। उन्होंने अफवाहों से बचने की सलाह देते हुए कहा कि हम भारतीयों की सबसे बड़ी ताकत है, हम किसी भी संकट जैसी स्थिति में भेदभाव भूलकर एकजुट हो जाते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि पश्चिम एशिया में करीब एक माह से युद्ध जैसे हालात बने हुए हैं। वैश्विक स्तर पर संकट के बीच से हमें तेल और गैस निकाल कर लाना पड़ रहा है। सरकार इस स्थिति का डटकर सामना कर रही है। यह स्थिति मिलकर संकट का सामना करने की है।

पीएम मोदी ने कहा कि मैं यूपी और देश के सभी राजनीतिक दलों से आदरपूर्वक, विनतीपूर्वक कहना चाहता हूं कि इस प्रकार के संकट में ऐसी बातें करने से बचें, जो देश के लिए नुकसानदायक है। उन बातों से बचें जो भारतीयों के हक में नहीं है या जो भारत के हित में नहीं है। भारत सरकार के नीति और रणनीति यही है कि जो देश के नागरिकों के हक या हित में है, हम उसी की बात करेंगे। पीएम ने चेताते हुए कहा कि राजनीति के लिए गलत बयानबाजी करने वाले राजनीतिक बहस में तो कुछ नंबर हासिल लेंगे, लेकिन देश को नुकसान पहुंचाने वाली हरकतों को देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कोरोना के महा संकट का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि महामारी काल के दौरान भी कुछ लोगों ने अफवाहें फैलाई।

शिक्षा में गुणवत्ता लाने उत्कृष्ट विद्यालय में किया नवाचार

आडियों ब्राड कास्टिंग सिस्टम, अब प्राचार्य कक्ष से,पूरे स्कूल की होगी मॉनिटरिंग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सांदीपनि स्कूलों के खुलने के बाद अन्य शासकीय स्कूलों के संचालन पर संकट गहराता जा रहा है, इन स्कूलों में दर्ज संख्या भी कम होती जा रही है जिससे अन्य सरकारी स्कूलों के अस्तित्व पर भी खतरा मंडरा रहा है।ऐसे में वर्षो से जिला मुख्यालय में संचालित सरकारी संस्था उत्कृष्ट विद्यालय, स्वयं को निजी व सरकारी बेहतरीन स्कूलों के तर्ज पर संचालित करने के लिए अपडेट कर रही है, और शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए उनसे बेहतर करने का प्रयास कर रही है। जिसके तहत ही अब उत्कृष्ट विद्यालय में स्कूल लगने के बाद कोई पीरियड मिस नहीं हो सकेंगे और यदि एक पीरियड खत्म होने के बाद अगला पीरियड पढ़ाने के लिए कक्षा में कोई शिक्षक नहीं आता है, तो ऐसे में विद्यार्थी कक्षा से ही सीधे अपने कक्ष में बैठे प्राचार्य से संपर्क कर सकेंगे।जिससे उनके के लिए शिक्षक की व्यवस्था हो सकेगी। यह नवाचार नगर के उत्कृष्ट विद्यालय में किया गया हैं।जहां स्कूली बच्चों, व शिक्षको की मॉनिटरिंग सहित अन्य व्यवस्था बनाने के लिए उत्कृष्ट विद्यालय प्राचार्य के कक्ष में आडियों ब्राड कास्टिंग सिस्टम लगाया गया है।

बच्चों, शिक्षकों और प्राचार्य के बीच आपसी समन्वय का माध्यम बना आडियों ब्राड कास्टिंग सिस्टम

उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य कक्ष में लगाया गया यह आडियों ब्राड कास्टिंग सिस्टम,स्कुली बच्चों, शिक्षकों और स्कूल प्रबंधन के बीच आपसी समन्वय बनाने का माध्यम बन चुका है।इस व्यवस्था के तहत उत्कृष्ट विद्यालय के सभी कक्षों में इस सिस्टम के स्पीकर लगाए गए है और आवश्यकता पड़ने पर इसे फोन की तरह विद्यार्थी इस्तेमाल कर सकेंगे। वहीं प्राचार्य इस व्यवस्था से निगरानी रख सकेंगे। इतना ही नहीं लंबी पढ़ाई के बाद मानसिक व शारीरिक थकान को दूर करने के लिए अंतिम 15 मिनटों में विद्यार्थियों का इस सिस्टम के माध्यम से मनोरंजन भी किया जा सकेगा।

सिस्टम में पहले सिर्फ आवाज की थी व्यवस्था

बड़े-बड़े निजी स्कूलों में आडियों ब्राड कास्टिंग सिस्टम की व्यवस्था की जाती रही है, लेकिन पहले इस व्यवस्था के तहत सिर्फ संबंधित ही अपनी आवाज सिस्टम के स्पीकर के माध्यम से कक्षाओं तक पहुंचा सकता था लेकिन उत्कृष्ट विद्यालय में लगाया गया आडियों ब्राड कास्टींग सिस्टम नई तकनीक वाला है। इसके तहत जहां प्राचार्य या फिर अन्य संबंधित कक्षाओं में एलाउंस कर सकेंगे वहीं दोनों तरफ से इस सिस्टम के माध्यम से बातचीत भी हो सकेंगी। इसकी खास बात ये भी है कि यह आटोमेटिक सिस्टम है जो मॉनिटरिंग के लिए लगाया गया है साथ ही यह सिस्टम आपसी समन्वय का भी काम कर रहा है।

पीरियड समाप्त होने पर ऑटोमेटिक बजेगी बेल

बताया गया कि उत्कृष्ट विद्यालय स्कूल सुबह 10 बजे से शुरु होता है, और दस बजते ही आडियों ब्राड कास्टिंग सिस्टम से कार्ययोजना की शुरुआत होगी। जिसके बाद पहला पीरियड 50 मिनट का होता है, 50 मिनट पूरे होते ही सिस्टम के तहत आटोमेटिक तरीके से पीरियड समाप्त होने की बेल बज जाएगी। जिसके बाद सभी पीरियड 45-45 मिनट के होते है, और इस तरह ये सिस्टम लगातार काम कर सकेंगा। बता दें कि उत्कृष्ट विद्यालय बड़ा परिसर होने और अधिक कक्ष होने की स्थिति में कई बार हाथ से बेल बजाए जाने पर कुछ कक्षों तक आवाज पहुंच नहीं पाती है, इस सिस्टम से इस समस्या का भी समाधान हो सकेगा।

23 कक्षों में संचालित होती है, 9 वीं से 12 वीं तक की कक्षाएं

प्राप्त जानकारी के अनुसार शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में कक्षा 9 वीं से लेकर 12 वीं तक की कक्षाएं 23 कक्षों में संचालित होती है, और वर्तमान समय में 20 कक्षों में सिस्टम लगाने का कार्य पूर्ण किया जा चुका है बाकि बचे कक्षा कक्ष और स्टाफ कक्षों में सिस्टम को लगाने का काम किया जा रहा है। बता दें कि विद्यालय में कुल 1405 छात्र-छात्राएं है जिसमें कक्षा 9 वीं में 267, कक्षा दसवीं में 222, कक्षा 11 वीं में 512 और कक्षा 12 वीं में 405 विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे है।

सीसीटीवी कैमरे के आधार पर होंगी मॉनिटरिंग- शरद ज्योतिषी

आडियों ब्राड कास्टिंग सिस्टम को लेकर की गई औपचारिक चर्चा के दौरान उत्कृष्ट विद्यालय प्राचार्य शरद ज्योतिषी ने बताया कि स्कूली स्टाफ और विद्यार्थियों की नियमित मॉनिटरिंग और उनकी किसी भी समस्या के निदान के लिए आडियों ब्राड कास्टिंग सिस्टम लागू किया गया है। जिसकी सफल टेस्टिंग भी की जा चुकी है ।सभी कक्षाओं व स्टाफ के कक्ष में इस सिस्टम के स्पीकर लगाए गए हैं, वही पूरी कक्षाएं सीसीटीवी कैमरे से लैस है,जिसकी पूरी जानकारी प्राचार्य कक्ष में दिखाई दे रही है।इसी सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पूरे स्कूल, कक्षा व स्टाफ की मॉनिटरिंग की जाएगी, जिसके आधार पर इस आडियों ब्राड कास्टिंग सिस्टम से संबंधित कक्षा के बच्चो, शिक्षक या फिर स्टाफ को दिशा निर्देश जारी किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि यह सिस्टम पार्टिकुलर कक्षा में दिशा निर्देश जारी करने के लिए भी काम करेगा और सामूहिक रूप से सभी कक्षाओ में एक साथ मैसेज देने के लिए भी इसी सिस्टम से काम होगा।वही स्कुली बच्चे, स्टाफ या कोई शिक्षक भी इसी सिस्टम से प्राचार्य से संपर्क कर अपनी समस्या बता सकते हैं। वही सिस्टम के माध्यम से ही उन समस्याओं का समाधान भी किया जा सकेगा।

सम्राट अशोक बुद्ध विहार लोकार्पण व सम्यक सम्बुद्ध की प्रतिमा का अनावरण 31 को

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कटंगी के ग्राम पंचायत सीताखोह में आगामी 31 मार्च को सम्राट अशोक बुद्ध विहार समिति सीताखोह के तत्वावधान में देवनाम प्रिय सम्राट अशोक की जयंती ,एवं परम पूज्य डॉक्टर बाबा साहब अंबेडकर के द्वारा स्थापित समता सैनिक दल के 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर सम्राट अशोक बुद्ध विहार का लोकार्पण एवं सम्यक समबुद्ध की प्रतिमा का अनावरण कार्यक्रम रखा गया है।इस दौरान दोपहर 4 बजे ऐतिहासिक धम्म भूमि अर्जुननाला कटंगी से पूज्य भदंत तन्हंकर, पूज्य भदंत शिलपंथ, पूज्य भदंत शरणकर, पूज्य भदंत धम्म घोष, पूज्य भदंत प्रघानंद के नेतृत्व में रैली आयोजित होगी। शाम 5 बजे नवनिर्मित सम्राट अशोक बुद्ध विहार का लोकार्पण एवं सम्यक समबुद्ध की प्रतिमा का अनावरण होगा। शाम 6 बजे पूजा वंदना एवं धम्म देशना होगी। शाम 7 बजे कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्ष अधिवक्ता डा. संजय खोबरागड़े, प्रमुख अतिथि गौरव सिंह पारधी विधायक, मुख्य अतिथि अधिवक्ता सुरेंद्र बारमाटे के विशेष अतिथि के द्वारा मंची उद्बोधन किया जाएगा।जिसके उपरांत बुद्ध अंबेडकर मिशन पर कव्वाल फैंजान ताज के द्वारा कव्वाली का आयोजन किया जाना हैं। इस अवसर पर अत्यधिक संख्या में उपासक उपासिकाओं व सामाजिक बन्धुओ की पहुंचने की अपील आयोजको द्वारा की गई है।

मोहबट्टा में जल प्याऊ का शुभारंभ, जल संरक्षण का दिया संदेश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के विकासखंड बैहर अंतर्गत ग्राम मोहबट्टा में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय पहल की गई। कलेड्डक्टर श्री मृणाल मीणा के निर्देशन में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के सहयोग से नवांकुर संस्था वीर नारायण जन जागरण समिति द्वारा प्राथमिक शाला परिसर के पास जल मंदिर (प्याऊ) का शुभारंभ किया गया।

जल शक्ति से नव भक्ति पहल के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने विधिवत पूजन-अर्चन कर जल प्याऊ का उद्घाटन किया। इस दौरान ग्रामीणों को जल संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूक किया गया और 卐जल है तो कल है का संदेश दिया गया।

3 से 12 अप्रैल तक सजेगा बालाघाट महोत्सव

उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रहेगी धूम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर में सांस्कृतिक रंग बिखेरने वाला बहुप्रतीक्षित बालाघाट महोत्सव इस वर्ष 3 अप्रैल से 12 अप्रैल तक आयोजित किया जाएगा। रोटरी क्लब वैनगंगा द्वारा आयोजित यह महोत्सव शहर के उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में संपन्न होगा। महोत्सव की तैयारियों और कार्यक्रमों की जानकारी देने के लिए क्लब पदाधिकारियों ने एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया, जिसमें श्रेयांश वैध, सुकुमार जैन, नीलेश पटेल, विकल्प जैन, अमित रंगलानी और रविंद्र वैध, रिंकू चोपड़ा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। पदाधिकारियों ने बताया कि रोटरी क्लब द्वारा पिछले 19 वर्षों से लगातार बालाघाट महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है, जो अब शहर की पहचान बन चुका है। इस महोत्सव में हर वर्ष की तरह इस बार भी विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों, प्रतियोगिताओं और मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि महोत्सव के दौरान विभिन्न दिनों में अलग-अलग थीम आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी, जिनमें देश के विभिन्न राज्यों और महानगरों की कला, संस्कृति और नृत्य शैलियों का समावेश किया जाएगा। इससे स्थानीय लोगों को एक ही मंच पर विविध सांस्कृतिक रंगों को देखने का अवसर मिलेगा। महोत्सव में बच्चों, युवाओं और बड़ों सभी आयु वर्ग के लिए विशेष प्रतियोगिताएं और कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। खेल, नृत्य, संगीत, फैंसी ड्रेस, टैलेंट शो जैसी गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों को अपनी कला और हुनर दिखाने का अवसर मिलेगा। क्लब पदाधिकारियों ने बताया कि बालाघाट महोत्सव केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने का भी एक सशक्त प्रयास है। हर वर्ष बड़ी संख्या में लोग इस आयोजन में शामिल होते हैं और इसका आनंद लेते हैं।

भगवान महावीर जी का जन्म कल्याणक महोत्सव

महोत्सव का संदेश देने, जैन समाज ने निकाली मोटरसाइकिल रैली

31 मार्च को हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी भगवान महावीर की जयंती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। विश्व वंदनीय शासन नायक, सारे संसार को अहिंसा, दया, क्षमा ,शांति ,मित्रता के साथ साथ जीयो और जीने दो का संदेश देने वाले महान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी जी का जन्म कल्याणक महोत्सव,31 मार्च को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।जिसकी शुरुवात प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी जैन समाज द्वारा एक सप्ताह पूर्व से की जा चुकी हैं।भगवान महावीर जी के 2625 वे जन्म कल्याणक महोत्सव के तहत नगर में रोजाना ही विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किया जा रहे हैं।जो 31 मार्च तक रोजाना चलेंगे।इसी कड़ी में 28 मार्च शनिवार कि शाम जैन समाज द्वारा नगर में एक मोटरसाइकिल रैली का आयोजन किया गया।भगवान महावीर स्वामी के अहिंसा और दया के संदेश को लेकर यह रैली नगर के ह्रदय स्थल हनुमान चौक से निकाली गई, जो नगर के विभिन्न मार्गों व चौक चौराहों का भ्रमण करते हुए काली पुतली चौक अहिंसा द्वार, से वापस हनुमान चौक पहुंची। जहां इसका समापन किया गया।इस रैली में जैन समाज के लोगों ने शामिल होकर, अहिंसा और दया का संदेश देने वाले भगवान महावीर के जन्मोत्सव की जानकारी नगरवासियों को दी।तो वही इस जन्म कल्याणक महोत्सव पर रोजाना आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी से लोगों को अवगत कराया।

वॉक फॉर अहिंसा रैली आज

भगवान महावीर स्वामी जी के जन्म कल्याणक महोत्सव पर,भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति द्वारा नगर में रोजाना ही विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किये जा रहे हैं, इसी कड़ी में आज रविवार 29 मार्च को जैन समाज द्वारा वॉक फॉर अहिंसा रैली निकाली जाएगी।रविवार शाम 4 बजे हनुमान चौक से निकाली जाने वाली यह रैली, नगर के नया सराफा, सुभाष चौक, महावीर चौक, गुजरी चौक, राजघाट चौक होते हुए काली पुतली चौक स्थित अहिंसा द्वार पहुंचेगी। जहां इस रैली का समापन किया जाएगा। इस रैली में जैन समाज के अलावा अन्य समाज के पदाधिकारी और अन्य सामाजिक बन्धु प्रमुख रूप से उपस्थित होंगे।जो जैन समाज के साथ मिलकर अहिंसा परमोधर्मा का संदेश देंगे।

रोजाना विभिन्न कार्यक्रमों के किए जाएंगे आयोजन

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में 31 मार्च मंगलवार को भगवान महावीर का जन्म कल्याण महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।जिसके तहत जगह जगह विभिन्न कार्यक्रमो के अयोजन किए जाएगे। भगवान महावीर के 2625 वे जन्म कल्याण महोत्सव पर नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, तो वही सुबहा से लेकर देर शाम तक विभिन्न कार्यक्रम सम्पन्न कराए जाएगे।उधर भगवान महावीर स्वामी जी के इस जन्म कल्याण महोत्सव पर नगर में रोजाना ही विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में 28 मार्च को समाज के युवाओ द्वारा जन्मोत्सव के संदेश को लेकर नगर में वाहन रैली निकाली गई तो वही रविवार 29 मार्च को नगर में वॉक फॉर अहिंसा रैली का आयोजन किया गया है। 29 मार्च को सर्व समाज द्वारा हनुमान चौक से अहिंसा द्वार तक वॉक फॉर अहिंसा रैली निकाली जाएगी।जिसके अगले दिन 30 मार्च सोमवार को जैन समाज के बच्चों द्वारा नगर में अहिंसा के संदेश को लेकर साइकिल रैली निकाली जाएगी, जिसमें शामिल होने वाले बच्चों को समिति द्वारा विभिन्न पुरस्कारों के वितरण किए जाएंगे। तो वही शाम को नगर के मेन रोड़ स्थित नया सराफा बाजार परिसर में भव्य भक्ति कॉन्सर्ट का आयोजन किया गया है, जिसमें मुंबई के प्रसिद्ध गायक विक्की डी पारख और उनका ग्रुप संगीतमय भक्ति भजनों की प्रस्तुति देंगे।इसी तरह 31 मार्च मंगलवार को श्री पार्श्वनाथ भवन से, भगवान महावीर स्वामी जी की जयंती पर भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी, जो नगर भ्रमण कर भगवान महावीर के अहिंसा का संदेश देगी।जिसका समापन जय हिंद टाकीज मैदान स्थल परिसर स्थित जैन मंदिर भवन में किया जाएगा।तो वही 31 मार्च मंगलवार की रात अखिल भारतीय विराट कवी सम्मेलन का आयोजन भी नया सराफा बाजार मेन रोड में किया गया है। इसके अलावा अन्य आयोजन भी होंगे जो सुबह से लेकर देर रात तक चलते रहेंगे।

भव्य रूप से मनाया जा रहा भगवान महावीर जी का जन्म कल्याणक महोत्सव

भगवान महावीर जी के इस 2625 वे जन्म कल्याणक महोत्सव, व 31 मार्च तक नगर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी देने के लिए भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति द्वारा नगर में एक पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया।जहा इस वाहन रैली को लेकर की गई चर्चा के दौरान महावीर जन्म कल्याणक समिति पदाधिकारियो ने बताया कि रैली का मूल उद्देश्य भगवान महावीर के अहिंसा और दया के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना था। जिसमें जिले का सकल जैन समाज इस संदेश को पहुंचाने में सहभागी बना।इसके अलावा उन्होंने भगवान महावीर जन्मोत्सव के तहत रोजाना 31 मार्च तक आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की भी सह विस्तार जानकारी दी।इस दौरान बताया गया कि इस बार 31 मार्च को भव्य शोभायात्रा के दौरान कर्नाटक के उडुपी से आने वाला रुद्राताडवम् ढोल मंगाया गया है।जिंसमे शामिल लोग पहली बार नगर में अपनी प्रस्तुति देंगे।जो श्रीजी की शोभायात्रा के साथ साथ मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेंगे।आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान भगवान महावीर जन्म कल्याण महोत्सव समिति के अध्यक्ष आदित्य सेठिया, सचिव परख जैन, कोषाध्यक्ष मानव चौरडिया, अनुराग चतुरमोहता श्रेयांश वैद्य सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य व सामाजिक बन्धु प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सांदीपनि विद्यालय बालाघाट के छात्रों ने मारी बाजी

5वीं व 8वीं का 98 प्रतिशत से अधिक परीक्षा परिणाम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल द्वारा 26 मार्च 2026 को घोषित कक्षा 5वीं एवं 8वीं के परीक्षा परिणामों में सांदीपनि विद्यालय बालाघाट ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए गौरवपूर्ण सफलता हासिल की है। विगत वर्षों की परंपरा को कायम रखते हुए इस वर्ष भी विद्यालय का परिणाम सर्वश्रेष्ठ रहा।

कक्षा 5वीं में कुल 151 विद्यार्थियों में से 148 छात्र-छात्राएं परीक्षा में सम्मिलित हुए, जबकि 3 अनुपस्थित रहे। इस प्रकार कक्षा 5वीं का परीक्षा परिणाम 98.01 प्रतिशत रहा। हिंदी माध्यम में कु. नोमिता (राजेश गौतम) ने 92.50% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि कु. निशिता बोपचे (गौरीशंकर) ने 92.25% के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अंग्रेजी माध्यम में कु. काव्या (यमलेश वंजारी) 92% अंक के साथ तृतीय स्थान पर रहीं तथा लीवांशी पारधी (युगल किशोर) ने 91.75% अंक प्राप्त कर चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।

इसी प्रकार कक्षा 8वीं में दर्ज 191 विद्यार्थियों में से 188 ने परीक्षा दी, जबकि 3 अनुपस्थित रहे। कक्षा 8वीं का कुल परीक्षा परिणाम 98.43 प्रतिशत रहा। कु. किंजल (सुरेन्द्र बिठले) ने 94.33% अंक के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। कु. सिब्बु (योगेश पटले) 93.50% अंक के साथ द्वितीय स्थान पर रहीं, जबकि कु. भावी (किशोर हनवत) ने 93.33% अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया।

उत्कृष्ट परिणाम के पीछे शिक्षकों की सुनियोजित रणनीति रही। प्राथमिक प्रधान पाठक श्री एम.एल. बनोटे (हिंदी माध्यम), श्रीमती अमृता मसराम (अंग्रेजी माध्यम) एवं माध्यमिक प्रधानपाठक सुश्री जेफ़रीन बाघ ने बताया कि पाठ्यक्रम का योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कराई गई, पिछले पांच वर्षों के प्रश्नपत्र हल कराए गए तथा टीएलएम (शिक्षण-अधिगम सामग्री) के माध्यम से जटिल विषयों को सरल बनाया गया। साथ ही नियमित कक्षाओं के साथ इकाई परीक्षण एवं उपचारात्मक कक्षाओं का भी संचालन किया गया।

विद्यालय के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर संस्था प्राचार्य डॉ. युवराज राहंगडाले एवं उपप्राचार्य साजिद मोहिस ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को बधाई देते हुए उनके प्रयासों की सराहना की तथा भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट परिणाम बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

न्यायालय नायब तहसीलदार उकवा
तहसील परसवाडा जिला बालाघाट

रा.प्र.क्र. 0025/ड-154/वर्ष 2025-26
मौजा गुदमा प.ह.नं. 50

आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण एवं आम जनता ग्राम गुदमा तहसील परसवाडा को सूचित किया जाता है कि आवेदिका नीतू पिता नरसिंह चुरेन्द्र निवासी ग्राम गुदमा जिला बालाघाट के द्वारा आवेदन पत्र मे उल्लेख कर बताया है कि अपने पिता नरसिंह अमोली की मृत्युतिथि 07.09.1985 को ग्राम गुदमा में मत्यु होने से मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस कार्यालय को प्रस्तुत किया है।

इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति को इस संबंध मे कोई दावा आपत्ति प्रस्तुत करना चाहते है तो वह अपनी लिखित दावा आपत्ति नियत पेशी दिनॉक 10/04/ 2026 के पूर्व अपने अभिभावक या स्वयं उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत पेशी दिनॉक भुगत जाने के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज तारीख 25/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा जारी किया गया है।

नायब तहसीलदार
उकवा

न्यायालय नायब तहसीलदार उकवा
तहसील परसवाडा जिला बालाघाट

रा.प्र.क्र. 0026/ड-154/वर्ष 2025-26
मौजा गुदमा प.ह.नं. 50

आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण एवं आम जनता ग्राम गुदमा तहसील परसवाडा को सूचित किया जाता है कि आवेदिका नीतू पिता नरसिंह चुरेन्द्र निवासी ग्राम गुदमा जिला बालाघाट के द्वारा आवेदन पत्र मे उल्लेख कर बताया है कि अपने माता भूनेश्वरी पति नरसिंह की मृत्युतिथि 15.07.1984 को ग्राम गुदमा में मत्यु होने से मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस कार्यालय को प्रस्तुत किया है।

इस संबंध मे जिस किसी व्यक्ति को इस संबंध मे कोई दावा आपत्ति प्रस्तुत करना चाहते है तो वह अपनी लिखित दावा आपत्ति नियत पेशी दिनॉक 10/04/2026 के पूर्व अपने अभिभावक या स्वयं उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत पेशी दिनॉक भुगत जाने के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज तारीख 25/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा जारी किया गया है।

नायब तहसीलदार
उकवा

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

31 मार्च को मनाई जाएगी माँ कर्मा जयंती, तैयारियां तेज

युवा जिला अध्यक्ष के चयन को लेकर समाज होगा एकजुट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला तेली साहू समाज बालाघाट द्वारा 31 मार्च को माँ कर्मा देवी जयंती के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।इस दौरान समाज के युवा जिला अध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया भी संपन्न कराई जाएगी। आयोजन को लेकर समाज द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां प्रारंभ कर दी गई है।जिला मुख्यालय बालाघाट में 31 मार्च (मंगलवार) को भटेरा रोड़ स्थित एक होटल में जिला तेली साहू समाज द्वारा माँ कर्मा देवी जयंती का आयोजन किया जाएगा।इस कार्यक्रम को लेकर समाज के पदाधिकारियों और सदस्यों में उत्साह देखा जा रहा है।समाज के पदाधिकारियों ने जिले के सभी स्वजातीय बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने और अपने परिचितों को भी आमंत्रित करने का आग्रह किया है। कार्यक्रम में समाज की एकजुटता और विकास को लेकर चर्चा के साथ ही युवा जिला अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया भी आयोजित की जाएगी।कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए ब्लॉक तेली (साहू) समाज लालबर्रा द्वारा 10,001 रुपए का सहयोग प्रदान किया गया है। वहीं महिला जिलाध्यक्ष श्रीमती दीपा खेमराज भोंगड़े द्वारा कार्यक्रम में माँ कर्मा देवी की प्रसादी वितरित की जाएगी।आयोजन की तैयारियों को लेकर विभिन्न जिम्मेदारियां भी तय कर दी गई हैं। अतिथियों के स्वागत, मंच संचालन, पूजन सामग्री, जलपान, महिलाओं की व्यवस्था, बैठक और मीडिया प्रचार-प्रसार सहित सभी कार्यों के लिए अलग-अलग पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।जिला तेली साहू समाज के जिला अध्यक्ष राजेंद्र मानवटकर और महिला मंडल जिला अध्यक्ष श्रीमती दीपा खेमराज भोंगाड़े सहित सभी पदाधिकारियों व सदस्यों ने सभी स्वजातीय बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थिति की अपील की है।

जिला अस्पताल की आईसीयू में एसी बंद, मरीजों और स्टाफ की बढ़ी परेशानी

बंद वार्ड में उमस से हालात गंभीर, कई महीनों से नहीं सुधरी व्यवस्था

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला चिकित्सालय की गहन चिकित्सा इकाई में बीते कई महीनों से एयर कंडीशनिंग सिस्टम बंद पड़ा हुआ है, जिससे यहां भर्ती गंभीर मरीजों और ड्यूटी पर तैनात स्वास्थ्य कर्मियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यह वार्ड अत्यंत संवेदनशील श्रेणी के मरीजों के लिए बनाया गया है और इसे पूरी तरह से बंद एवं नियंत्रित वातावरण में संचालित किया जाता है। शुरुआत में इसे आधुनिक आईसीयू की तर्ज पर चारों ओर से सील कर तैयार किया गया था, ताकि मरीजों को संक्रमण से बचाते हुए बेहतर उपचार मिल सके। लेकिन वर्तमान में एसी बंद होने के कारण यह बंद वार्ड गर्मी के मौसम में मरीजों के लिए असहनीय बनता जा रहा है। मरीजों और उनके परिजनों के अनुसार दिन के समय किसी तरह स्थिति संभाली जा सकती है, लेकिन रात के समय हालात और भी खराब हो जाते हैं। चारों ओर से बंद होने के कारण वार्ड के भीतर उमस और घुटन जैसी स्थिति बन जाती है, जिससे गंभीर मरीजों की तकलीफ और बढ़ रही है। स्वास्थ्य कर्मियों ने भी बताया कि लगातार बंद वातावरण और गर्मी के कारण उन्हें ड्यूटी के दौरान कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे कामकाज भी प्रभावित हो रहा है। इस गंभीर स्थिति के बावजूद अब तक एसी व्यवस्था को दुरुस्त नहीं किया गया है, जिससे अस्पताल प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं।

जिला चिकित्सालय एक बार फिर अपनी अव्यवस्थाओं को लेकर सुर्खियों में है। आए दिन किसी न किसी समस्या को लेकर चर्चा में रहने वाला यह अस्पताल अब गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) वार्ड में मूलभूत सुविधा के अभाव के कारण सवालों के घेरे में आ गया है। यहां भर्ती गंभीर मरीजों को भीषण गर्मी और उमस के बीच इलाज कराने को मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार, कोरोना काल के दौरान विशेष रूप से तैयार किया गया गहन चिकित्सा इकाई वार्ड वर्तमान में एसी बंद होने के कारण मरीजों के लिए परेशानी का कारण बन गया है। यह वार्ड पूरी तरह से बंद संरचना में निर्मित है, ताकि गंभीर मरीजों को नियंत्रित वातावरण में बेहतर उपचार मिल सके। लेकिन बीते कई महीनों से यहां लगा एयर कंडीशनर (एसी) खराब पड़ा है, जिसे अब तक दुरुस्त नहीं किया जा सका है। गर्मी के बढ़ते प्रभाव के बीच इस बंद वार्ड में उमस और घुटन की स्थिति लगातार बढ़ रही है। पंखों के सहारे किसी तरह व्यवस्था चलाई जा रही है, लेकिन गंभीर मरीजों के लिए यह पर्याप्त नहीं है। मरीजों और उनके परिजनों का कहना है कि दिन के समय तो किसी तरह स्थिति संभल जाती है, लेकिन रात के समय वार्ड में अत्यधिक गर्मी और घुटन के कारण हालात और भी ज्यादा खराब हो जाते हैं। वार्ड में भर्ती मरीज मनीराम कावरे ने बताया कि वे पिछले दो दिनों से अस्पताल में भर्ती हैं, लेकिन एसी बंद होने के कारण उन्हें काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि पंखे से काम चलाना पड़ रहा है, लेकिन बंद कमरे में यह व्यवस्था राहत देने में नाकाफी साबित हो रही है। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन से जल्द से जल्द एसी ठीक कराने की मांग की है। मरीज के परिजन सोहेल खान ने भी अस्पताल की व्यवस्थाओं पर नाराजगी जताते हुए बताया कि जब वे अपने परिचित को देखने पहुंचे, तो उन्होंने पाया कि पूरी तरह बंद आईसीयू वार्ड में एसी काम नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि यहां करीब एक दर्जन से अधिक मरीज भर्ती हैं, जो गर्मी और उमस के बीच इलाज लेने को मजबूर हैं। अभी तो गर्मी की शुरुआत है, आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। गौरतलब है कि जिला चिकित्सालय पहले भी पेयजल संकट, प्रसव के नाम पर पैसे लेने और अन्य अव्यवस्थाओं को लेकर चर्चा में रहा है। इसके बावजूद व्यवस्थाओं में अपेक्षित सुधार नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में लगातार सामने आ रही लापरवाहियां अस्पताल प्रबंधन की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर रही हैं। स्थानीय लोगों और मरीजों के परिजनों ने स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन से मांग की है कि गहन चिकित्सा इकाई जैसे संवेदनशील वार्ड की व्यवस्थाओं को प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त किया जाए। उनका कहना है कि गंभीर मरीजों के उपचार में किसी भी प्रकार की लापरवाही सीधे उनके जीवन से जुड़ा विषय है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अब देखना यह होगा कि जिम्मेदार अधिकारी इस गंभीर समस्या को कितनी गंभीरता से लेते हैं और कब तक आईसीयू वार्ड में एसी सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं बहाल कर मरीजों को राहत प्रदान करते हैं।

मासूम बेटे की हत्या के आरोप में पिता गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रूपझर पुलिस ने एक हृदयविदारक घटना में रतन सिंह उइके 26 वर्ष को अपने ही मासूम बेटे की हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिए। आरोपी रतनसिंह उइके को बैहर की अदालत में पेश कर दिया गया। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में बैहर जेल भिजवा दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रतन सिंह उइके मूल रूप से ग्राम टिकरिया का रहने वाला है। जिसकी शादी 7 वर्ष पूर्व सुनीता से हुई और शादी के बाद से वह अपने ससुराल केसलई में रहने लगा था और मजदूरी कर रहा था जिसके परिवार में पत्नी सुनीता के अलावा एक 6 वर्ष की बड़ी बेटी है और बेटा वीरेंद्र कुमार 3 वर्ष का था। रतन सिंह अपने बच्चों को डांट फटकार लगाते रहता था। वर्तमान में रतन सिंह अपनी पत्नी सुनीता के साथ सुबह प्रतिदिन महुआ चुनने के लिए जाता था। बच्चे घर में रहते थे। 27 मार्च को सुबह रतन सिंह अपनी पत्नी सुनीता के साथ महुआ चुनने के लिए जंगल गया था। दोपहर में ही दोनों पति-पत्नी घर आए थे 4:00 बजे करीब रतन सिंह की पत्नी सुनीता बोदा लेने के लिए खेत तरफ गई थी। रतन सिंह घर में था उसे समय उसका बेटा वीरेंद्र कुमार घर आंगन में नहा रहा था तभी रतन सिंह को अचानक किसी बात को लेकर गुस्सा आ गया और उसने गुस्से में अपने बेटे वीरेंद्र कुमार पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया कुल्हा ?ी का वार वीरेंद्र कुमार के गर्दन और कनपटी में लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई ।घटना के दौरान उसकी पत्नी सुनीता घर पहुंची और खबर लगते ही मोहल्ले वालों की मौके पर भी लग गई थी। इस घटना की सूचना डोरा पुलिस चौकी के माध्यम से रूपझर पुलिस थाना में दी गई थी। सूचना मिलते ही रूपझर थाना प्रभारी दीपक त्रिपाठी अपने स्टाफ के साथ ग्राम केसलई पहुंच गए और उन्होंने मौके की कार्यवाही की। इस मामले में रतन सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया था। 28 मार्च को मृतक बालक वीरेंद्र कुमार का शव पोस्टमार्टम जिला अस्पताल बालाघाट में करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया है। गिरफ्तार रतन सिंह को बैहरकी अदालत में पेश कर दिया गया। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में बैहर जेल भिजवा दिया गया है। रूपझर पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

ग्राम डोंगरिया अपने दोस्त की बारात में आए युवक से मारपीट

ऋषभ उपवंशी और रोहित के विरूद्ध अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम डोंगरिया अपने दोस्त की बारात में आए एक युवक को उभारी दे मारपीट कर घायल कर दिया गया। घायल युवक हिमांशु पिता टोलीराम ठाकुर 26 वर्ष ग्राम फोगल टोला थाना खैरलांजी निवासी है। जिसका इलाज खैरलांजी के अस्पताल में किया गया। वही खैरलांजी पुलिस ने इस मामले में ऋषभ उर्फ टिंगा उपवंशी ग्राम सावरी रोहित ग्राम खैरलांजी निवासी के खिलाफ मामला कायम कर जांच शुरू की है।

आप जानकारी के अनुसार हिमांशु ठाकुर की खैरलांजी में बेकरी की दुकान है। 27 मार्च की रात्रि 10:30 बजे हिमांशु ठाकुर अपने दोस्त की बारात में ग्राम डोंगरिया गया था। यहा पर हिमांशु ठाकुर अपने दोस्तों के साथ खाना खा रहा था। इस समय ऋषभ उर्फ टिंगा उपवंशी आया और हिमांशु ठाकुर के भाई का मजाक उड़ा रहा था । हिमांशु ठाकुर ने ऋषभ उपवंशी को मजाक करने से मना किया ।इसी को लेकर के दोनों के बीच कुछ विवाद हुआ था। हिमांशु ठाकुर खाना खाने के बाद सामने पान ठेले में पानी पीने गया था। तभी वहां पर ऋषभ उपवंशी अपने दोस्त रोहित के साथ आया और हिमांशु ठाकुर को अकेला देख उसे अश्लील गालियां देते हुए हाथ भूसे उभारी से मारपीट करने लगे । उभारी वार हिमांशु ठाकुर के सिर दोनों कंधों में लगने से वह नीचे गिर गया। इसके बाद ऋषभ उपवंशी और रोहित दोनों हिमांशु ठाकुर को जान से मार डालने की धमकी देते हुये, वहा से फरार हो गए। इस घटना में घायल हिमांशु ठाकुर को खैरलांजी के अस्पताल में भर्ती किया गया था। खैरलांजी पुलिस ने इस मामले में ऋषभ उपवंशी और उसके साथी रोहित के विरुद्ध अश्लील गालियां देते हुए मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

अमर शहीद श्रद्धांजलि ट्रॉफी फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन आज

सतना को बालाघाट ने 3-0 से, तो भोपाल ने 6-0 से उकवा को हराया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नक्सली हमले में शहीद हुए सब इंस्पेक्टर स्वर्गीय आशीष शर्मा की याद में नगर के मुलना स्टेडियम में 16 मार्च से आयोजित अमर शहीद श्रद्धांजलि ट्रॉफी फुटबॉल प्रतियोगिता का अंतिम मैच रविवार को खेला जाएगा।जिसके उपरांत नगर में आयोजित इस फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन होंगा।जबकि प्रतियोगिता के अन्य मैच जबलपुर में खेले जाएंगे।नगर के मुलना स्टेडियम में आयोजित इस फुटबॉल प्रतियोगिता में 28 मार्च शनिवार को 2 अहम मुकाबले खेले गए।मध्य प्रदेश फुटबॉल एंव जिला फुटबॉल संघ बालाघाट द्वारा आयोजित इस अंडर 15 यूथ क्लब लीग फुटबाल बॉयज प्रतियोगिता में शनिवार का पहला मैच द डॉयमंड रॉक एकेडमी बालाघाट बनाम सतना सोल्डर के मध्य खेला गया,जो काफी रोमांचक रहा। इस मैच में बालाघाट के खिलाड़ियों ने सतना के खिलाफ एक तरफा 03 गोल-दागकर यह मैच अपने नाम कर लिया, तो वहीं सतना की टीम बालाघाट के खिलाफ एक भी गोल नहीं दाग सकी। जिसके चलते सतना को हार का सामना करना पड़ा। वहीं प्रतियोगिता का दूसरा मैच मदन महाराज भोपाल बनाम बॉयज एफसी उकवा के मध्य खेला गया।इस मैच में भी उकवा के खिलाड़ी अपने पैरों का जादू दिखाने में कामयाब नहीं हो सके, जो प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ एक भी गोल नहीं दाग सके, वही मदन महाराज भोपाल के खिलाड़ियों ने लगातार 06 गोल दागकर एकतरफा 6-0 से यह मैच अपने नाम कर लिया।इस दौरान पुष्पा, सपना, प्रिया सिलावट, मुकेश, गौरव रिफ्रीज इंचार्ज विनोद शर्मा एवम मैच कमिसनर चंद्रा मालिक निर्णायक की भूमिका में नजर आए तो वही दिलीप राजपूत, गणेश अग्रवाल, और उत्तम दादा की उपस्तिथि सराहनीय रही।

बालाघाट ने सतना के खिलाफ 03 गोंल दागकर दर्ज की एकतरफा जीत

फुटबॉल संघ सचिव सुनील यादव द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार प्रतियोगिता में 28 मार्च को दिन का पहला मैच द डायमंड रॉक एकेडमी बनाम सतना सोल्डर के मध्य खेला गया।जहा खेल शुरू होते ही बालाघाट की टीम गोल करने का प्रयास करती रही, तो वही सतना बचाव में लगी रही। लेकिन बालाघाट के खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए मैदान पर पैरों का जमकर जादू दिखाया। सतना के खिलाफ, खेले गए इस मैच में, खेल के 7 वे मिनट में डायमंड रॉक एकेडमी बालाघाट ने पहला गोल कर मैच में पकड़ बनाई, तो खेल के 15 मिनट में दूसरा गोल किया। मध्यांतर तक डायमंड रॉक एकेडमी 2-0 से आगे रही। मध्यांतर के पश्चात् 57 वे मिनट में द डायमंड रॉक एकेडमी बालाघाट ने तीसरा गोल किया। उधर सतना सोल्डर के खिलाड़ी अपने पैरों का जादू नहीं दिखा सके। जो लाख जद्दोजेहद के बावजूद भी ना तो बालाघाट के खिलाफ गोल करने में कामयाब हुए, बल्कि सतना के खिलाड़ी ठीक से डिफेंडर की भूमिका अदा करते हुए भी नजर नहीं आए। इस तरह अंत में द डायमंड रॉक बालाघाट 3-0 से विजय रही।

भोपाल ने 06 गोल से उकवा को हराया

वही प्रतियोगिता में दिन का दूसरा व अंतिम मैच मदनमहराज भोपाल बनाम बॉयज एफसी उकवा के मध्य खेला गया।जहा खेल के 2 मिनट में भोपाल ने पहला गोल किया,वही खेल के 23 वे मिनट में भोपाल ने दूसरा गोल कर मैच में पकड़ बनाई, मध्यांतर तक भोपाल 2-0 से आगे रही।उधर मध्यांतर के पश्चात् खेल के 49 मिनट में भोपाल ने तीसरा गोल कर, खेल के 52 मिनट में चौथा गोंल कर मैच को अपनी मुट्ठी में कर लिया।इसके उपरांत खेल के 67 मिनट में भोपाल ने 5 वा गोल किया तो वही खेल के 76 मिनट में भोपाल 6 वा गोल कर मैच अपने पक्ष में कर लिया। उधर उकवा के खिलाड़ी डिफेंडर की भूमिका में नजर आए, लेकिन वे गोल को नहीं रोक सके, वही लाख जद्दोजहद के बावजूद भी उकवा के खिलाड़ियों को भोपाल के खिलाफ गोल डालने में कामयाबी भी नहीं मिली।अंत में मदन महाराज भोपाल 6-0 से विजय रही। वही उकवा को इस मैच में करारी हार का सामना

हनुमान जन्मोत्सव पर निकलेगी शोभायात्रा, 40 किलो मुकुट धारण करेंगे साधक मोहित सोनी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट में इस वर्ष भी हनुमान जन्मोत्सव का पर्व भक्ति, आस्था और भव्यता के साथ मनाया जाएगा। माँ त्रिपुर सुंदरी मंदिर में आयोजित प्रेस वार्ता में हनुमान सेवा दल समिति एवं मंदिर ट्रस्ट ने कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी साझा की। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर भव्य चल समारोह निकाला जाएगा, जो शहर का प्रमुख आकर्षण रहेगा। इस वर्ष का विशेष आकर्षण साधक महाराज मोहित सोनी द्वारा 40 दिनों की साधना पूर्ण करने के बाद 40 किलो वजनी मुकुट धारण कर भगवान श्री हनुमान के स्वरूप में शोभायात्रा में शामिल होना रहेगा।

बताया गया कि त्रिपुर सुंदरी मंदिर से निकलने वाला यह चल समारोह अब अपने नौवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। हर वर्ष की तरह इस बार भी साधक कठोर नियमों और तपस्या का पालन करते हुए यह मुकुट धारण करेंगे, जिसे श्रद्धालु आस्था का अद्भुत प्रतीक मानते हैं।

कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत 23 मार्च को पुराना श्रीराम मंदिर में स्वरूप स्थापना पूजन एवं तेल-सिंदूर अर्पण किया गया। इसके बाद 26 मार्च को स्वरूप धारण का ट्रायल और 27 मार्च को प्रभु श्रीराम जन्मोत्सव पर विशेष अभिषेक संपन्न हुआ। आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया गया कि 30 मार्च को साधक द्वारा शहर के विभिन्न मंदिरों में दर्शन-पूजन किया जाएगा, जबकि 31 मार्च को चौरई महाकाल समिति द्वारा महाआरती का आयोजन होगा। मुख्य आयोजन 2 अप्रैल को होगा, जब माँ त्रिपुर सुंदरी मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों और मंदिरों से होते हुए पुराना श्रीराम मंदिर पहुंचेगी। शोभायात्रा में आकर्षक झांकियां, बैण्ड-बाजे और ढोल-नगाड़ों की गूंज वातावरण को भक्तिमय बनाएगी। प्रेस वार्ता के दौरान शंकर मोटवानी, लालू चावड़ा, राजू सोनी, सुनील आडवाणी, आकाश ठाकुर, सुमित मंगलानी, माणकचंद सोनी, अविनाश सिंह ठाकुर, लवेश वाधवानी, नीरज सोनी, अमन सनपाल, सुशील ठाकुर, कैलाश सोनी और ऋषि रंगलानी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। समिति ने जिले के सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे परिवार सहित इस भव्य आयोजन में शामिल होकर धर्मलाभ अर्जित करें और हनुमान जन्मोत्सव को उत्साहपूर्वक मनाएं।

मोटरसाइकिल अनियंत्रित होने से दो युवक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली क्षेत्र में आने वाले ग्राम गर्रा समीप लालबर्रा रोड मोटरसाइकिल अनियंत्रित होने से दो युवक घायल हो गए। दोनों घायल कमल पिता बस्ताराम मातरे 30 वर्ष और दिलीप पिता बंसीलाल मातरे 28 वर्ष दोनों ग्राम बोट्टे हजारी थाना लालबर्रा निवासी है। जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कमल और दिलीप दोनों भवन निर्माण में मिस्त्री का काम करते हैं। 28 मार्च की शाम 5:00 बजे करीब दिलीप अपने चचेरे भाई कमल के साथ अपने छोटे भाई की शादी का निमंत्रण कार्ड देने के लिए अपने ससुराल गर्रा आ रहा था। तभी लालबर्रा रोड ग्राम गर्रा समीप पेट्रोल पंप के पास अचानक सामने एक ट्रक आ जाने से मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई। जिससे दोनों युवक मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गए। दोनों घायल को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया है।बताया गया की घटना के दौरान दोनों युवक शराब पिये हुए थे।

शादी समारोह में डीजे की धुन में नाचने पर विवाद- महिला पर हुआ हमला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली क्षेत्र में आने वाले ग्राम छोटी कुम्हारी में शादी समारोह में डीजे में नाचने गाने के पर से हुए विवाद के दौरान एक महिला को हाथ बुक्के और लाठी से मार कर घायल कर दिया गया। यह घटना बीती रात में हुई। सर में लाठी का वार पड़ने से महिला बसंती पति गणेश गिरी 40 वर्ष आखरटोली ग्राम खैरी निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बसंती गिरी अपने परिवार के साथ मजदूरी करती है। जिसके दो बेटे और एक बेटी है।जिनमे बेटे अरुण गिरी 18 वर्ष और सूरज गिरी 10 वर्ष का है। 27 मार्च की रात्रि बसंती गिरी अपने परिवार के साथ ग्राम छोटी कुम्हारी सुशील लिल्हारे के घर उसकी शादी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गई थी। रात्रि में शादी के कार्यक्रम में डीजे की धुन में लड़के नाच गा रहे थे।बसंती गिरी के भी दोनों लड़के सूरज और अरुण भी नाच गा रहे थे। नाच गाने के दौरान अरुण गिरी और सूरज गिरी को कुछ लड़के मारपीट करने लगे थे। तभी बसंती गिरी बीच बचाव करने के लिए गई। तीन चार लड़कों ने बसंती गिरी पर हमला करते हुए उसे हाथबुक्के के अलावा लाठी से मारपीट कर दिए। लाठी का वार सिर में पढ़ने से बसंती गिरी का सिर फट गया और वह घायल हो गई थी।जिसे डायल 112 से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया है।जिला अस्पताल पुलिस ने बसंती गिरी का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्यवाही हेतु कोतवाली बालाघाट भिजवादी।

जनगणना 2027 फील्ड ट्रेनर्स के द्वितीय बैच का प्रशिक्षण शुरू

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में जनगणना 2027 के अंतर्गत मकान सूचीकरण कार्य को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए फील्ड ट्रेनर्स के द्वितीय बैच का तीन दिवसीय प्रशिक्षण 28 मार्च 2026 से ई-दक्ष केंद्र में प्रारंभ हो गया है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य फील्ड ट्रेनर्स को मकान सूचीकरण एवं संबंधित प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान करना है, ताकि जनगणना कार्य को निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रभावी ढंग से संपन्न किया जा सके। प्रशिक्षण के दौरान जनगणना प्रभारी एवं डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कुमार कौरव, जिला प्रभारी रोहित पांडे, जिला मास्टर ट्रेनर राकेश पटले एवं विनोद आड़े ने उपस्थित रहकर फील्ड ट्रेनर्स को आवश्यक मार्गदर्शन दिया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को जनगणना के विभिन्न पहलुओं, डेटा संकलन की प्रक्रिया एवं सावधानियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अधिकारियों ने प्रशिक्षण के दौरान यह भी बताया कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसके माध्यम से देश की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का सटीक आकलन किया जाता है।

आस-पास की खबरें

बंजारी माता मंदिर में दीप प्रज्वलन कर दिया जल संरक्षण का संदेश

पद्मेश न्यूज।लालबर्रा। मध्यप्रदेश शासन द्वारा जल स्त्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए चलाये जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नगर मुख्यालय से लगभग 15 किलोमीटर दूर बालाघाट-सिवनी मार्ग पर स्थित ग्राम कंजई के प्रसिद्ध बंजारी माता मंदिर परिसर में मध्यप्रदेश जन

अभियान परिषद द्वारा जलशक्ति से नवभक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की शुरुआत बंजारी माता की विशेष पूजा-अर्चना और दीप प्रज्वलन के साथ हुई और चैत्र नवरात्रि की अष्टमी के पावन पर्व पर आयोजित इस कार्यक्रम में मंदिर परिसर को दीपों की रोशनी से जगमगाया गया। वहीं उपस्थितजनों ने माता रानी से क्षेत्र की सुख-समृद्धि और जल संकट से मुक्ति के लिए प्रार्थना की। यह कार्यक्रम बालाघाट कलेक्टर मृणाल मीणा के निर्देशानुसार एवं मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक सुशील बर्मन और विकासखंड समन्वयक श्रीमती वैजन्ती कटरे के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। अभियान का मुख्य उद्देश्य जल स्त्रोतों के संरक्षण में जनभागीदारी को बढ़ावा देना और आमजन को जल की महत्ता के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने जल स्त्रोतों को स्वच्छ रखने और वर्षा जल के संचयन का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये वक्ताओं ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि भविष्य को सुरक्षित करने का एक सामूहिक प्रयास है, जिससे जल स्त्रोतों को सुरक्षित व संरक्षित किया जा सके और यह भक्ति और शक्ति का मेल हमें जल संरक्षण की नई राह दिखायेगा। इस अवसर पर ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति कंजई के अध्यक्ष सेवकराम तुरकर, नवांकुर संस्था ग्राम विकास एवं जनकल्याण समिति के अध्यक्ष चैनलाल चौधरी और परामर्शदाता सुश्री प्रेमबती उईके, गायत्री पंचेश्वर, रेनू कैयवास, रिया कैयवास, उलेश कटरे, संदीप टेंभरे, सलभ सराठे एवं विनीता इनवाती सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे।

रानी अवंती बाई की प्रतिमा स्थापना के लिये लोधी समाज ने सौंपा ज्ञापन

पांढरवानी सरपंच से की भूमि आवंटन की मांग: सरपंच ने दिया आश्वासन

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज।लालबर्रा।

नगर मुख्यालय में स्थित ग्राम पंचायत पांढरवानी कार्यालय में 28 मार्च को अखिल भारतीय लोधी, लोधा अधिकारी कर्मचारी संघ (आलोक) की जिला इकाई बालाघाट के द्वारा वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की प्रतिमा स्थापित करने हेतु सरपंच अनीस खान को मांग पत्र सौंपा गया। लोधी समाज रानी अवंती बाई की भव्य प्रतिमा की स्थापना मुख्य मार्ग बस स्टैंड से हाई स्कूल की ओर जाने वाली सड़क के डिवाइडर पर स्थित रिक्त भूमि के कोने (कॉर्नर) पर करना चाहते हैं और इस प्रतिमा की स्थापना के लिए लगने वाली संपूर्ण राशि का वहन समाज द्वारा स्वयं ही जनभागीदारी से किया जायेगा। समाज की मांग पर सरपंच के द्वारा सामाजिक पदाधिकारियों को आश्वासन दिया गया है कि वे उनकी मांगों को पूरा करने का पूरा प्रयास करेगें और प्रतिमा स्थापना में समाज की हर संभव सहायता करेगें। तत्संबंध में जानकारी देते हुये पदाधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र के सामाजिक विकास और महापुरुषों के सम्मान की दिशा में हमारे द्वारा यह कदम उठाया गया है और रानी अवंतीबाई लोधी मात्र एक समाज की प्रतीक ही नहीं बल्कि अदम्य साहस और देशभक्ति की मिसाल है। इस प्रतिमा की स्थापना का मुख्य उद्देश्य हमारी आने वाली पीढ़ियों को अपने महापुरूषों के बारे में जानकरी देना है और उनके गौरवशाली इतिहास से जोड़ना है। युवा जब भी इस प्रतिमा को देखें तो उनमें वीरांगना अवंतीबाई के बलिदान को देखकर राष्ट्रप्रेम व राष्ट्रसेवा का भाव जागृत हो सके और वे महापुरूषों के बतायें मार्गों पर चलकर समाज को नई दिशा प्रदान कर उन्नति की ओर लेकर जाये। चर्चा में आलोक संघ के पदाधिकारी डॉ सोमालाल बघेले ने बताया कि वीरांगना रानी अवंतीबाई की प्रतिमा स्थापना के लिये हाईस्कूल मार्ग डिवाईडर के समीप भूमि प्रदान किये जाने की मांग को लेकर सरपंच महोदय को ज्ञापन सौंपा गया है उन्होने आश्वासन दिया है कि वे चयनित स्थान पर प्रतिमा स्थापना के लिये पूरा सहयोग करेगें। श्री बघेले ने बताया कि वीरांगना रानी अवंतीबाई की प्रतिमा की स्थापना समाज के लोगों के सहयोग से किया जाना है जिसका संपूर्ण खर्च समाज के लोगों के द्वारा ही वहन किया जायेगा और भूमि आवंटित होने के पश्चात शीघ्र ही प्रतिमा स्थापित की जायेगी। सरपंच अनीस खान ने बताया कि लोधी समाज के पदाधिकारियों के द्वारा नगर में वीरांगना रानी अवंतीबाई की प्रतिमा स्थापना के लिये ग्राम पंचायत से सहयोग की मांग की है, ग्राम पंचायत लोधी समाज को हर संभव सहयोग प्रदान करेगी और सामाजिक पदाधिकारियों के द्वारा स्वयं ही स्थान का चयन किया जायेगा उन्हे समझाईश दी गई है कि वे हाईस्कूल डिवाडर मार्ग पर ऐसे स्थान का चयन करे जिससे यातायात बाधित ना हो एवं आसानी से प्रतिमा स्थापित हो सके तभी पंचायत उन्हे अनुमति प्रदान कर सकती है। इस दौरान अखिल भारतीय लोधी संघ (आलोक) के अध्यक्ष प्रभुलाल पिछोड़े, टीकाराम मोहारे, हितेन्द्र दमाहे, फूलचंद सिहोरे, सोमालाल बघेले, रामचंद्र सिहोरे, बसंत सौलाखे और हरीश सिहोरे सहित अन्य पदाधिकारीगण व सामाजिक बंधु मौजूद थे।

माँ कात्यायनी मंदिर से निकली 113 ज्योति कलशों की शोभायात्रा

तालाबों में जवारों का किया गया विसर्जन, महाप्रसादी का हुआ वितरण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर सांई ग्राम बकोड़ा स्थित अति प्राचीन माँ कात्यायनी मंदिर में चैत्र नवरात्र पर्व के प्रथम दिन 19 मार्च को शुभ मुहुर्त में विधि-विधान से पूजन अर्चन कर मंदिर के कलश कक्ष में 113 मनोकामना %योति कलशों की स्थापना के बाद नौ दिनों तक मातारानी की आराधना की गई एवं अष्टमी पर हवन-पूजन के बाद प्रसादी का वितरण किया गया। चैत्र नवरात्र पर्व के समापन के अवसर पर माँ कात्यायनी मंदिर प्रांगण से 28 मार्च को प्रात: 11 बजे 113 कलशों की विशाल शोभायात्रा निकाली गई। इस जवारे विसर्जन व शोभायात्रा में कलशों को लेकर ग्राम की महिलाएं व नवयुवतियां निकली जिसके पश्चात शोभायात्रा ग्राम का भ्रमण करते हुए स्थानीय तालाब पहुंची जहां आरती के पश्चात् जवारों का विसर्जन किया गया। विसर्जन पश्चात् सभी श्रध्दालु कलशों के साथ मंदिर प्रांगण पहुंचे जहां मंदिर समिति द्वारा कलशधारी महिलाओं व कन्याओं का पैर धुलकर पूजन किया जिसके बाद महाप्रसादी का वितरण किया गया। चर्चा में माँ कात्यायनी मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि गत 19 मार्च को माँ कात्यायनी माता की विधि-विधान से पूजा अर्चना कर 22 घी व 91 तेल के मनोकामना कलश प्र%वलित कर जवारे बोये गये एवं नौ दिनों तक मातारानी की आराधना की गई एवं 28 मार्च को मंदिर प्रांगण से कलशों की शोभायात्रा निकालकर ग्राम स्थित तालाब में कलश व जवारे विसर्जित कर महाप्रसादी का वितरण किया गया। साथ ही यह भी बताया कि माता-रानी से प्रार्थना करते है कि सभी के जीवन में हमेशा खुशहाली

बनाये रखे। इस अवसर पर माँ कात्यायनी मंदिर समिति के पदाधिकारी, सदस्यगण व श्रध्दालुजन उपस्थित रहे।

कक्षा 5 वीं और 8 वीं का परीक्षा परिणाम घोषित: लालबर्रा ब्लॉक जिले में अव्वल

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के द्वारा आयोजित कक्षा 5 वीं और 8 वीं की बोर्ड पैटर्न वार्षिक परीक्षा 2025-26 का परिणाम 25 मार्च को घोषित किया गया है। इस वर्ष के परीक्षा परिणामों में लालबर्रा विकासखंड ने अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता का परिचय देते हुए जिले में शानदार प्रदर्शन किया है और कक्षा 5 वीं व कक्षा 8 वीं के परिणाम में लालबर्रा विकासखंड पूरे बालाघाट जिले में प्रथम स्थान पर रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लालबर्रा विकासखण्ड में कक्षा 5 वीं कुल 2568 बच्चे दर्ज थे जिसमें से 2535 ब'चे परीक्षा में सम्मिलित हुये और 2531 विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की है और इसी तरह कक्षा 8 वीं में कुल 2441 विद्यार्थी दर्ज थे जिनमें से 2397 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए और 2392 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। इस तरह से जिले में लालबर्रा ब्लाक का रिजल्ट कक्षा 5 वीं 99.84 प्रतिशत और कक्षा 8 वीं 99.79 के साथ जिले में सर्वश्रेष्ठ रहा। परिणाम घोषित होते ही विद्यार्थियों और अभिभावकों में भारी उत्साह देखा गया। अधिकांश लोगों ने बिना किसी तकनीकी बाधा के आसानी से ऑनलाइन पोर्टल और मोबाइल के माध्यम से अपना रिजल्ट चेक किया। परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद अब स्कूलों में नए सत्र की तैयारियां युद्ध स्तर पर प्रारंभ कर दी गई हैं ताकि पहले ही दिन से पढ़ाई का माहौल बनाया जा सके। अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों के घरों में खुशी का माहौल है, वहीं शिक्षकों ने सफल छात्र-छात्राओं को उनके उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

इनका कहना है-

कक्षा 5 वीं व कक्षा 8 वीं का वार्षिक परीक्षा परिणाम गत दिनों राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के द्वारा जारी किया गया है जिसमें लालबर्रा ब्लाक का परीक्षा परिणाम जिले में सर्वश्रेष्ठ रहा है और हमारे द्वारा आगामी सत्र की तैयारियां भी प्रारंभ कर दी गई है और ब'चों की पाठ्य पुस्तकें भी आ चुकी है जिनका शीघ्र वितरण कर नवीन सत्र की पढ़ाई प्रारंभ की जायेगी। हमारा यहीं प्रयास रहेगा कि प्रतिवर्ष इसी तरह से बेहतर परीक्षा परिणाम रहे ।

श्रीराम तुरकर
विकासखण्ड स्त्रोत समन्वय अधिकारी
जनपद शिक्षा केंद्र लालबर्रा

लालबर्रा में हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी संत शिरोमणि सेन जी महाराज की 726वीं जयंती

ब्लॉक सेन समाज की बैठक संपन्न, आगामी कार्यक्रम को लेकर विचार विमर्श कर बनाई गई रणनीति

पद्मेश न्यूज।लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित मजार के समीप भारद्वाज कॉम्प्लेक्स परिसर में 28 मार्च को ब्लॉक सेन (नाई) समाज की एक आवश्यक बैठक ब्लॉक अध्यक्ष दिलीप सेन की अध्यक्षता में गरिमामयी वातावरण में संपन्न हुई, जिसमें आगामी 14 अप्रैल को आराध्य संत शिरोमणि श्री सेन जी महाराज की 726 वीं जयंती को भव्य रूप से मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक के दौरान समाज के उत्थान और जयंती महोत्सव की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें सर्वसम्मति से तय किया गया कि जयंती के पूर्व पांढरवानी में स्थित संत शिरोमणि सेनजी महाराज के मंदिर का रंग-रोगन कर उसे आकर्षक रूप दिया जायेगा एवं कार्यक्रम के दिन टेंट, लाइट, साउंड व बैठक व्यवस्था को सुव्यवस्थित किया जायेगा। साथ ही धार्मिक परंपरा के अनुसार प्रतिमा का जलाभिषेक , हवन-पूजन किया जायेगा और कार्यक्रम में शामिल होने वाले स्वजातीय बंधुओं के लिए समिति द्वारा स्वल्पाहार एवं शीतल जल की व्यवस्था की जायेगी। इस अवसर पर समाज के प्रति एकजुटता दिखाते हुए उपस्थित बंधुओं द्वारा आयोजन हेतु स्वैच्छिक दान राशि की घोषणा की गई और समिति ने 14 अप्रैल को जयंती के सम्मान में सभी स्वजातीय व्यापारियों से अपनी दुकानें बंद रखकर सहयोग करने की अपील की है। चर्चा में ब्लाक अध्यक्ष दिलीप सेन ने बताया कि संत शिरोमणि सेन जी महाराज हमारे समाज के आराध्य संत है जिनके बताएं मार्गों पर चलकर ही हम समाज को नई दिशा की ओर लेकर जा रहे है। संत शिरोमणि सेन जी महाराज की जन्म जयंती हमारे समाज के द्वारा प्रतिवर्ष सामाजिक बंधुओं के सहयोग से हर्षोल्लास के साथ मनाई जाती है और सामाजिक बंधुओं की उपस्थिति में बैठक आयोजित कर इस जयंती को भव्य रूप देने के लिये विचार विमर्श कर कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई है। श्री सेन ने बताया कि सामाजिक पदाधिकारियों एवं सामाजिक बंधुओं के द्वारा सेनजी महाराज की जयंती धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया है और सभी स्वजातीय बंधुओं से जयंती के दिन अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर समारोह में अपनी सहभागिता दर्ज करने की अपील की गई है। इस अवसर पर ब्लॉक सचिव आदित्य भारद्वाज, नगर अध्यक्ष संदीप सेन, नगर सचिव अवधेश मानेश्वर, नगर उपाध्यक्ष अतुल सर्राटे, संरक्षक मंडल मुकेश सेन, फूलचंद भारद्वाज, संजय उरकुड़े, अनूप श्रीवास, दीपक श्रीवास, रामप्रसाद गोले, रोशनलाल सर्राटे एवं अधिवक्ता नीतेश श्रीवास सहित अन्य सामाजिक पदाधिकारी व सामाजिक बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रामनवमी पर कोसुम्बा ग्राम में जल मंदिर (प्याऊ) का शुभारंभ,

जल गंगा अभियान को मिली नई गति

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रामनवमी के पावन अवसर पर कटंगी क्षेत्र के कोसुम्बा ग्राम में जल मंदिर (प्याऊ) का शुभारंभ किया गया। जल सेवा, मानव सेवा के उद्देश्य से आयोजित इस पहल ने भीषण गर्मी के बीच ग्रामीणों को राहत प्रदान करने के साथ ही जल संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश भी दिया।

कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन में जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान सतत संचालित है। इस अभियान के अंतर्गत जल स्त्रोतों की साफ-सफाई, गहरीकरण एवं बोरीबंधान जैसे कार्य जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक सराफ एवं जिला समन्वयक सुशील बर्मन के मार्गदर्शन में किए जा रहे हैं।

इसी कड़ी में नवांकुर संस्था एवं कोसुम्बा ग्राम विकास समिति द्वारा ग्राम के मुख्य चौक में जल मंदिर (प्याऊ) की स्थापना की गई। कार्यक्रम का नेतृत्व संस्था के युवराज मूर्खे ने किया तथा शुभारंभ पूजा-अर्चना के साथ संपन्न हुआ। उद्घाटन समारोह विधायक गौरवसिंह पारधी की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित हुआ। इस अवसर पर उन्होंने जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बढ़ती गर्मी में ऐसे जल मंदिर आमजन के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होते हैं। उन्होंने सभी से जल के संरक्षण एवं विवेकपूर्ण उपयोग की अपील करते हुए कहा कि जल बचाना हम सभी की जिम्मेदारी है, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए यह अमूल्य संसाधन सुरक्षित रह सके।

कार्यक्रम में जन अभियान परिषद से नवांकुर संस्था अध्यक्ष युवराज मूर्खे, परामर्शदाता अवलेश पारधी, प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष खेमराज मूर्खे, वरिष्ठ कार्यकर्ता प्रकाश सोनवाने, हरीश खोब्रागड़े, जयपाल पुष्पतोड़े, चंद्रकांत गर्दे, अशोक जायनाकर, मयंक मूर्खे, एवन नागोसे, विवेक जायनाकर, संतराम राऊत, इलेश सोनगड़े सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

इस पहल से न केवल राहगीरों और ग्रामीणों को पेयजल की सुविधा मिलेगी, बल्कि जल गंगा संवर्धन अभियान को भी नई ऊर्जा प्राप्त हुई है।

कोस्ते ग्राम पंचायत में फूटा ग्रामीणों का गुस्सा

प्रधानमंत्री आवास सूची से पात्र हितग्राहियों के नाम हटाने पर हुआ हंगांमा

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कोस्ते में 28 मार्च की दोपहर ग्रामीणों का भारी आक्रोश देखने को मिला। मामला प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची में कथित धांधली और अपारदर्शिता से जुड़ा है। जहाँ ग्रामीणों ने सरपंच और सचिव पर मनमाने ढंग से पात्र परिवारों के नाम काटने का गंभीर आरोप लगाया है। पीएम आवास योजना में काटे गए नाम के हितग्राहियों के द्वारा ग्राम पंचायत में पंचायत सचिव से मामले में विस्तार पूर्वक चर्चा कर कारण मांगा गया। जहां पर बड़ी संख्या में एकत्रित ग्रामीणों का आक्रोश देखने मिला। इसमें सरपंच ,सचिव को जिम्मेदार बताता रहा। अंत में सचिव के लिखित आश्वासन के बाद यह आक्रोश शांत हुआ।

ग्रामीणों की पंचायत सचिव के साथ हुई तीखी बहस

प्राप्त जानकारी के अनुसार शासन की योजना के तहत ग्राम पंचायत में कुल 144 हितग्राहियों के नाम दर्ज थे। जिन्हें आवास योजना का लाभ मिलना था ऐसे में सभी विश्वास में थे। योजना का लाभ देने के लिए जनपद के द्वारा आदेश जारी किया गया था कि पात्र सूची उपलब्ध करवाये। जिस पर सरपंच और सचिव के द्वारा पंचायत में बैठक कर सर्वे के आधार पर सूची से 12 पात्र ग्रामीणों के नाम अपात्र 4 हितग्राही मृत एवं 3 हितग्राही के पलायन की सूचना के साथ सूची भेज दी गई। जनपद पंचायत के माध्यम से पात्र हितग्राही को स्वीकृति दी गई जिससे हितग्राहियों के खाते में मकान निर्माण के लिए पहली किस्त प्राप्त होने लगी। इसके बाद पात्र और अपात्र हितग्राहियों की सूची जारी होते ही 12 हितग्राही जिन्हें अपात्र घोषित कर दिया गया था। उनके द्वारा ग्राम पंचायत में पहुंच कर पुरजोर विरोध करते हुए सचिव से चर्चा की गई। जिसमें सचिव के द्वारा ग्राम में सर्वे कर सरपंच के साथ बैठक कर नाम काटने की बात कही गई। तो वहीं ग्रामीणों के पूछने पर सरपंच के द्वारा स्पष्ट रूप से इस विषय की जानकारी नही होने की बात कही गई। इसके बाद ग्रामीणों के द्वारा सचिव पर आक्रोश व्यक्त कर कारण की मांग की गई। वहीं ग्रामीणों ने इसे सीधे तौर पर सचिव और सरपंच की मिलीभगत और पक्षपात करना बताया। हंगामे के दौरान ग्रामीणों की पंचायत सचिव के साथ तीखी बहस भी हुई। जिसमें ग्रामीणों ने दो टूक शब्दों में मांग की है कि काटे गए सभी 12 पात्र हितग्राहियों के नाम तत्काल सूची में पुन: जोडे जाये। जहां करीब 2 घंटे चले हंगामा के बाद सचिव के द्वारा ग्रामीणों को लिखित में आश्वासन दिया गया। वहीं ग्राम सभा आयोजित करने की भी बात कही गई इसके बाद ग्रामीण शांत हुए।

कुछ लोगों के नाम प्रधानमंत्री आवास सूची से काट दिए गए है जो गलत है-अंजीलाल अवजेकर

पंच अंजीलाल अवजेकर ने बताया कि ग्राम के कुछ लोगों के नाम प्रधानमंत्री आवास सूची से काट दिए गए हैं। मुझे इसकी जानकारी नहीं थी और मुझे कुछ पता भी नहीं था। पंचायत में बैठक हुई जिसकी मुझे फोन पर सूचना मिली 17 मार्च की यह बैठक हुई थी इसमें यह जो नाम काटे हैं वह नहीं काटना था किसी का भी नहीं काटना चाहिए। सभी पात्र हितग्राही है अभी सरपंच से हम बात करने प्रयास कर रहे हैं फोन नहीं उठा रहा है। सचिव से हम अंदर बात कर रहे हैं यह जो अपात्र हितग्राही हुए हैं इन्हें पात्र करने का प्रयास कर रहे हैं।

जिनके नाम सूची में कटे हैं उनके मकान पक्के नहीं कच्चे हैं उन्हें लाभ मिलना चाहिए-दीवान चौधरी

उपसरपंच दीवान चौधरी ने बताया कि उस दिन जो बैठक हुई थी उसकी हमें कोई जानकारी नहीं थी। हमने प्रस्ताव लिखा भी नहीं और ना ही उसमें हमने हस्ताक्षर किया। जिनके नाम सूची में कटे हैं उनके मकान पक्के नहीं कच्चे हैं लाभ उन्हें मिलना चाहिए। करीब 150 मकान स्वीकृत की बात है जिसमें 12 नाम काटे हैं सरपंच और सचिव दोनों ने मिलकर यह प्रस्ताव लिया है। पंचो का कोई हस्तक्षेप नहीं है नाम जोड़ना चाहिए कारण तो हमें पता नहीं पर ऐसे नाम काटना सही नहीं है। यह गलत है नाम जोड़े पंचायत उपसरपंच होने के बाद मुझे जानकारी नहीं है।

पात्र व्यक्ति को जोड़ा और शासन का लाभ मिलना चाहिये-नरेंद्र बिसेन

ग्रामीण नरेंद्र बिसेन ने बताया कि वर्ष 2018 की सर्वे सूची में प्रधानमंत्री आवास में 169 नाम थे फिर जनपद से पात्र सूची देने का आदेश हुआ तो सरपंच सचिव ने सर्वे किया कहते हैं। यह कहीं जाकर बैठे होंगे हमें पता नहीं 12 पात्र हितग्राही थे उनके नाम पंचायत की बिना बैठक के हटा दिए गए। जबकि 144 लोगों को लाभ मिलना था नाम काटने की जानकारी नहीं थी। हम चाह रहे हैं की पात्र व्यक्ति को जोड़ा जाये परंतु यह पात्र को अपात्र क्यों किया है। पंचायत की बैठक क्यों नहीं बुलाई पता नहीं क्या यह सरपंच और सचिव मिलकर पंचायत चलाने में सक्षम है और क्या जिन्हें पैसे डाले गए हैं वह पात्र है। इसकी भी हमें जानकारी नहीं है बात करने पर सचिव ने बताया कि 13 बिंदुओं पर सर्वे हुआ है तो हमारा कहना है कि उन्हें किन बिंदुओं पर पात्र किया गया है तो इसका जवाब सचिव नहीं दे रहे हैं यह अनर्गल सर्वे है सही नहीं है।

त्रुटि से कुछ लोगो के नाम छूट हैं गये है उसका निराकरण किया जायेगा-कमलसिंह वल्के

सचिव कमल सिंह वल्के ने बताया कि जनपद पंचायत में जानकारी मांगी थी तय सीमा थी जिसमें 17 मार्च को स्थगन बैठक में पंच नहीं आये। सरपंच के साथ सूची तैयार किये थे उसमें 12 सदस्य के नाम काटे 3 पलायन, 4 मृत की जानकारी भेजी गई। इसमें अब हम उच्च अधिकारियों से जानकारी लेकर हितग्राही को पात्र करने का प्रयास कर रहे हैं। ग्राम सभा की बैठक भी बुलाई जा रही है पंचायत में 144 नाम है जिसमें 12 नाम काटे हैं बाकी हितग्राहियों को राशि आ रही है। पोर्टल में स्पष्ट अभी कुछ बता नहीं रहा है कुछ त्रुटि से नाम छूट हैं उसके अलावा सभी को राशि प्राप्त हो रही है।

संपत्ति हड़पने के लिए फर्जी शपथ पत्र का सहारा ,पति-पत्नी गिरफ्तार

न्यायालय ने आरोपियों को भेजा पुलिस रिमांड पर विवेचना जारी

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। संपत्ति के लालच में अपनों के ही साथ धोखाधड़ी करने का एक गंभीर मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर नामांतरण कराने के प्रयास में वार्ड नंबर 3 निवासी एक दंपति को गिरफ्तार किया है। न्यायालय ने दोनों आरोपी संजीव बिसेन और चुनेश्वरी बिसेन को पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रार्थी सुनीता बिसेन पति दीपक तिवारी निवासी इंदौर ने पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके भाइयों और परिजनों ने पिता की संपत्ति को अपने नाम कराने के लिए जालसाजी की है। आरोपियों ने नामांतरण की प्रक्रिया के दौरान मेरा सुनीता बिसेन के नाम का एक फर्जी शपथ पत्र शासन के समक्ष प्रस्तुत किया हैं। यह घटना वर्ष 2024 की बताई जा रही है शिकायत की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मामले की विस्तृत जांच शुरू की। जांच के दौरान संदेहास्पद शपथ पत्र को फॉरेंसिक लैब भेजा गया लैब से प्राप्त रिपोर्ट में यह स्पष्ट हो गया कि शपथ पत्र पर किए गए हस्ताक्षर फर्जी हैं और इसे आरोपियों के द्वारा कूटरचित तरीके से तैयार किया गया था। दस्तावेजों की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए संजीव बिसेन और चुनेश्वरी बिसेन के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 467, 468, 471,120 बी के तहत अपराध पंजीबद्ध किया। वहीं मामले में संजीव बिसेन पिता ईशुलाल बिसेन उम्र 50 वर्ष ,चुनेश्वरी बिसेन पति संजीव बिसेन उम्र 42 वर्ष दोनों आरोपी वार्ड नंबर 3 पशीने भवन के पीछे वारासिवनी के निवासी को 28 मार्च को पुलिस ने न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। मामले की गहराई से पूछताछ और अन्य सबूतों को जुटाने के लिए पुलिस ने आरोपियों की रिमांड मांगी जिसे न्यायालय ने स्वीकार करते हुए दोनों को पुलिस रिमांड में भेज दिया हैं।

मधुमक्खियों के हमले में बुजुर्ग व्यक्ति गंभीर अस्पताल में उपचार जारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मेहंदीवाड़ा में 28 मार्च की सुबह एक घटना सामने आई है। जहाँ बकरियां चराने गए एक 65 वर्षीय बुजुर्ग पर मधुमक्खियों के झुंड ने अचानक हमला कर दिया। इस हमले में बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गया जिन्हें तत्काल उपचार के लिए सिविल अस्पताल वारासिवनी में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मेहंदीवाड़ा निवासी हरिचंद पिता धन्नू लिमजे उम्र 65 वर्ष हमेशा की तरह आज सुबह करीब 8 बजे गांव के पास ही स्थित खेतों में अपनी बकरियां चराने गए थे। सुबह करीब 10 बजे जब वे खेत में मौजूद थे तभी अचानक कहीं से मधुमक्खियों का एक बड़ा झुंड वहां आ पहुंचा और उन पर हमला बोल दिया। बताया जा रहा है कि हमला इतना अचानक और भीषण था कि बुजुर्ग व्यक्ति को वहां से भागने या खुद को बचाने का मौका तक नहीं मिला। मधुमक्खियों ने उनके शरीर पर कई जगह डंक मारे, जिससे उनकी हालत बिगड़ गई। मौके पर मौजूद लोगों और परिजनों की मदद से उन्हें तुरंत वारासिवनी स्थित सिविल अस्पताल लाया गया। फिलहाल घायल हरिचंद लिमजे का उपचार अस्पताल के डॉक्टरों की देखरेख में चल रहा है निगरानी में रखा गया है। इस घटना के बाद से गांव के अन्य किसानों और चरवाहों में भी दहशत का माहौल बना है।

पार्टी की रीति नीतियों और सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने के उद्देश्यों से बैठक आयोजित

भाजपा मंडल के कार्यकर्ताओं का एक दिवसीय प्रशिक्षण महाभियान संपन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/ खैरलांजी। भारतीय जनता पार्टी की रीति नीतियों और राज्य और केन्द्र सरकारी के द्वारा संचालित योजनाओं को प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं के माध्यम से जनता तक कैसे पहुंचाई जाए इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए प्रदेश भाजपा के द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत सभी मंडल स्तर पर कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। इस कड़ी में शनिवार को कटोरी और मिरगपुर मंडल के कार्यकर्ताओं,पदाधिकारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रमुख वक्ताओं के द्वारा पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में जान फूंकने का कार्य किया गया। सभी ने पार्टी की रीति नीतियों और सरकार के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को जनता तक पहुंचाने के मूल मंत्रों से आ'छादित किया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष और पूर्व मंत्री रामकिशोर कावरे ने बताया कि कैसे उन्होंने एक छोटे से कार्यकर्ता के माध्यम से जनपद सदस्य,विधायक और मंत्री तक का सफर तय किया। पार्टी छोटे बड़े सभी कार्यकर्ताओं का ध्यान रखती है। उन्होंने वर्ष 2023 का विधानसभा चुनाव हारने के बारे में भी विस्तार से बताया कि कहां उनसे और कार्यकर्ताओं से चूक हो गई।

सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने का कार्य यदि कोई व्यक्ति करता है तो वह पार्टी का कार्यकर्ता होता है। जनता सरकार के करवाये गए कार्य भूल जाती है इसलिए उनको याद दिलवाते रहने की आवश्यकता होती है यह कार्य कार्यकर्ता ही कर सकता है। चुनाव में सभी को लग रहा था कि वह आसानी से चुनाव जीत जाएंगे लेकिन परिणाम इसके विपरित आया। कार्यकर्ता को सरकार की सभी योजनाओं को घर घर तक पहुंचाने का कार्य हो या फिर जनता के दुख दर्द में साथ देने की बात हो दोनों को अपना कार्य ईमानदारी से करना चाहिए। वरना जनता सब भूल जाती है। पार्टी और पदाधिकारियों का भी यह फर्ज होता है कि जरूरत और विपत्ति के समय वह अपने कार्यकर्ताओं का ध्यान रखे। श्री कावरे ने कहा कि प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के मार्गदर्शन में 24 घंटे का यह प्रशिक्षण था। जिसमें 7 विषयों से कार्यकर्ताओं को अवगत कराया गया। जिसमें जनसंघ से लेकर वर्तमान भाजपा जिसमें रा'य और केन्द्र की सरकार बनने तक पार्टी कैसे आगे बड़ी कौन कौन सी चुनौतियों का सामना करना पड़ा इसके बारे में विस्तार से प्रकाश डाला गया। आगे आपने बताया कि आगामी दिनों में जिले प्रत्येक मतदान केंद्रों पर चार घंटे का एक ऐसा ही प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। कार्यकर्ताओं ने अपने अनुभव बताए। कुछ कमियां और चुनौतियों सामने आते रहती है इन सभी को पार पाते हुए कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ते रहना है। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे, विधायक गौरव सिंह पारधी,मंडल अध्यक्ष ज्ञानेश रहांगडाले,मंडल अध्यक्ष मिरगपुर श्रीमती दिपेश्वरी लिल्हारे, विश्वेश्वर सोनेवाने, सोपनिल पटले,नेतलाल रामटेके , वरुण देशमुख, प्रफुल बिसेन, अजय मेश्राम,श्रीमती अरुणा गजभिये ,पलाश बिसेन ,श्रीमती गीता हनवत, किशोर अमूले, निरंजन बिसेन,श्रीमती सुनीता मानसिंह बहेटवार,श्रीमती केसर बाई बिसेन, तेजलाल चौधरी, पुष्पेंद्र देशमुख, वीरू भंडारकर, फागुलाल गौतम,रमणीक देशमुख ,श्रीमती वैशाली गजभिये, दुर्गेश पारधी, फिरोज ठाकरे, देवेंद्र लिल्हारे,अभिषेक सेलोकर, सालिकराम धुवारे, आकाश धुवारे, गिरीश बिसेन, डोमन लिल्हारे, नकुल लिल्हारे, होलु कहालकर, गोलू मेश्राम ,शैलेन्द्र सेठी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मानव जीवन और क्रिकेट खेल के सभी पहलू एक दूसरे से मिलते है-प्रदीप जायसवाल

भेंडारा प्रीमियर लीग नाईट क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 मेगा फाइनल की विजेता बनी तुमाडी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम भेंडारा में भेण्डारा प्रीमियर लीग नाईट क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 मेगा फाइनल का समारोह पूर्वक सम्पन्न किया गया। मेगा फाईनल में मुख्य अतिथि प्रदीप जायसवाल पूर्व मंत्री,लोधी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ लोधी, राही पांडे, प्रबल जायसवाल, मिलिन्द नगपुरे, भैय्यू त्रिवेदी, टीकाराम सुलाखे,अरविंद बंसोड़,अजय बैस,सूरज नगपुरे,संगम नगपुरे की मौजूदगी में प्रारंभ किया गया। समापन समारोह को संबोधित करते हुये पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की मानव जीवन और क्रिकेट के सभी पहलू एक दूसरे से मिलते हैं। जीवन के उतार चढ़ाव में खेल के अनुभव सदैव काम आते है। देवधर कप वारासिवनी में पूर्व में आये अंतरराष्ट्रीय खिलाडी गौतम गंभीर आज टीम इंडिया के मुख्य कोच व आरपी सिंह मुख्य चयनकर्ता का दायित्व संभाल रहे है। साथ ही आज देवधर वारासिवनी की मुख्य टीम में ग्रामीण क्षेत्र के खिलाडी भी शामिल होने से प्रतित हो रहा है की आने वाले दिनो में भी ग्रामीण क्षेत्रो से हमे अच्छे खिलाडियो की कतार मिलने जा रही है। मेगा फाइनल में देर रात्रि में दर्शको की अपार संख्या के बीच अपनी बादशाहत को बनाये रखते हुए तुमाड़ी की टीम ने 8 ओवर में 83 रन बनाकर अंतत: भेण्डारा की सशक्त टीम को पराजित कर दिया। विजेता टीम ने आखरी ओवर की अंतिम गेंद पर विजयी रन बनाकर दर्शको के रोमांच को और बडा दिया। मेन ऑफ द मैच तुमाड़ी के प्रदीप शेंडे को प्रदान किया गया। कॉमेंटेटर की भूमिका के रूप में प्रकाश छीपेश्वर, अजय बैंस, राजेंद्र चिखले और प्रफुल्ल नागपुरे ने फाइनल मैच को यादगार बनाने में सक्रिय योगदान भी दिया। देर रात्रि में विजेता तुमाड़ी टीम को नगद 51000 व उवविजेता भेण्डारा टीम को 25000 रुपये ट्राफी के साथ अतिथियों ने के हस्ते प्रदान किया गया। आयोजन को सफल बनाने में दिलीप नगपुरे,मनन बंसोड़, गेलेन्द्र लिल्हारे, सत्यम बंसोड़, प्र'वल बंसोड़, डेविड बोपुलकर, कांती कुतराहे, पंकज गोस्वामी, कृष्णा कोहरे, दिपक भोंगाडे, विक्की सुलाखे, देवेन्द्र हरिनखेंड़े, कमलेश सुलाखे, असद शेख, दीपक लिल्हारे, शैलेष बारेकर, रिसेन्द्र बारेकर, यशवंत बोपुलकर, टोनी नगपुरे, देवेन्द्र कोहरे, महेन्द्र सहारे, अवि बनोटे, योगी गिरी, रूपेश लिल्हारे, तुलसी लिल्हारे, दीपक नगपुरे, सुदामा नगपुरे, राहुल उपवंशी, सुमेन्द्र सहारे, जितेन्द्र गाते, नंदकिशोर राऊत, गणेश ऐशने, मोहित देवगिरकर, हेमन्त नेवारे, नंदकिशोर लिल्हारे, संजय चिखले, राहुल चिखले, लंकेश लिल्हारे, प्रहलाद शेण्डे, करण मेश्राम, कान्हा डहारे, राजा डहारे, विजय डहारे, पुसकर लिल्हारे, पिंटु लिल्हारे, संकेत सुलाखे एवं समस्त खिलाड़ी गण का सहयोग रहा। समापन अवसर पर आयोजक टीम ने प्रदीप जायसवाल का सहयोग के लिये धन्यवाद ज्ञापित किया। साथ ही देवधर क्रिकेट ट्रॉफी वारासिवनी के अनेको स्मरणीय पलो को याद भी किया। दूसरी ओर नरेश धुवारे जिला एथलेटिक संघ अध्यक्ष बालाघाट ने ग्रामीण क्षेत्र में इस प्रकार के भव्य आयोजन के लिए प्रदीप जायसवाल का जिक्र करते हुये कहां की मैं बालाघाट से आकर इस आयोजन को देख रहा हूं। छोटे से ग्रामीण क्षेत्र में ऐसा आयोजन रात के समय क्रिकेट के बडते प्रभाव को जंहा दर्शा रहा है। वही यह सब कुछ देवधर ट्रॉफी के बाद हो रहा है। जिसका श्रेय विशेष रूप से प्रदीप जायसवाल व टीम की मेहनत को जाता है।

गोरेघाट में शहीद टंट्या मामा की प्रतिमा का हुआ अनावरण

विधायक गौरव पारधी ने दी वीर टंट्या मामा को श्रद्धांजलि

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। तिरोड़ी के पठार अंचल के ग्राम गोरेघाट में अमर शहीद टंट्या मामा की प्रतिमा के अनावरण के इस गरिमामयी अवसर पर विधायक गौरव सिंह पारधी की विशेष उपस्थिति रही। जहां उन्होंने ना केवल कार्यक्रम में सहभागिता की बल्कि ग्राम की समृद्ध परंपरा और वीरता की विरासत को भी नमन किया। कार्यक्रम के अंतर्गत निकाली गई भव्य शोभायात्रा में उनकी सहभागिता ने आयोजन को और अधिक आकर्षक और उत्साहपूर्ण बना दिया। जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामवासी पूरे जोश और उमंग के साथ शामिल हुए। इस अवसर पर विधायक गौरव पारधी ने टंट्या मामा एवं रानी दुर्गावती की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया और उनके अद्वितीय साहस त्याग एवं संघर्ष को याद किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि टंट्या मामा केवल एक वीर योद्धा नहीं, बल्कि जनजातीय समाज की अस्मिता और स्वाभिमान के प्रतीक हैं जिनका जीवन संघर्ष हमें अन्याय के विरुद्ध डटकर खड़े रहने की प्रेरणा देता है। प्रतिमा अनावरण के इस अवसर पर ग्राम गोरेघाट में निकाली गई भव्य शोभायात्रा ने पूरे आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। शोभायात्रा में विधायक गौरव सिंह पारधी की सहभागिता से जनसमूह में खास उत्साह देखने को मिला। ढोल.नगाड़ों पारंपरिक वाद्य यंत्रों और जयघोष के साथ निकली। इस यात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामीणजनए युवा मातृशक्ति के साथ.साथ आदिवासी समाज के जनों की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान सरपंच नंदकिशोर जामुनपाने,भूतपूर्व सरपंच रमन बिठले, जनपद सदस्य प्रतिनिधि प्रेमलाल उईके, मंडल अध्यक्ष योगेश सोनवाने, प्रकाश सोनवाने, स्वप्निल पटले सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

आर्थिक बोझ के नाम पर अधिकार नहीं छीन सकते

देश की सर्वोच्च न्याय व्यवस्था ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि विकास योजनाओं और सार्वजनिक परियोजनाओं के नाम पर नागरिकों के मौलिक अधिकारों को कमजोर नहीं किया जा सकता। जब भी किसी नागरिक की भूमि अधिग्रहित की जाती है, तो उसके बदले उसे न्यायसंगत मुआवजा देना केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि संवैधानिक दायित्व है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया निर्णय इसी सिद्धांत को मजबूत करता है, जिसमें यह साफ कहा गया कि केवल वित्तीय बोझ का हवाला देकर मुआवजे के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। यह मामला राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण से जुड़ा था, जिसमें भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने यह दलील दी थी कि मुआवजे और ब्याज का भुगतान करने से उस पर अत्यधिक आर्थिक भार पड़ेगा। इस आधार पर उसने पूर्व के निर्णय पर पुनर्विचार की मांग की। किंतु न्यायालय ने इस तर्क को अस्वीकार करते हुए कहा कि आर्थिक बोझ का आकलन किसी भी स्थिति में न्यायसंगत मुआवजे की संवैधानिक गारंटी को कमजोर करने का आधार नहीं बन सकता। न्यायालय की पीठ ने अपने निर्णय में यह रेखांकित किया कि जब राज्य या उसकी एजेंसियां किसी व्यक्ति की संपत्ति का अधिग्रहण करती हैं, तो वह व्यक्ति केवल अपनी भूमि ही नहीं खोता, बल्कि उसके साथ जुड़ी आजीविका, सामाजिक सुरक्षा और भविष्य की संभावनाएं भी प्रभावित होती हैं। ऐसे में मुआवजा केवल जमीन के मूल्य का भुगतान नहीं, बल्कि एक व्यापक न्यायिक प्रतिपूर्ति होती है, जिसमें ब्याज भी शामिल होता है ताकि देरी से होने वाले नुकसान की भरपाई हो सके। इस निर्णय का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि भूमि अधिग्रहण के मामलों में सभी भू-स्वामियों को समान दृष्टि से देखा जाना चाहिए। कुछ मामलों में भू-स्वामियों ने न्यायालय या मध्यस्थता की प्रक्रिया का सहारा लेकर अधिक मुआवजा प्राप्त किया है, जबकि अन्य मामलों में अंतिम निर्णय हो चुका है। न्यायालय ने यह संतुलन बनाने की आवश्यकता बताई कि जहां एक ओर लोगों को उनका उचित अधिकार मिले, वहीं दूसरी ओर पहले से निपटाए गए मामलों में अनिश्चितता न उत्पन्न हो। वास्तव में भूमि अधिग्रहण का विषय केवल कानूनी नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत संवेदनशील है। भारत जैसे देश में, जहां बड़ी आबादी की आजीविका भूमि पर निर्भर है, वहां अधिग्रहण का प्रभाव केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे समुदाय को प्रभावित करता है। ऐसे में मुआवजे की प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता और समयबद्धता अत्यंत आवश्यक हो जाती है।न्यायालय ने अपने निर्णय में यह भी कहा कि केवल इस आधार पर कि मुआवजा और ब्याज का भुगतान करने से बड़ी वित्तीय देनदारी उत्पन्न होगी, पुनर्विचार का कोई वैध आधार नहीं बनता। यह एक महत्वपूर्ण संदेश है कि राज्य की वित्तीय स्थिति नागरिकों के अधिकारों से ऊपर नहीं हो सकती। यदि ऐसा होने लगे, तो यह संविधान की मूल भावना के विपरीत होगा, जिसमें प्रत्येक नागरिक को समान न्याय और संरक्षण का अधिकार दिया गया है। इस निर्णय के माध्यम से न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि न्यायसंगत मुआवजा केवल एक कानूनी औपचारिकता नहीं, बल्कि एक नैतिक और संवैधानिक दायित्व है। जब सरकार या उसकी एजेंसियां विकास के नाम पर भूमि अधिग्रहण करती हैं, तो उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रभावित लोगों को उचित और पर्याप्त मुआवजा मिले, जिससे वे अपने जीवन को पुन: स्थापित कर सकें।

क्या एपस्टीन फाइल दबाने ट्रंप ने युद्ध का दांव खेला

अमेरिका की राजनीति में षड्यंत्र, आरोप और रणनीतिक शोर कोई नई बात नहीं है। हाल के समय में यह सवाल बार-बार उठाया जा रहा है कि डोनाल्ड ट्रंप ने कथित एपस्टीन फाइल के दबाव से ध्यान हटाने के लिए युद्ध या युद्ध जैसे माहौल का सहारा लिया? यह सवाल जितना सनसनीखेज है, उतना ही जटिल भी। सोचने वाली बात यह है कि डोनालउ ट्रंप व्यवसयी भी है और अब दूसरी बार के अमेरिकी राष्ट्पति जो कि बहुत बड़ी बात है। ट्रंप अब मजे हुए खिलाड़ी है। उन्हें मालूम है कि विरोधी के सुर कैसे बंद करने हैं। ऐसे में जब ईरान कुछ कह रहा है और अमेरिका के राष्ट्पति कुछ ओर आज की मामला ले ले कि ट्रंप ने 10 दिन का युद्ध विराम कर क्या साबित करना चाहते हैं।

अमेरिका के राष्ट्पति बार - बार मीडिया के सामने आकर बयान पर बयान दिये जा रहे हैं कि अब ईरान से बात हो रही है जबकि पत्रकार के पूछने पर कि ईरान के किस व्यक्ति से बात हो रही है तो ट्रंप सवाल पर टालते हुए आगे दूसरी बात करते हैं। इससे साफ जाहिर होता है डोनाल्ड ट्रंप इस जंग में फंस चुके हैं। उन्हें अब इससे बाहर निकलने का रास्ता नहीं दिख रहा । इसलिए वह बार-बार युद्ध विराम का सहारा ले रहे हैं। जबकि इससे पूरा विश्व त्रस्त हो चुका है। कई देश तो अमरजेंसी हालात बन चुके हैं।

सबसे पहले समझना होगा कि एपस्टीन फाइल से आशय उन दस्तावेजों और संपर्कों से है जो जैफरी क्या एपस्टीन से जुड़े थे—एक ऐसा नाम जो वैश्विक प्रभावशाली लोगों के नेटवर्क और गंभीर अपराधों के आरोपों के कारण चर्चा में रहा। इन फाइलों को लेकर समय-समय पर कई दावे और अटकलें सामने आती रही हैं, लेकिन ठोस और सार्वजनिक रूप से प्रमाणित तथ्य सीमित ही हैं।यह धारणा कि किसी नेता ने घरेलू विवादों से ध्यान हटाने के लिए बाहरी संघर्ष को हवा दी, अंतरराष्ट्रीय राजनीति में पहले भी चर्चा का विषय रही है। इसे डायवर्जनरी वॉर थ्योरी कहा जाता है। लेकिन इस सिद्धांत को हर घटना पर लागू करना उचित नहीं होता। अमेरिकी राष्ट्पति ट्रंप के संदर्भ में भी, उनके कार्यकाल और उसके बाद की राजनीति में कई बार आक्रामक बयानबाजी और सैन्य तनाव देखने को मिला। मगर यह कहना कि किसी विशेष फाइल को दबाने के लिए जानबूझकर युद्ध का दांव खेला गया—इसका कोई ठोस, प्रमाणित साक्ष्य सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है।

आज के दौर में सोशल मीडिया और वैचारिक ध्रुवीकरण के कारण अधूरी जानकारी तेजी से सत्य का रूप ले लेती है। एपस्टीन फाइल जैसे संवेदनशील विषय पर कई तरह के दावे राजनीतिक एजेंडा के तहत भी फैलाए जाते हैं।यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि किसी भी बड़े सैन्य या कूटनीतिक निर्णय के पीछे अनेक कारक होते हैं—रणनीतिक हित, सहयोगी देशों का दबाव, सुरक्षा चिंताएं, और वैश्विक शक्ति संतुलन। इन्हें केवल एक व्यक्तिगत या कानूनी विवाद से जोड़ देना अक्सर सरलीकरण होता है।एपस्टीन फाइल एक गंभीर और जांच का विषय है। लेकिन इसे किसी संभावित युद्ध रणनीति से सीधे जोडने् के लिए पर्याप्त प्रमाण नहीं हैं। लोकतंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी है, परंतु निष्कर्ष तथ्यों के आधार पर ही निकलने चाहिए, न कि अटकलों पर। जनता और मीडिया दोनों की जिम्मेदारी है कि वे सनसनी से ऊपर उठकर सत्य की खोज करें—क्योंकि लोकतंत्र में शोर नहीं, बल्कि प्रमाण ही सबसे बड़ा आधार होता है।

बार बार युद्ध विराम से अछा है कि युद्ध ही विराम हो जाये

बार-बार युद्धविराम से बेहतर है कि युद्ध ही विराम हो जाए। आज की वैश्विक राजनीति एक अजीब विरोधाभास से गुजर रही है। एक ओर युद्ध छिड़ते हैं, निर्दोष लोग मारे जाते हैं, शहर खंडहर बनते हैं; दूसरी ओर, कुछ दिनों या हफ्तों के युद्धविराम का दिखावटी मरहम लगाया जाता है। यह प्रश्न अब गंभीरता से उठने लगा है—क्या बार-बार के अस्थायी युद्धविराम वास्तव में समाधान हैं, या वे सिर्फ युद्ध को लंबा खींचने का साधन बन चुके हैं? युद्धविराम का मूल उद्देश्य होता है हिंसा को रोककर शांति की दिशा में ठोस पहल करना। लेकिन जब यह केवल रणनीतिक विराम बनकर रह जाए—जहां पक्ष अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने, पुनर्गठन करने और अगली आक्रामक कार्रवाई की तैयारी करते हैं—तो यह शांति नहीं, बल्कि एक छलावा बन जाता है। ऐसे युद्धविराम न तो स्थायी समाधान देते हैं और न ही मानवीय संकट को समाप्त करते हैं।इतिहास गवाह है कि कई संघर्षों में बार-बार हुए युद्धविराम ने समस्या को सुलझाने के बजाय और जटिल बना दिया। हर बार उम्मीद बंधती है कि शायद अब स्थायी शांति का रास्ता निकलेगा, लेकिन कुछ ही समय बाद गोलियां फिर चलने लगती हैं। इससे न केवल विश्वास का संकट गहराता है, बल्कि आम नागरिकों के मन में भी निराशा घर कर जाती है।यह कहना कठोर लग सकता है, लेकिन कभी-कभी अधूरी शांति से बेहतर निर्णायक समाधान होता है। युद्ध ही विराम हो जाए का आशय यह नहीं कि युद्ध को बढ़ावा दिया जाए, बल्कि यह कि संघर्ष का ऐसा अंतिम और ठोस समाधान निकले, जिसके बाद बार-बार की हिंसा और अस्थिरता का दौर खत्म हो सके। आधे-अधूरे समझौते और अस्थायी विराम केवल घाव को ढकते हैं, भरते नहीं।आज जरूरत है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय और संबंधित देश ईमानदारी से स्थायी समाधान की दिशा में कदम बढ़ाएं। कूटनीति केवल बयानबाजी तक सीमित न रहे, बल्कि वास्तविक राजनीतिक इछाशक्ति के साथ आगे बढ़े। युद्धविराम तभी सार्थक होगा जब वह स्थायी शांति का मार्ग प्रशस्त करे, न कि अगले संघर्ष की प्रस्तावना बने।

मानवता का हित इसी में है कि युद्ध समाप्त हो—सिर्फ कुछ दिनों के लिए नहीं, बल्कि हमेशा के लिए। क्योंकि हर अस्थायी विराम के पीछे छिपी होती है एक नई त्रासदी की आहट।

अमेरिका और इजरायल को मिलकर सोचना होगा कि जिसके लिए युद्ध किया गया वह बात कहीं भी दिखाई नहीं दे रही। वहीं इससे पूरे विश्व को नुकसान ही हुआ है। कथित एपस्टीन फाइल का जो सच जनता के सामने आना था वो आ चुका है। ऐसे में युद्ध विराम ही सबसे उत्तम उपाय है।

- सौरभ वार्ष्णेय

मध्य पूर्व तनाव का असर, लेकिन भारत तैयार-संसाधनों का संयमित उपयोग अनिवार्य

-सुनील कुमार महला

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण विश्व के कई हिस्सों में पिछले कुछ समय से तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित हो रही है, जिससे ऊर्जा संकट की स्थिति बनती दिखाई दे रही है। ऐसे समय में यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि प्राकृतिक संसाधन सीमित हैं, असीमित नहीं। इसलिए उनका उपयोग सोच-समझकर और जिम्मेदारी के साथ किया जाना चाहिए, क्योंकि उन्हें अनावश्यक रूप से बर्बाद करने का अधिकार किसी को नहीं है। इसी संदर्भ में भारत सरकार ने 26 मार्च 2026 (गुरुवार) को यह स्पष्ट किया है कि देश में पेट्रोल और एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह सुरक्षित है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर फैल रही भ्रामक और दुष्प्रचारपूर्ण खबरों पर ध्यान न दें, क्योंकि इनका उद्देश्य केवल भय और घबराहट पैदा करना है।पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, भारत के पास कुल 74 दिनों की भंडारण क्षमता है, जिसमें वर्तमान में लगभग 60 दिनों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। इस भंडार में कच्चा तेल, पेट्रोलियम उत्पाद तथा भूमिगत रणनीतिक भंडारण शामिल हैं। मंत्रालय ने यह भी बताया कि मध्य-पूर्व संकट के 27वें दिन तक देश में कहीं भी पेट्रोल, डीजल या एलपीजी की कोई कमी नहीं है। सरकार के अनुसार, हर नागरिक के लिए लगभग दो महीने तक निरंतर ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित है, चाहे वैश्विक परिस्थितियां कैसी भी हों। इसके अतिरिक्त, सरकार ने अगले दो महीनों के लिए कच्चे तेल की खरीद पहले से ही सुनिश्चित कर ली है। इतना ही नहीं, मीडिया के हवाले से यह भी खबरें आईं हैं कि सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटा दी है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार पेट्रोल-डीजल पर ?10 की कटौती की गई है, इससे फिलहाल पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं ब ?ंगे। यह अच्छी बात है कि केंद्र सरकार ने तेल कंपनियों और आम जनता को राहत देते हुए पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी को 13 रुपए प्रति लीटर से घटाकर 3 रुपए कर दिया गया है तथा डीजल पर यह ड्यूटी पूरी तरह खत्म यानी जीरो कर दी गई है। बहरहाल, जहां कुछ देशों में ईंधन की कीमतों में वृद्धि, राशनिंग और पेट्रोल पंपों के बंद होने जैसी स्थिति देखने को मिल रही है, वहीं भारत में ऐसी कोई स्थिति नहीं है और किसी आपातकालीन कदम की आवश्यकता भी नहीं पड़ी है।बहरहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि संकट की इस घड़ी में समाज की वास्तविक परीक्षा एकजुटता और जिम्मेदारी में निहित होती है। इतिहास गवाह है कि जब भी कोई बड़ा संकट आता है-चाहे वह महामारी हो, प्राकृतिक आपदा या आर्थिक मंदी-तब केवल आम जनता ही नहीं, बल्कि प्रशासन और व्यापारिक वर्ग की जिम्मेदारी भी कई गुना बढ़ जाती है। दुर्भाग्यवश, ऐसे समय में कालाबाजारी और मुनाफाखोरी जैसी प्रवृत्तियां भी उभरती हैं, जो कृत्रिम कमी पैदा कर आम लोगों की कठिनाइयों को और बढ़ा देती हैं। वास्तव में,कालाबाजारी और मुनाफाखोरी समाज की आर्थिक व्यवस्था को भीतर से खोखला कर देती हैं।यह न केवल आम जनता की जेब पर बोझ डालती है, बल्कि विश्वास की नींव को भी कमजोर करती है। आवश्यक वस्तुओं की कृत्रिम कमी पैदा कर कीमतें बढ़ाना नैतिक और कानूनी दोनों रूप से गलत है।सच तो यह है कि ऐसे समय में गरीब और मध्यम वर्ग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। ऐसे में सरकार को सख्त कानून और प्रभावी निगरानी व्यवस्था लागू करनी चाहिए। साथ ही, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई से ही इसका सही समाधान संभव है। जनता को भी जागरूक रहकर ऐसे कृत्यों का विरोध करना चाहिए।ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ व्यापार करना ही स्वस्थ समाज की पहचान है।वास्तव में, हमें यह समझना होगा कि वास्तविक शक्ति संसाधनों को जमा करने में नहीं, बल्कि उन्हें जरूरतमंदों तक सही तरीके से पहुंचाने में है।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला केवल एक कानूनी व्याख्या नहीं, बल्कि भारतीय संविधान की मूल भावना

वैश्विक स्तरपर भारत जैसे बहु-धार्मिक,बहु- सांस्कृतिक और बहु-जातीय समाज में धर्म, जाति और सामाजिक न्याय का प्रश्न केवल कानूनी मुद्दा नहीं, बल्कि ऐतिहासिक, सामाजिक और राजनीतिक विमर्श का केंद्र रहा है। 24 मार्च 2026 को सुप्रीम कोर्ट ऑ? इंडिया द्वारा सुनाया गया ताजा फैसला इसी जटिल विमर्श को एक बार फिर राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ले आया है। इस निर्णय में अदालत ने स्पष्ट कर दिया कि हिंदू,सिख और बौद्ध धर्म को छोड़कर अन्य धर्म विशेषकर ईसाई और इस्लाम अपनाने वाले व्यक्तियों को अनुसूचित जाति (एससी) का दर्जा और उससे जुड़े आरक्षण लाभ प्राप्त नहीं होंगे। यह निर्णय केवल एक कानूनी व्याख्या नहीं है, बल्कि भारतीय संविधान की मूल भावना,ऐतिहासिक अन्याय के प्रतिकार और आधुनिक सामाजिक संरचना के बीच संतुलन बनाने का प्रयास भी है। मैं एडवोकेट किशनसनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि इस निर्णय की जड़ें भारतीय संविधान के अनुच्छेद 341 और कंस्टीटूशन (शेड्यूल्ड ?ास्ट्स) आर्डर 1950 में निहित हैं। 1950 के इस आदेश में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि अनुसूचित जाति का दर्जा केवल उन व्यक्तियों को मिलेगा जो हिंदू धर्म का पालन करते हैं। बाद में इसमें संशोधन कर सिख (1956) और बौद्ध (1990) धर्मों को भी शामिल किया गया, लेकिन ईसाई और मुस्लिम समुदायों को इस दायरे से बाहर रखा गया। अदालत ने अपने ताजा फैसले में इसी संवैधानिक ढांचे को पुन: पुष्ट करते हुए कहा कि धर्मांतरण के साथ ही व्यक्ति का एससी दर्जा तत्काल और पूर्ण रूप से समाप्त हो जाता है।यह फैसला आंध्र प्रदेश से जुड़े एक मामले पर आधारित है, जिसमें चिंथाडा आनंद नामक व्यक्ति जो ईसाई पादरी थे,ने एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप था कि उनके साथ जातिगत भेदभाव और अपमानजनक व्यवहार किया गया। हालांकि, उच्च न्यायालय ने यह कहते हुए एफआईआर रद्द कर दी कि ईसाई धर्म अपनाने के बाद आनंद का अनुसूचित जाति का दर्जा समाप्त हो चुका है, इसलिए उन्हें इस कानून के तहत संरक्षण नहीं मिल सकता। इस निर्णय को सर्वोच्च न्यायालय ने भी बरकरार रखा, जिससे यह सिद्धांत और अधिक मजबूत हो गया कि धर्म परिवर्तन केवल आस्था का परिवर्तन नहीं, बल्कि कानूनी पहचान में भी बदलाव लाता है।यहां यह समझना आवश्यक है कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 25 प्रत्येक नागरिक को धर्म की स्वतंत्रता प्रदान करता है जिसमें किसी भी धर्म को मानना,उसका पालन करना और उसका प्रचार करना शामिल है।लेकिन यह स्वतंत्रता पूर्णत: निरपेक्ष नहीं है; इसके साथ कुछ सामाजिक और कानूनी परिणाम भी जुड़े होते हैं।अदालत ने अपने फैसले में इसी संतुलन को रेखांकित करते हुए कहा कि आरक्षण का आधार केवल आर्थिक पिछड़ापन नहीं, बल्कि उस विशेष सामाजिक और धार्मिक ढांचे में झेली गई ऐतिहासिक प्रताड़ना है।चूंकि जाति व्यवस्था मुख्यत: हिंदू सामाजिक संरचना से जुड़ी मानी जाती है, इसलिए अन्य धर्मों में जाने पर उस विशेष प्रकार की सामाजिक पहचान स्वत: समाप्त हो जाती है। साथियों बात अगर हम ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और संवैधानिक ढांचा इसको समझने की करें तो भारत में अनुसूचित जातियों की अवधारणा का मूल उद्देश्य उन समुदायों को विशेष संरक्षण देना था, जिन्होंने सदियों तक सामाजिक भेदभाव और अस्पृश्यता का सामना किया। संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश,1950 इस संदर्भ में सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज है। इस आदेश के अनुसार, प्रारंभ में केवल हिंदू धर्म के भीतर आने वाले दलित समुदायों को ही अनुसूचित जाति का दर्जा दिया गया था। बाद में 1956 में सिख और 1990 में बौद्ध धर्म के अनुयायियों को भी इसमें शामिल किया गया।संविधान के अनुच्छेद 341 के तहत राष्ट्रपति को यह अधिकार दिया गया है कि वे किन समुदायों को अनुसूचित जाति की सूची में शामिल करेंगे।वहीं अनुच्छेद 25प्रत्येक नागरिक को धर्म की स्वतंत्रता देता है। यही वह बिंदु है जहां अधिकारों का टकराव उत्पन्न होता है एक ओर धर्म बदलने की स्वतंत्रता,दूसरी ओर सामाजिक न्याय की जबरदस्त सटीक नीतियां। साथियों बात अगर हम इस मुद्दे को अपने आप में लंबे समय से विवादों से घिरा हुआ है इसको समझने की करें तो, कई समाज शास्त्रियों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का मानना है कि जातिगत भेदभाव केवल धर्म तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक संरचना में गहराई तक व्याप्त है। उदाहरण के लिए,भारत में ईसाई और मुस्लिम समुदायों के भीतर भी दलित ईसाई और पसमांदा मुस्लिम जैसी पहचानें मौजूद हैं, जो यह दर्शाती हैं कि धर्म परिवर्तन के बावजूद सामाजिक भेदभाव पूरी तरह समाप्त नहीं होता। ऐसे में यह प्रश्न उठता है कि क्या केवल धर्म के आधार पर आरक्षण से वंचित करना वास्तव में सामाजिक न्याय के सिद्धांत के अनुरूप है?इस बहस का एक महत्वपूर्ण पहलू पुन: धर्मांतरण से जुड़ा है।अदालत ने यह स्पष्ट किया है कि यदि कोई व्यक्ति ईसाई या इस्लाम धर्म छोड़कर पुन: हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म अपनाता है, तो वह पुन: अनुसूचित जाति का दर्जा प्राप्त कर सकता है—बशर्ते वह कुछ शर्तों को पूरा करता हो। इनमें सबसे महत्वपूर्ण है सामुदायिक स्वीकृति। यानी, व्यक्ति को यह साबित करना होगा कि उसका मूल संबंध उसी जाति से है और उसका समुदाय उसे पुन: स्वीकार करता है। यह

शर्त अपने आप में सामाजिक जटिलताओं को जन्म देती है, क्योंकि यह व्यक्तिगत पहचान को सामुदायिक मान्यता पर निर्भर बनाती है। साथियों बात अगर हम 24 मार्च 2026 का निर्णय- कानूनी स्पष्टता या सामाजिक विवाद? इसको समझने की करें तो सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने स्पष्ट कर दिया कि धर्म परिवर्तन के साथ ही एससी का दर्जा समाप्त हो जाएगा। अदालत ने कहा कि 1950 का आदेश पूरी तरह स्पष्ट है और इसमें जिन धर्मों का उल्लेख नहीं है, उनमें जाने पर व्यक्ति एससी की श्रेणी से बाहर हो जाता है।इसका अर्थ यह है कि यदि कोई दलित ईसाई या मुस्लिम बनता है, तो वह एससी आरक्षण और एससी /एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मिलने वाली कानूनी सुरक्षा का लाभ नहीं उठा सकता।यह निर्णय कानूनी रूप से स्पष्टता प्रदान करता है,लेकिन सामाजिक दृष्टि से यह कई प्रश्न भी खड़े करता है। साथियों बात अगर हम इस निर्णय के राजनीतिक और सामाजिक प्रभाव को समझने की करें तो ये व्यापक हो सकते हैं। यदि भविष्य में नीति में बदलाव कर ईसाई और मुस्लिम दलितों को भी एससी आरक्षण में शामिल किया जाता है, तो इससे आरक्षण की वर्तमान संरचना पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा। सबसे पहले, प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, जिससे मौजूदा लाभार्थियों के हिस्से में कमी आ सकती है।इसके अलावा, राजनीतिक प्रतिनिधित्व में भी बदलाव देखने को मिल सकता है, क्योंकि आरक्षित सीटों पर नए समुदायों की भागीदारी बढ़ेगी। यह परिवर्तन भारतीय लोकतंत्र के सामाजिक समीकरणों को नए सिरे से परिभाषित कर सकता है।दूसरी ओर,आलोचकों का यह भी तर्क है कि यदि धर्म परिवर्तन के बाद भी आरक्षण का लाभ जारी रखा जाता है, तो इससे धर्म परिवर्तन को प्रोत्साहन मिल सकता है। हालांकि, इस तर्क का विरोध करने वाले कहते हैं कि कोई भी व्यक्ति केवल आरक्षण के लिए धर्म नहीं बदलता; इसके पीछे सामाजिक सम्मान, भेदभाव से मुक्ति और बेहतर जीवन की तलाश जैसे गहरे कारण होते हैं। ऐसे में आरक्षण को धर्म से जोड़ना सामाजिक वास्तविकताओं की अनदेखी करना हो सकता है। साथियों बात अगर हम सुप्रीम कोर्ट के पुराने ऐतिहासिक फसलों को समझने की करें तो (1)सूसाई बनाम भारत संघ (1986)-सुप्रीम कोर्ट ने दशकों पहले 1986 में ही यह स्पष्ट कर दिया था कि अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय का कोई व्यक्ति यदि ईसाई धर्म अपना लेता है, तो वह अनुसूचित जाति के लिए बनी योजनाओं और लाभों के लिए पूरी तरह अयोग्य हो जाता है।सी. सेल्वाराणी मामला (2024)- सुप्रीम कोर्ट ने एक बहुत ही अहम फैसले में कहा कि ईसाई धर्म अपनाने पर व्यक्ति अपनी मूल जाति खो देता है। अदालत ने कहा कि धर्मांतरण सच्ची आस्था से होना चाहिए। अगर धर्म परिवर्तन केवल आरक्षण का लाभ लेने के लिए किया गया है तो इसे अनुमति नहीं दी जा सकती, क्योंकि यह आरक्षण के सामाजिक उद्देश्य को खत्म करता है। अदालत ने दोहरी पहचान रखने को संविधान के साथ धोखा करार दिया था। (2) इलाहाबाद उच्च न्यायालय का हालिया फैसलाऐसा ही एक मामले में पिछले साल दिसंबर में फैसला आया था। जितेंद्र साहनी नाम के एक व्यक्ति के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति ईसाई धर्म में परिवर्तित हो गया है, तो वह कानूनी रूप से एससी का दर्जा बरकरार नहीं रख सकता। अदालत ने 1950 के आदेश का हवाला देते हुए कहा कि जो हिंदू, सिख या बौद्ध नहीं है, वह एससी नहीं हो सकता। अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार को सख्त निर्देश दिए कि पूरे राज्य में ऐसे मामलों की जांच की जाए, जहां अल्पसंख्यक धर्मों में धर्मांतरित लोग अभी भी गैरकानूनी रूप से एससी वर्ग को मिलने वाले लाभों का दावा कर रहे हैं।(3)मद्रास उच्च न्यायालय में भी आए केससी. सेल्वाराणी मामला (2023)- सुप्रीम कोर्ट में जाने से पहले सी. सेल्वाराणी केस मद्रास हाईकोर्ट पहुंचा था। यहां एक ऐसी महिला को एससी प्रमाणपत्र देने से इनकार कर दिया गया था, जो जन्म से ईसाई थी और नियमित रूप से चर्च जाती थी, लेकिन केवल सरकारी नौकरी में आरक्षण पाने के लिए खुद को हिंदू और वल्लुवन जाति का बता रही थी।अकबर अली मामला- मद्रास हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया था कि इस्लाम या ईसाई धर्म में धर्मांतरण के बाद व्यक्ति अपनी जाति को आगे नहीं ले जा सकता। अदालत ने स्पष्ट कहा कि जब कोई हिंदू इस्लाम अपना लेता है, तो वह केवल एक मुसलमान बन जाता है और मुस्लिम समाज में उसकी जगह इस बात से तय नहीं होती कि धर्मांतरण से पहले उसकी जाति क्या थी।(4) कर्नाटक हाईकोर्ट बोला था- ईसाई धर्म में जाति व्यवस्था नहीं कर्नाटक हाई कोर्ट ने भी कहा था कि ईसाइयों को एससी एक्ट के तहत संरक्षण देना गलत है। अदालत का मानना था कि यह कानून विशेष रूप से जाति-आधारित भेदभाव से निपटने के लिए बना है, जबकि ईसाई धर्मशास्त्र में जाति-व्यवस्था जैसी कोई प्रथा ही नहीं है। साथियों बात कर हम अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण से इस मुद्दे को समझने की करें तो भारत का यह मॉडल अद्वितीय है। अधिकांश देशों में सकारात्मक भेदभाव जाति के बजाय नस्ल, जातीयता या आर्थिक स्थिति के आधार पर दिया जाता है। उदाहरण के लिए, अमेरिका में अश्वेत और अल्पसंख्यक समुदायों को शिक्षा और रोजगार में विशेष अवसर दिए जाते हैं, लेकिन यह धर्म से नहीं जुड़ा होता। भारत में आरक्षण का आधार ऐतिहासिक जातिगत उत्पीड़न है, जो इसे वैश्विक परिप्रेक्ष्य में एक अलग पहचान देता है। अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि संतुलन की तलाश,धर्म परिवर्तन और आरक्षण का यह मुद्दा भारत के लोकतांत्रिक ढांचे के सामने एक बड़ी चुनौती है। एक ओर व्यक्तिगत स्वतंत्रता है, तो दूसरी ओर सामाजिक न्याय की आवश्यकता। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला कानूनी रूप से स्पष्टता प्रदान करता है, लेकिन यह बहस को समाप्त नहीं करता, बल्कि उसे और गहरा करता है।आगे का रास्ता यही है कि इस मुद्दे को संवेदनशीलता और संतुलन के साथ देखा जाए। कानून में बदलाव, सामाजिक जागरूकता और नीति सुधार के माध्यम से ही एक ऐसा समाधान निकाला जा सकता है, जो न केवल संवैधानिक रूप से सही हो, बल्कि सामाजिक रूप से भी न्यायसंगत हो।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

यदि आर्थिक संकट आता है, तो इसे नुकसान नहीं अवसर के रूप में देखना चाहिए

नई दिल्ली। एजेंसी। वैश्विक बाजारों में बढ़ते तनाव और मध्य पूर्व में जारी टकराव के बीच निवेशकों की चिंताएं बढ़ रही हैं। इसी माहौल में 'रिच डैड, पुअर डैड' के लेखक ने 2026 में संभावित आर्थिक मंदी को लेकर नई बहस छेड़ दी है। रॉबर्ट कियोसाकी का मानना है कि यदि आर्थिक संकट आता है, तो इसे नुकसान नहीं बल्कि अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। कियोसाकी ने अपनी बात को मजबूत करने भविष्यवाणियों का भी हवाला दिया है। उन्होंने भविष्यवक्ताओं का जिक्र करते हुए कहा कि 2026 के आसपास बड़े आर्थिक या वैश्विक संकट की भविष्यवाणी पहले भी की जा चुकी है। उनका कहना है कि इतिहास में कई बार बड़े संकट अचानक सामने आए हैं, इसलिए निवेशकों को पहले से तैयार रहना चाहिए। कियोसाकी ने कहा कि अगर 2026 में मंदी आती है, तो वह इसे अमीर बनने का मौका मानेंगे। उनका भरोसा पारंपरिक निवेश विकल्पों जैसे शेयर बाजार, बॉन्ड या म्यूचुअल फंड में कम है। इसके बजाय वे वैकल्पिक निवेश जैसे सोना, चांदी, रियल एस्टेट और क्रिप्टोकरेंसी को ज्यादा सुरक्षित मानते हैं। उन्होंने लोगों से सवालिया अंदान में कहा कि अगर संकट आता है, तो वे खुद को आर्थिक रूप से मजबूत बनाएंगे या कमजोर होने देंगे। नास्त्रेदमस की भविष्यवाणियों में 2026 के आसपास बड़े युद्ध और उथल-पुथल के संकेत बताए जाते हैं। उनकी कुछ पंक्तियों को मौजूदा वैश्विक तनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। वहीं, एडगर केसी को भी अपनी भविष्यवाणियों के लिए जाना जाता है, जिनमें द्वितीय विश्व युद्ध और आर्थिक संकटों के संकेत शामिल रहे हैं। हालांकि, विशेषज्ञ इन दावों को पूरी तरह विश्वसनीय नहीं मानते। उनका कहना है कि इन भविष्यवाणियों का कोई ठोस वैज्ञानिक आधार नहीं है और निवेश के फैसले तथ्यों और आंकड़ों के आधार पर ही लिए जाने चाहिए। फिर भी, मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों जैसे भू-राजनीतिक तनाव, महंगाई और बाजार में अस्थिरता के चलते निवेशकों में सतर्कता बढ़ना स्वाभाविक है। कुल मिलाकर, 2026 को लेकर उठ रही आशंकाओं के बीच यह बहस जरूर तेज हो गई है कि आने वाला समय जोखिम लेकर अवसर बनाने का होगा या सतर्क रहकर नुकसान से बचने का।

पेट्रोल, डीजल की कीमतों को बढ़ने से रोकने सरकार ने घटाई एक्साइज ड्यूटी

नई दिल्ली। एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को देखते हुए सरकार ने शनिवार को पेट्रोल और डीजल पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क में 10 रुपए प्रति लीटर की भारी कटौती की है। पेट्रोल, डीजल की कीमतों को बढ़ने से रोकने के लिए यह फैसला लिया गया है ताकि उपभोक्ताओं पर बोझ नहीं पड़े लेकिन इससे अगले वित्त वर्ष में सरकार का राजस्व करीब 1.3 लाख करोड़ रुपए कम हो सकता है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक पेट्रोल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क 13 रुपए प्रति लीटर से घटाकर 3 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है और डीजल पर यह 10 रुपए प्रति लीटर से घटाकर शून्य कर दिया है। कटौती तुरंत लागू हो गई है। सरकार ने पिछले साल अप्रैल पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 2 रुपए प्रति लीटर बढ़ाया था। सरकार ने देसी बाजार में दोनों की पर्याप्त उपलब्धता तय करने के लिए डीजल और विमान ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर एक बार फिर शुल्क लगा दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डीजल निर्यात पर 21.5 रुपए प्रति लीटर और एटीएफ निर्यात पर 29.5 रुपए प्रति लीटर का शुल्क लगाया है। पहले इनके निर्यात पर शुल्क नहीं था। अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 के बीच भारत से 1.4 करोड़ टन पेट्रोल और 2.36 करोड़ टन डीजल का निर्यात किया, जिसमें बड़ा हिस्सा रिलायंस इंडस्ट्रीज का रहा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि पश्चिम एशिया संकट को देखते हुए घरेलू खपत के लिए पेट्रोल और डीजल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क में प्रति लीटर 10 रुपए की कमी की गई है। इससे उपभोक्ता कीमत में इजाफे से बच जाएंगे। सरकार के अधिकारियों का अनुमान है कि शुल्क में कटौती से अगले पंद्रह दिनों में करीब 7,000 करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान होगा, जिसके बाद स्थिति की समीक्षा की जाएगी। इससे संकेत मिलता है शुल्क में यह कटौती कुछ समय के लिए ही है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के चेयरमैन ने कहा कि सरकार हर पंद्रह दिनों में डीजल और एटीएफ पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क की समीक्षा करेगी। पेट्रोल की कीमतें रोजाना बदलने वाली मूल्य व्यवस्था से तय की जाती हैं, जो कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमत, विनिमय दर और करों के पिछले 15 दिन के औसत पर काम करती है। अंतिम उपभोक्ता मूल्य में आधार मूल्य, केंद्रीय उत्पाद शुल्क, डीलर कमीशन और राज्य-स्तरीय वैट शामिल होता है। उन्होंने कहा कि शुल्क कटौती से अगले 15 दिन में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन जैसी तेल कंपनियों को करीब 1,500 करोड़ रुपए की अतिरिक्त आय होने की उम्मीद है। अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि कटौती पूरे वित्त वर्ष 2027 में लागू रही तो सरकारी खजाने को 1.3 लाख करोड़ से 1.7 लाख करोड़ रुपए तक की चपत लग सकती है। एक अन्य अर्थशास्त्री ने कहा कि शुल्क में कटौती से तेल कंपनियों को राहत मिलेगी। यदि ऐसा नहीं होता तो कीमतों में वृद्धि का भार उपभोक्ताओं पर डाला जा सकता था।

रुपया रिकॉर्ड गिरावट पर, विदेशी भंडार का पहरा आरबीआई संभालेगा

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) इस समय ऐतिहासिक चुनौती का सामना कर रहा है। ईरान और इजराइल के बीच युद्ध, वैश्विक तेल की बढ़ती कीमतें और विदेशी निवेशकों के अचानक अरबों डॉलर की निकासी ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ा दिया है। रुपये की गिरावट रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच चुकी है, वहीं विदेशी मुद्रा भंडार को सुरक्षित रखना भी अनिवार्य हो गया है। आम आदमी की जेब, उद्योग और सरकार—सब इस अस्थिरता से सीधे प्रभावित हैं। आरबीआई के सामने दो विकल्प हैं- या तो रुपये को स्थिर रखें, जिससे घरेलू नकदी और ब्याज दरों पर असर पड़ेगा, या विदेशी मुद्रा भंडार की रक्षा करें, जिससे रुपये में गिरावट आ सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा परिस्थितियों में आरबीआई शायद रुपये की कुछ कमजोरी सहन करके विदेशी मुद्रा भंडार को प्राथमिकता देगा, ताकि लंबी अवधि में देश की आर्थिक स्थिरता सुरक्षित रह सके।

अगले हफ्ते शेयर बाजार में सीमित होंगी ट्रेडिंग, छुट्टियों के चलते तीन दिन खुलेगा बाजार

निवेशक रखें ध्यान, लगातार छुट्टियों से बाजार में वॉल्यूम और गतिविधि पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली। एजेंसी। अगले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में ट्रेडिंग सीमित रहने वाली है, 30 मार्च से 3 अप्रैल तक पांच कारोबारी दिन में केवल तीन दिन ही शेयर बाजार खुलेंगे। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के मुताबिक 31 मार्च को महावीर जयंती और 3 अप्रैल को गुड फ्राइडे पर बाजार बंद रहेगा। 4, 5 अप्रैल के शनिवार और रविवार होने के कारण बाजार में कारोबार बंद रहता है। इससे पहले भी चालू सप्ताह में राम नवमी के चलते एक दिन का अवकाश रहा, जिसके कारण ट्रेडिंग सेशन कम रहे। लगातार छुट्टियों के कारण बाजार में वॉल्यूम और गतिविधि पर असर पड़ सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक छुट्टियों के इस सिलसिले के बाद अगला अवकाश 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर रहेगा। इसके अलावा मई और जून में भी कई प्रमुख अवसरों पर बाजार बंद रहेगा, जिनमें 1 मई (महाराष्ट्र दिवस), 28 मई (बकरीद) और 26 जून (मुहर्रम) शामिल हैं। आगे के महीनों में भी निवेशकों को छुट्टियों का ध्यान रखना होगा। सितंबर में गणेश चतुर्थी, अक्टूबर में महात्मा गांधी जयंती और दशहरा, नवंबर में दिवाली-बलिप्रतिपदा और गुरु नानक जयंती और दिसंबर में क्रिसमस के अवसर पर बाजार बंद रहेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि लगातार छुट्टियों के चलते ट्रेडिंग वॉल्यूम कम रह सकता है और बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ सकता है। ऐसे में निवेशकों को अपनी ट्रेडिंग रणनीति बनाते समय इन छुट्टियों को ध्यान में रखना चाहिए।

1 अप्रैल से बदल जाएगा बैंकिंग सिस्टम, यूपीआई और एटीएम से कैश निकालने पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली। एजेंसी। 1 अप्रैल 2026 से देश के बैंकिंग सिस्टम में अहम बदलाव हो रहे हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के निर्देशों के मुताबिक बैंक अब डिजिटल ट्रांजेक्शन को और सुरक्षित बनाने, बढ़ते फ्रॉड के खतरे को देखते हुए ये बदलाव किए जा रहे हैं, लेकिन इससे ग्राहकों को थोड़ी परेशानी और खर्च भी उठाना पड़ सकता है। स्टॉकटिक कैपिटल के फाउंडर ने कहा कि बैंकिंग में आसानी होगी या बार-बार दिक्कत और चार्ज लगेंगे, ये काफी हद तक आपकी जागरूकता पर निर्भर करता है, सिर्फ बैंक पर नहीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अब डिजिटल ट्रांजेक्शन में सिर्फ ओटीपी काफी नहीं रहेगा। टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन (2एफए) जरूरी हो गया है यानी ओटीपी के साथ पासवर्ड, एमपिन या बायोमेट्रिक्स में से एक और चीज लगेगी। बड़े या असामान्य ट्रांजेक्शन पर बैंक रिस्क-बेस्ड ऑथेंटिकेशन का इस्तेमाल करेंगे, जिसमें एक्स्ट्रा वेरिफिकेशन स्टेप्स आ सकते हैं। इससे ट्रांजेक्शन में थोड़ी देरी हो सकती है और ज्यादा अलर्ट भी आएंगे। सबसे बड़ा असर एटीएम और यूपीआई से कैश निकालने वालों पर पड़ने वाला है। रिपोर्ट के मुताबिक आरबीआई ग्राहकों को हर महीने कुछ फ्री एटीएम ट्रांजेक्शन देता है, जिसमें आमतौर पर अपने बैंक के एटीएम से पांच फ्री होते हैं। इससे ज्यादा पर बैंक 23 रुपए प्लस जीएसटी तक चार्ज ले सकते हैं। एचडीएफसी बैंक ने साफ कर दिया है कि अप्रैल 1 से यूपीआई-बेस्ड कार्डलेस एटीएम विड्रॉल को भी उसी फ्री लिमिट में गिना जाएगा।

पश्चिम एशिया संघर्ष से भारत के धातु स्क्रैप आयात ठप, लाखों टन सामग्री फंसी

नई दिल्ली। एजेंसी। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष का भारत के धातु स्क्रैप आयात पर भी असर पड़ा है। धातु स्क्रैप आयात का करीब पांचवां हिस्सा इस युद्ध के कारण बाधित है। अमेरिका-इजराइल संयुक्त रुप से ईरान पर लगातार हमले कर रहे हैं और ईरान भी उनके इन हमलों का पुरजोर जवाब दे रहा है। इस संकट की वजह से जेबेल अली और अबू धाबी जैसे प्रमुख खाड़ी बंदरगाहों के बंद होने के बाद देश में रिसाइकलिंग उद्योग की लागत बढ़ गई है, क्योंकि माल ढुलाई दरों में तेज उछाल आया है। बीमा संबंधी बाधाएं अलग से खड़ी हो गईं और आपूर्ति-श्रृंखला भी गड़बड़ा गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मटेरियल रीसाइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रतिनिधियों और उद्योग जगत के अधिकारियों ने बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया कि पूरे खाड़ी क्षेत्र में व्यवधान पैदा होने से माल की आवाजाही रुक गई है और निर्यातकों को टर्मिनलों पर पहले से ही खड़े कंटेनरों को वापस लेना पड़ा। एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और मेटको वेंचर्स एलएलपी के प्रबंध भागीदार ने कहा कि पश्चिम एशिया से हमारा करीब 20 से 22 फीसदी आयात बाधित हुआ है। इसका मतलब है कि करीब पांच लाख टन सामग्री फंसी है। मटेरियल रीसाइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया के देशभर में 1,800 पंजीकृत सदस्य हैं, जिनमें अधिकांश क्षेत्रीय व्यापार संघ शामिल हैं। एसोसिएशन का दावा है कि वह रिसाइकलिंग उद्योग में 250,000 श्रमिकों को रोजगार देने वाले 25,000 लघु और मध्यम उद्यमों का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम एशिया न केवल एक आपूर्तिकर्ता है, बल्कि अमेरिका, यूरोप और एशिया के बीच व्यापार प्रवाह को जोड़ने वाला ट्रांस-शिपमेंट हब भी है। यही वजह है कि युद्ध का असर वैश्विक स्तर पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जो माल ढुलाई दर संघर्ष से पहले प्रति कंटेनर 200-300 डॉलर पर थी, वह बढ़कर अब 2,000 डॉलर तक पहुंच गई है, जबकि यूरोप के लिए निर्यात शिपमेंट की लागत करीब 1,200 डॉलर से बढ़कर करीब 3,000 डॉलर प्रति कंटेनर हो गई है।

मेष- आज आप पूरी लगन और मेहनत के साथ अपने कामों में जुटे रहेंगे, जिसका परिणाम भी आपको अच्छा मिलेगा। आपके अधूरे काम आसानी से पूरे हो सकते हैं। हालांकि, संतान की संगति पर थोड़ा विशेष ध्यान देना जरूरी रहेगा। काम के सिलसिले में आपको बाहर आना-जाना भी लगा रहेगा। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोग आज अपनी पढ़ाई और प्रयासों पर पूरा ध्यान देंगे।

वृषभ- आज का दिन आपके जीवन स्तर में सुधार लेकर आने वाला है। कार्यक्षेत्र में किसी काम को पूरा करने के लिए आपको अपने जूनियर की मदद लेनी पड़ सकती है। आप अच्छे भोजन और खान-पान का आनंद लेंगे, लेकिन पेट से जुड़ी छोटी-मोटी समस्या परेशान कर सकती है। घर में किसी नए इलेक्ट्रॉनिक सामान की खरीदारी भी हो सकती है।

मिथुन- आज का दिन आर्थिक दृष्टि से आपके लिए काफी अच्छा रहने वाला है। आय के नए रास्ते खुल सकते हैं और आपके मन में काम को लेकर नए-नए विचार भी आएंगे। हालांकि किसी भी फालतू या बेवजह के मामले में बोलने से बचना आपके लिए बेहतर रहेगा। पारिवारिक जीवन खुशहाल रहेगा और जीवनसाथी हर कदम पर आपका साथ देंगे।

कर्क- आज का दिन थोड़ा चिंता भरा रह सकता है। आप अपने कामों में बदलाव करने की सोचेंगे, लेकिन फिलहाल वह निर्णय ज्यादा लाभदायक नहीं रहेगा। बढ़ते खर्चों को नियंत्रित करने की आवश्यकता है। दोस्तों के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा और उनसे आपको बिजनेस से जुड़ी कुछ उपयोगी सलाह भी मिल सकती है। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति के साथ धन का लेन-देन करने से बचना ही समझदारी होगी।

सिंह- आज का दिन आपको अपने कामों में पूरी एकाग्रता के साथ जुटने की सलाह देता है। कुछ खास लोगों से आपकी मुलाकात हो सकती है, जो भविष्य में आपके लिए लाभदायक साबित होगी। हालांकि अपनी वाणी पर संयम बनाए रखना जरूरी है। परिवार के बड़े सदस्यों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आप किसी सरकारी योजना में निवेश करने की योजना भी बना सकते हैं।

कन्या- आज का दिन आपके लिए काफी व्यस्तता भरा रहने वाला है। एक साथ कई काम आने से थोड़ी बेचैनी और भागदौड़ बढ़ सकती है। दोस्तों के साथ आप किसी छोटी पार्टी या मिलन समारोह की योजना बना सकते हैं। जल्दबाजी में कोई फैसला लेने से बचें, वरना परिवार में किसी सदस्य के साथ बहस हो सकती है। व्यापार से जुड़े निर्णय भी आपको सोच-समझकर लेने होंगे।

तुला- आज आपके विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन आप अपनी समझदारी से परिस्थितियों को संभाल लेंगे। आपकी आय के नए स्रोत बन सकते हैं। हालांकि कोई काम बनते-बनते बिगड़ सकता है, इसलिए ध्यान और फोकस बनाए रखना जरूरी है। परिवार में किसी शुभ या मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है, जिसमें सभी सदस्य व्यस्त रहेंगे। आज आपकी निर्णय लेने की क्षमता भी काफी मजबूत रहेगी।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए उन्नति की राह खोलने वाला है। एक के बाद एक अच्छी खबरें मिलने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। आप अपने बिजनेस से जुड़ी योजनाओं को लेकर बिल्कुल भी लापरवाही नहीं करेंगे। पुरानी समस्याओं से राहत मिल सकती है। साथ ही आप अपनी संतान को अच्छे संस्कार और परंपराओं का महत्व भी समझाएंगे। आज आप अपने लिए नए कपड़े या कोई नया गैजेट भी खरीद सकते हैं।

धनु- आज का दिन खर्चों से भरा रह सकता है, इसलिए आपको अपने बजट का खास ध्यान रखना होगा। यदि आपका कहीं धन अटका हुआ था, तो उसके वापस मिलने की संभावना बन रही है। प्रेम संबंधों में भी मिठास बढ़ेगी। किसी पारिवारिक मामले को लेकर माता-पिता से बातचीत करनी पड़ सकती है। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। यदि लंबी यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो माता-पिता की अनुमति लेकर ही जाना बेहतर रहेगा।

मकर- व्यापार से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन काफी अच्छा रहने वाला है। किसी दूर रह रहे रिश्तेदार से खुशखबरी मिलने के संकेत हैं। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी, जिससे आपको गर्व महसूस होगा। हालांकि किसी भी जरूरी जानकारी को दूसरों के साथ साझा करने से बचें। पढ़ाई-लिखाई से जुड़ी कोई समस्या थी तो उसका समाधान मिल सकता है।

कुंभ- आज यदि आपका कोई काम लंबे समय से रुका हुआ है तो उसे पूरा करने में थोड़ी मुश्किल आ सकती है। नौकरी में भी कुछ चुनौतियां सामने आ सकती हैं, लेकिन धैर्य बनाए रखें। आप परिवार के किसी सदस्य से किया हुआ वादा निभाने की पूरी कोशिश करेंगे। समय का सही उपयोग करना आपके लिए बहुत जरूरी रहेगा।

मीन- आज का दिन आपके लिए आध्यात्मिक कार्यों से जुड़कर सम्मान और पहचान प्राप्त करने वाला है। आपको अपने आसपास के लोगों को समझने और छिपे हुए विरोधियों को पहचानने की जरूरत है। मन में किसी के प्रति ईर्ष्या या द्वेष की भावना न रखें। आज आप अपने शौक और मनोरंजन की चीजों पर अच्छा खासा खर्च कर सकते हैं। जीवनसाथी हर कदम पर आपका साथ देंगे, इसलिए उनकी भावनाओं का सम्मान करना आपके लिए जरूरी रहेगा।

शब्दजाल- 8212

अ	ज	प	रे	दा	अ	ज	ब	न	र	ट
दा	रा	अ	न	आ	नो	ग	द	इ	ह	वि
अ	व	नू	पू	ग	ख्या	थ	त	ग	क	ल
द्	जा	व	ते	र्व	ज	का	म	न	त	क्ष
भु	त	र	दा	री	लं	ग	गो	ग	व	ण
त	द	म	नि	य	अ	पू	न	ला	र	नी
ती	जं	म	रा	हि	प	नु	श	र	ज	ल
क	ल	ग	ला	वि	व	नी	प	ल	न	ण
ने	ब	म	बा	फ	चि	त्या	री	म	प	क
ज	ग	त	प	ज	ज	त्र	दा	जी	र्य	त
वि	शे	ष	त	त	ल	ज	र	वा	त	थ

शब्दजाल में 'असाधारण' के 10 पर्यायवाची शब्द ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

अजब, अद्भुत, अनूठा, अनोखा, अपूर्व, निराला, विचित्र, विलक्षण, विशेष, अनुपम.

शब्दजाल - 8211 का हल

[illegible]

ने ह बु मा या म रे ह र जा श
श जा ब ला ज र सौ डी. ट फ धी
मों रे त सू ह रे दा ने जे. रे र
गि ल च त्त र ट क बें न गां थ
या र म न लां बा इ रे म्हे ह धी

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

29 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

रविवार 2026 वर्ष का 88 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि एकादशी 07.47 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आश्लेषा 14.38 बजे को समाप्त।
योग धृति 18.20 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 07.47 बजे तदनन्तर बव 19.26 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 9.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 03° 18'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872663
जूलियन दिन 2461128.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल
तारीख 09
विशेष कामदा एकादशी।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.48 बजे से
चंद्र	कर्क में	वृष	08.28 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	10.26 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.39 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.55 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	17.07 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.18 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	21.33 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	23.49 बजे से
राहुकाल	4.30 से 6.00 बजे तक	मकर	01.54 बजे से
		कुंभ	03.40 बजे से
		मीन	05.13 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः जब हम सत्संग में कुछ पाने जाते है

पुरानी कथा है, एक ऋषि थे। आश्रम में अपने शिष्यों को वे आध्यात्मिक जीवन के बारे में बताया करते थे। जब शिष्यों की शिक्षा पूरी हो जाती थी और वे अपने घरों को वापस जाने लगते थे, तो वे ऋषि से पूछते कि गुरुदक्षिणा में क्या दें? तब ऋषि कहते कि तुमने जो पाया है, दुनिया में जाकर उस पर अमल करो, अपने पैरों पर खड़े होओ, सच्चाई की कमाई खाओ और फिर एक साल बाद तुम्हारा जो दिल चाहे वह दे जाना। शिष्य जब आश्रम छोड़कर जाते थे, तो उनमें से कोई एक पेशे में जाता था, कोई दूसरे में। अपने पेशे, अपने कामकाज से जिसे जो कमाई होती थी, उसमें से वे श्रद्धापूर्वक कुछ हिस्सा उन्हें दे दिया करते थे। एक बार गुरुकुल में एक सीधा-सादा शिष्य आया। वह साधारण गृहस्थ था। दिन भर मेहनत करके अपने परिवार का पालन- पोषण करता था। लेकिन ऋषि जब उसे पढ़ाते थे, तब उसको जो भी सबक देते, अगले दिन वह उसे जरूर पूरा करके लाता था। जो कुछ उसे सिखाया जाता था, उस पर पूरे मनोयोग से अमल करता था। जब उसकी शिक्षा पूरी हुई तो उसने भी गुरु से पूछा, दक्षिणा में क्या दूं? ऋषि ने उससे भी यही कहा कि दुनिया में जाओ, जो सीखा है, उस पर अमल करो और फिर एक साल बाद जो चाहो, वह दे जाना। गृहस्थ चला गया। एक साल बाद वह भी गुरु के पास लौटा और श्रद्धा से बोला, दक्षिणा देने आया हूं। ऋषि उसे देख कर बड़े खुश हुए। हाल-समाचार जानने के बाद पूछा, क्या लेकर आए हो बेटा? गृहस्थ ने दस लोगों को खड़ा कर दिया, जो उसके गांव के थे। फिर बोला, मैं गुरु दक्षिणा में ये दस नए शिष्य लाया हूं। ऋषि ने पूछा, दस लोग किसलिए? तो उसने कहा, जो शिक्षा आपने मुझे दी थी, मैंने उसे इन तक पहुंचाया। उतने से ही इनका जीवन संवर गया। अब आप गुरु दक्षिणा में इन सबको अपना शिष्य बना लें, ताकि इतने लोग और आपके बताए रास्ते पर सही तरीके से चल सकें। ऋषि बहुत खुश हुए और कहा, तुमने मुझे सबसे अच्छी गुरु दक्षिणा दी है। हम भी जब किसी सत्संग में जाते हैं, तो समझ नहीं पाते कि हम वहां से क्या पाने आए हैं। बहुत से लोग सत्संग में इसलिए जाते हैं ताकि उनके सांसारिक कष्ट दूर हो जाएं। किसी के शरीर में कष्ट है, किसी के घर में समस्याएं चल रहीं है, कहीं पति- पत्नी की नहीं बन रही है, तो कहीं मां- बाप या भाई-भाई में झगड़े हो रहे हैं। कोई अपना बिजनेस बढ़ाने के लिए आता है, कोई संतान की कामना रखता है। हम सब सोचते है कि सत्संग में जाएंगे, किसी महापुरुष के पास जाएंगे, तो हमारी इच्छाएं पूरी हो जाएंगी। पर वहां हमें बार- बार यही समझाया जाता है कि अपने आप को जानो। हम यह सुनते हैं, बार- बार सुनते हैं। लेकिन इसका मतलब समझने की कोशिश नहीं करते। उस पर अमल नहीं करते। बहुत से भाई- बहन दान या 'नाम' की चाहत में जाते हैं। उन्हें लगता है कि संत जी से नाम ले लिया और सारे दुखों का निवारण हो गया। लेकिन भजन या जाप के लिए वे समय नहीं निकालते। पहले की ही तरह सांसारिक भौतिक चीजों में धंसे रहते हैं। उपर दी गई कथा में वह गृहस्थ जानता था कि उसके गुरु दूसरों में क्या बांटना चाहते हैं। साधारण जन जब सत्संग में जाते हैं तो यह नहीं जानते कि वहां संत उन्हें क्या देना चाहते हैं। वह तो उनसे केवल अपने मन की चीजें पाना चाहते हैं।

फिल्म वर्ग पहेली- 7156

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, राखी, की 'एक रास्ता है' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली फिल्म-३
६. सनी देओल, रवीना की 'दिल ना किसी का जाये' गीत वाली फिल्म-३
७. 'मैं तुझसे मिलने आई मंदिर जाने के बहाने' गीत वाली की फिल्म-२
९. संजयदत्त, पूजा की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राज बब्बर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की' गात वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'जिंदगी के खेल में' गात वाली अनिल कपूर, माधुरी की फिल्म-२
२०. फिल्म 'डकैत' में मीनाक्षी के साथ नायक कौन था?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी?-२
२३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. जीतेंद्र, जया की 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी, जया की फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीव, राखी की एक फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बाराती' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनीलदत्त, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. 'सुंदरा सुंदरा' गात वाली फिल्म-३
४. फिल्म जिसमें शाहरूख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'राहों में उड़ती जाए बिछड़े' गीत वाली फिल्म-२
८. 'जीवनमृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका?-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है?-२
१२. 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शोला और शबनम' में गोविंदा की नायिका कौन थी?-२
१७. 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२० 'आंखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२
२६. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
३०. विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7155 (हल)

बा	ग	बा	न	■	त्रि	■	धू	म
रू	■	द	■	स्व	दे	श	■	र्या
द	ला	ल	■	■	व	■	दा	दा
■	ड़	■	प्या	सा	■	सी	मा	■
दु	ला	रा	■	ज	ख्मी	■	द	म
श्म	■	ज	मी	न	■	ने	■	म
नी	तू	■	ना	■	म	हा	न	ता
■	■	आ	■	दो	स्त	■	गी	■
दि	ल	ज	ले	■	■	बे	ना	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

सुडोकु नवचाल- 7465

★★★☆ मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सुडोकु नवचाल -7464 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	1	6	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली - 8680

1		■	2	■	3	■	4	5
	■	6		■	7	8	■	
9	10		■	11	■	12	13	
■		■	14		15	■		■
16				■	17			
■		■	18	19		■		■
20		21	■		■	22		23
	■	24	25	■	26		■	
27		■		■		■	28	

बाएँ से दाएँ

1. उचित, गलत का विलोम-2
4. अधिकार-2
6. परछाई-2
7. सम्मान, प्रसिद्धि-2
9. उल्टी, कै, वमन-3
12. रंग (अंग्रेजी-3)
14. चंचल, फुर्तीला-3
16. भयभीत होना-4
17. फुर्तीलापन-4
18. बसंत काल-3
20. भ्रम, वहम-3
22. आश्रय, शरण-3
24. राजनीतिक पार्टी-2
26. शारीरिक ऊंचाई-2
27. गन्ना-2
28. शाखा, टहनी-2

ऊपर से नीचे

1. नमस्ते, आदाब-3
2. देह, बदन, तन-2
3. शराब, मदिरा-2
5. डोली उठानेवाले-3
6. पत्नी की छोटी बहन -2
8. वहम, संदेह-2
10. जरुरतमंद-5
11. नाग, सर्प-2
13. आनंदित होना -5
14. भारत से निकलने वाली नदी जो पाकिस्तान में खत्म होती है-3
15. ढीला, सुस्त-3
19. नुकसान, घाटा-2
20. सद्कार्य-3
21. नशा, सरुर, खुमार-2
22. ओहदा -2
23. भवन, कोठी-3
25. क्षण, पल-2
26. कलिका, फूल खिलने से पहले की स्थिति-2

शब्द पहेली -8679 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

श्री रामकथा का शुभारंभ

जहाँ श्रीराम तत्व का जागरण हो जाता है, वह स्थान अवध हो जाता है- साध्वी सुश्री पद्महस्ता भारती जी

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लांजी।

दिव्य ज्योति जागृति संस्थान द्वारा लांजी रोड, आमगांव में आयोजित श्री रामकथा के प्रथम दिन 27 मार्च, शुक्रवार को कथाव्यास साध्वी सुश्री पद्महस्ता भारती जी ने भक्तिमय वातावरण में अवध एवं लंका के तुलनात्मक विश्लेषण के माध्यम से श्री राम तत्व का गहन संदेश दिया। वहीं दूसरे दिन 28 मार्च को प्रभु श्री राम के बाल लीला का वर्णन किया गया।

साध्वी जी ने कहा, जहाँ श्रीराम तत्व का जागरण हो जाता है, वह स्थान अवध हो जाता है। फिर उसका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। यह घटना मात्र समष्टि में ही नहीं, अपितु व्यष्टि (व्यक्तिगत) स्तर पर भी घटती है।

कथाव्यास जी ने दशानन रावण को दीमक की संज्ञा देते हुए उनकी आतंकवादी गतिविधियों का विस्तृत नक्शा प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि रावण की आतंकवादी गतिविधियाँ लंका से शुरू होकर त्रिशिरापल्ली, जनस्थान, दंडकारण्य होते हुए चित्रकूट तक फैली हुई थीं। रावण साधारण जनमानस को आतंकित करके असुर बनाने पर विवश करता था। गौ-वध, नारियों का शोषण तथा ऋषि-मुनियों पर अत्याचार—ये रावण की आतंकवादी गतिविधियों के प्रमुख पहलू थे।

उन्होंने कहा, त्रेता युग के ऐसे परिवेश में जनमानस ही नहीं, अपितु सम्पूर्ण वसुंधरा 'त्राहि-त्राहि' कर उठी थी। साध्वी जी ने जोड़ा कि ऐसा वातावरण हर युग में बनता है और फिर परमात्मा स्वयं शरीर धारण करके जनसाधारण की पीड़ा हरने के लिए अवतरित होते हैं।

वर्तमान समाज में बढ़ रही हिंसा, अपराध, रोष, आपसी भेदभाव और नारी शोषण जैसे मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए साध्वी पद्महस्ता भारती जी ने कहा, आज हम फिर युग-परिवर्तन के उसी दौर से गुजर रहे हैं, जहाँ जन-जन के हृदय में श्री राम तत्व का जागरण अनिवार्य हो गया है।

श्री राम तत्व के जागरण को आस्तिकता का आधार बताते हुए उन्होंने समाज में व्याप्त पाखंडों का खंडन किया और कहा, नास्तिक मात्र वही नहीं जो ईश्वर को नहीं मानता, नास्तिक वह भी है जो ईश्वर को मानता है पर उसे जानता नहीं है। ईश्वर दर्शन के व्याख्यान में उन्होंने स्वामी विवेकानंद जी की प्रसिद्ध उक्ति दोहराई—यदि ईश्वर है तो हमें उसे देखना चाहिए, यदि आत्मा है तो हमें उसे अनुभव करना चाहिए, अन्यथा नास्तिक होना बेहतर है बजाय कायर या पाखंडी होने के।

साध्वी जी ने दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज जी को समय के पूर्ण सतगुरु बताया और कहा कि वे ब्रह्मज्ञान के माध्यम से जन-जन में श्री राम तत्व को जागृत कर रहे हैं। दिव्य ज्योति जागृति संस्थान ऐसे विशिष्ट मानवों का संगठन है, जिनके भीतर श्री राम के ज्योति स्वरूप का जागरण हो चुका है।

पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी के कक्षा 9वी एवं 11वीं का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के आमगांव रोड स्थित पीएम श्री शासकीय कन्या उमावि लांजी के कक्षा 9वी एवं 11वीं का परीक्षा परिणाम लोक शिक्षण संचालनालय मध्य प्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार गत दिवस घोषित किया गया। जिसमें कक्षा 9वी में दर्ज 220 छात्राओं में से 217 छात्राएं परीक्षा में सम्मिलित हुई जिसमें 84 उत्तीर्ण तथा 133 छात्राएं अनुत्तीर्ण हुई इस प्रकार कक्षा 9वीं का कुल परीक्षाफल 38.70 प्रतिशत रहा ।

इसी प्रकार कक्षा ग्यारहवीं में कला संकाय में दर्ज 229 छात्राओं में से कुल 223 छात्राएं परीक्षा में सम्मिलित हुई जिसमें 149 छात्राए उत्तीर्ण तथा 74 छात्राएं अनुत्तीर्ण हुई इस प्रकार कला संकाय का कुल परीक्षा परिणाम 66.81 प्रतिशत रहा। इसी प्रकार गणित संकाय में कुल दर्ज 10 में से 10 छात्राएं परीक्षा में सम्मिलित हुई जिसमें से 9 छात्राएं उत्तीर्ण तथा 1 छात्राएं अनुत्तीर्ण हुई इसका परीक्षा फल 90 प्रतिशत रहा तथा जीव विज्ञान संकाय में कुल दर्ज 74 छात्राओं में से 42 उत्तीर्ण तथा 32 अनुत्तीर्ण हुई तथा जीव विज्ञान संकाय का कुल परीक्षाफल 56.75 प्रतिशत रहा कक्षा 9वी में शिवानी जामरे ने 79.83 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रथम स्थान हिमांशी गुर्दे ने 78 प्रतिशत अंक अर्जित कर द्वितीय स्थान तथा भूमिका बरगैया ने 74.33 प्रतिशत अंक अर्जित कर तृतीय स्थान प्राप्त किया ।

इसी प्रकार 11वीं कला संकाय में भार्गवी कावडे ने 80 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रथम स्थान पलक बरगैया ने 79.8 प्रतिशत अंक अर्जित कर द्वितीय स्थान तथा दिव्या सोनवाने तथा शिवानी टांडेकर ने 79 प्रतिशत अंक अर्जित कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। गणित संकाय में माधुरी रामटेकर ने 86.4 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम, उर्वशी ढोक ने 76.4 प्रतिशत अंक अर्जित कर द्वितीय तथा आकांक्षा मेश्राम ने 75.4 प्रतिशत अंक अर्जित का तृतीय स्थान प्राप्त किया । जीव विज्ञान संकाय में लक्ष्मी कुन्हारकर ने 85 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रथम स्थान ईशा कुचलाहे तथा रोशनी चंदेले ने 83.4 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान तथा याचना चौधरी ने 78.6 प्रतिशत अंक अर्जित कर तृतीय स्थान प्राप्त किया ।

इस परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट परिणाम वाली छात्राओं को संस्था के प्राचार्य प्रमोद कुमार भिमटे ने शुभकामनाएं प्रेषित की तथा इस परीक्षा में असफल छात्राओं को द्वितीय अवसर की परीक्षा में अच्छी मेहनत कर सफलता प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त स्टाफ की ओर से भी सफल छात्राओं को बधाई देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

ब्राइट करियर इंग्लिश स्कूल के विद्यार्थियों का सराहनीय रहा परीक्षा परिणाम

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल द्वारा कक्षा पांचवीं व आठवीं का बोर्ड परीक्षा परिणाम दिनांक 25 मार्च 2026 को जारी किया गया। स्व. श्री रामकुमार जोशी शिक्षा समिति किरनापुर द्वारा संचालित किरनापुर नगर के अग्रणी शिक्षण संस्थान ब्राइट करियर इंग्लिश स्कूल किरनापुर का कक्षा पांचवीं एवं आठवीं की बोर्ड परीक्षा का परिणाम अत्यंत सराहनीय रहा। विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्था व माता-पिता का नाम रोशन किया है।

कक्षा आठवीं- मे सफलता के नए कीर्तिमान

आपको बताएं कि कक्षा आठवीं में कुल 44 विद्यार्थी सम्मिलित हुए, जिसमें से सभी विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण रहे। इनमें से रिकॉर्ड 16 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी शामिल हैं। जिसमे कृति गट्टानी- 97 प्रतिशत (प्रथम)ट्विंकल पारधी- 96.16प्रतिशत (द्वितीय),शुभांगी राहंगडाले- 95.66प्रतिशत (तृतीय),अन्य अत्यधिक मेधावी छात्र आशु कनोजे (94.5प्रतिशत), खुशांक बिसेन (94.33प्रतिशत), हिमांशु पाठक (94.16प्रतिशत), परी मसखरे (93.33प्रतिशत), शौर्य तिवारी (93.33प्रतिशत), देशांत खरे (93.33प्रतिशत), देवांश पारसमोड़े (93प्रतिशत), सुमायरा कुरैशी (92.66प्रतिशत), प्रयाग जामरे (92.5प्रतिशत), सिमरन भटेरे (92प्रतिशत), जिगर बिरनवार (91.83प्रतिशत), विराट डोंगरे (90.83प्रतिशत) एवं द्रशिका वट्टी (90.66प्रतिशत)।

कक्षा पांचवीं- नन्हे सितारों का रहा उत्कृष्ट प्रदर्शन

कक्षा पांचवीं में भी कुल 44 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी और परिणाम सराहनीय रहा। नन्हे सितारों ने अपनी मेहनत से सबको गौरवान्वित किया। जिसमे कृति पारधी- 92.5प्रतिशत (प्रथम),मौली बेंसोड़- 92प्रतिशत (द्वितीय),आराध्या सोनवाने एवं कनिष्का भिमटे- 89.75प्रतिशत (संयुक्त तृतीय),अन्य प्रमुख विद्यार्थी दीरब वैद्य (88.5प्रतिशत) और मीर कौसिन अली (88.25प्रतिशत) ने भी उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए।

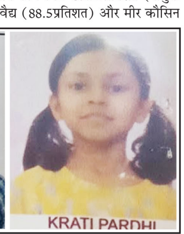

हर्ष का माहौल

संस्था के छात्र छात्राओं की इस उपलब्धि पर संचालक श्री मुकेश जोशी, प्रधानाध्यापिका श्रीमती नीता घोड़ेस्वार, शिक्षकगण श्रीमती तनुजा राहंगडाले, साहिल घरड़े, निखार बैस, अफ्शा कुरैशी, श्वेता भारद्वाज, श्रीमती दीपाली उपवंशी, श्रीमती प्रियंका हुमनकर, आकांक्षा पाराशर, श्रीमती मयूरी परिहार एवं समस्त स्टाफ ने सभी विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

गणेशी तालाब के पास जल मंदिर प्याऊ का किया शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा गठित नगर विकास प्रस्फुटन समिति लांजी द्वारा श्री मृणाल मीणा कलेक्टर एवं सुशील बर्मन जिला समन्वयक के मार्गदर्शन में जल शक्ति से नव भक्ति कार्यक्रम अंतर्गत जल मंदिर प्याऊ का शुभारंभ गणेशी तालाब के पास किया गया। शुभारंभ अवसर पर राजेन्द्र रामटेककर भूतपूर्व सैनिक एवं वरिष्ठ समाजसेवी एवं संदीप रामटेककर उपाध्यक्ष, मुकेश रणदिवे पार्षद संतोष नगपुरे विकासखण्ड समन्वयक द्वारा गंगा जी एवं नर्मदा जी को स्मरण कर पूजा अर्चना कि गई। इस अवसर पर विकासखण्ड समन्वयक द्वारा बताया गया भीषड़ गर्मी के मध्य नजर समस्त विकासखण्ड में प्रस्फुटन समितियों के सहयोग से जल मंदिर बनाए जा रहे हैं। जिससे कोई भी प्यासा व्यक्ति अपनी प्यास बूझा सके। कार्यक्रम में बीएसडब्ल्यू एमएसडबल्यू एवं निर्माण कम्प्यूटर इंस्टिट्यूट के छात्र छात्राएं शामिल हुए। जिन्हें स्वेता धारने द्वारा जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं जल का दुरुपयोग न करने सामूहिक शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में कैलाश ब्रम्हपुरे अध्यक्ष नगर विकास प्रस्फुटन समिति सचिव भानुप्रताप प्रजापति ,शुभम गेडाम, अनुसूइया पांजरे, वैशनवी गजभिए ,रितु धारने सहित व्यवसायी बंधु उपस्थित रहे।

नेवरगांव कला में जल गंगा संवर्धन अभियान-जल गुणवत्ता परीक्षण और स्वच्छता को लेकर जागरूकता बढ़ी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के विकासखंड किरनापुर अंतर्गत ग्राम नेवरगांव कला में 26 मार्च 2026 को जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियों का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल, जल संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूक करना रहा।

अभियान के अंतर्गत स्कूलों एवं आंगनवाड़ियों में फील्ड टेस्टिंग किट (स्नञ्ज्य) के माध्यम से पेयजल की गुणवत्ता का परीक्षण किया गया। यह कार्य लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग बालाघाट के ब्लॉक समन्वयक श्रुति गजभिये, खंड कार्यालय से शीतल मिश्रा एवं हरीश झा (पीएमयू) के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। टीम द्वारा मौके पर ही जल के नमूनों की जांच कर क्लोरीन, आयरन एवं फ्लोराइड जैसे महत्वपूर्ण मानकों का परीक्षण कर प्रदर्शित किया गया।

कार्यक्रम में सामुदायिक भागीदारी को विशेष महत्व दिया गया। गांव के शिक्षकों, छात्र-छात्राओं, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को स्नञ्ज्य के उपयोग का प्रशिक्षण दिया गया, जिससे वे भविष्य में स्वयं भी जल की गुणवत्ता की जांच कर सकें।

अधिकारियों द्वारा यह जानकारी भी दी गई कि यदि किसी नमूने में पानी दूषित पाया जाता है, तो उसे विस्तृत परीक्षण के लिए जिला या ब्लॉक स्तरीय प्रयोगशाला में भेजा जाता है, ताकि आवश्यक कार्यवाही की जा सके।

इसके साथ ही ग्राम में जल स्रोतों के आसपास साफ-सफाई अभियान चलाया गया। सरपंच, ग्रामीणजन, माध्यमिक शाला के शिक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं समूह की महिलाओं ने मिलकर जल स्रोतों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया और श्रमदान के माध्यम से सफाई कार्य किया।

इस प्रकार नेवरगांव कला में आयोजित जल गंगा संवर्धन अभियान न केवल जल गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ, बल्कि ग्रामीणों में स्वच्छता और जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी प्रभावी रहा।

परसोड़ी सरपंच चमरूलाल पगरवारे पंचतत्व में विलीन

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत परसोड़ी के सरपंच चमरूलाल पिता लक्ष्मण पगरवारे जी का 57 वर्ष की आयु में बिमारी के चलते 27 मार्च को शाम 4 बजे निधन हो गया। आप अपने पीछे, पत्नि सहित 3 पुत्रीयॉ एवं 1 पुत्र नाती पोतो से भरा पूरा परिवार छोड इस दुनिया से विदा हो गये। बताया जा रहा है कि चमरूलाल जी विगत कुछ दिनो से बिमारी के चलते नागपूर के हॉस्पिटल में भर्ती थे जहां उन्होने अपनी अंतिम सांसे ली। चमरूलाल जी के निधन पर संपूर्ण ग्राम एवं क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है। चमरूलाल पगरवारे बेहद ही सरल, सहज और मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे जिन्होने ग्राम परसोड़ी में विकास की नई गति उर्जा प्रदान की थी। आपके निधन पर विधायक राजकुमार कर्राहे, पूर्व विधायक रमेश भटेरे, पूर्व विधायक हिना कावरे, जनपद अध्यक्ष अर्चना खोंगल, सरपंच संघ अध्यक्ष ललित कबीरे, ऋषि दशरिया ब्लॉक अध्यक्ष बहेला, अजय अवसरे सहित क्षेत्र के समस्त जनप्रतिनिधि गण, नाते रिश्तेदार, गणमान्य नागरिक गण तथा ईष्ट मित्रो, सरपंच साथी, जनपद पंचायत लाजी के अधिकारी कर्मचारी सहित ग्रामीणो जनो के द्वारा चमरूलाल जी की अंतिम यात्रा में शामिल होकर नम आंखो से पंच लकड़ी प्रदान करते दो मीनट का मौन धारण किया तथा ईश्वर से मृत आत्मा को शांति एवं अपने श्री चरणो में स्थान प्रदान करने तथा इस दुख की घड़ी में परिजनो को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की गई।

2 अप्रैल को धूमधाम से मनाया जाएगा श्री हनुमान जन्मोत्सव

पद्मेश न्यूज। लांजी। धर्म नगरी लांजी में 2 अप्रैल श्री हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर विविध आयोजन आयोजित होने जा रहे है। जिसमे विधि पूर्वक श्री हनुमान जी का अभिषेक पूजन आरती तथा महाप्रसाद वितरण सहित जीवंत झांकियो के भी आयोजन धार्मिक संगठनो के द्वारा आयोजित किये जायेंगे।

पुराने राम मंदिर में अभिनंदन बाल ग्रुप का लगातार 22वाँ वर्ष

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी अभिनंदन बाल ग्रुप के द्वारा पुराने श्रीराम मंदिर में श्री हनुमान प्रकटोत्सव बडे भक्ति भाव धार्मिक अनुष्ठान के साथ किया जायेगा। कार्यक्रम के अन्तर्गत 2 अप्रैल को प्रातः 6 बजे से अभिषेक पूजन, दोपहर 12 बजे महाआरती पूजन तथा संध्या बेला में शाम 7 बजे से महाप्रसादी वितरण की जावेगी। क्षेत्र की समस्त जनता से अभिनंदन बाल ग्रुप के द्वारा उक्त धार्मिक अनुष्ठान में पंहुचकर पूण्य लाभ अर्जित करने की अपील की गई है।

नये श्रीराम मंदिर में सुन्दर काण्ड एवं महाप्रसादी वितरण

नगर के नये श्री राम मंदिर में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 2 अप्रैल को भक्ति भाव श्रृद्धा के साथ श्री हनुमान जन्मोत्सव मनाया जायेगा। प्रातः बेला में श्री राम दरबार एवं श्री हनुमान जी महाराज जी का अभिषेक पूजन किया जाकर प्रसाद वितरण किया जायेगा। दोपहर 1 बजे से संगीतमय सुन्दर काण्ड का आयोजन किया तथा संध्या बेला में महाआरती पूजन के पश्चात महाप्रसाद वितरण किया जायेगा। सेवा में माँ सिंहवाहिनी दुर्गा उत्सव समिति गुजरी चौक लांजी रहेगी। समिति के अध्यक्ष मनीष लालू अग्रवाल एवं समस्त सदस्यो ने क्षेत्र की जनता से अपील की है कि उक्त आयोजन में पंहुचकर महाप्रसाद ग्रहण कर पूण्य लाभ अर्जित करें।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

अप्रैल के पहले पखवाड़े में होगी बड़ी प्रशासनिक सर्जरी

आईएएस-आईपीएस अधिकारियों के तबादले, कई जिलों के कलेक्टर-एसपी बदलेंगे

भोपाल। मप्र में बहुप्रतिक्षित प्रशासनिक तबादले का काउंटडाउन शुरू हो गया है। अप्रैल महीने के पहले पखवाड़े में प्रदेश में बड़े स्तर पर आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के तबादले होंगे। भोपाल, शिवपुरी, रीवा, धार, नर्मदापुरम, दमोह सहित कुछ अन्य जिलों के कलेक्टर बदले जा सकते हैं। इसे लेकर तैयारी भी हो चुकी है। नए वित्तीय वर्ष यानी एक अप्रैल के बाद ये तबादले होंगे। दरअसल, वित्तीय वर्ष 2025-26 की समाप्ति को देखते हुए रोका गया है ताकि बजट के उपयोग और राजस्व प्राप्ति के जो वित्तीय लक्ष्य निर्धारित हैं, वे प्रभावित न हों।

मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों का कहना है कि एक जनवरी को जिन आईएएस को पदोन्नत किया गया है उनका तबादला जरूरी है। भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह सचिव पद पर पदोन्नत हो चुके हैं। उन्हें मंत्रालय में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जा सकती है। वहीं, कुछ अधिकारियों को तीन तो कुछ को दो-ढाई वर्ष एक जगह पर पदस्थ रहते हो चुके हैं। इनकी जगह दूसरे अधिकारी भेजने की तैयारी है। मंत्रालय में भी कुछ अधिकारियों के दायित्व में परिवर्तन संभव है। इनमें अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव स्तर के अधिकारी शामिल हैं। उधर, पुलिस मुख्यालय ने भी मैदानी स्तर पर अधिकारियों की पदस्थापना में परिवर्तन का प्रस्ताव तैयार किया है। इसमें वे अधिकारी भी शामिल हैं, जो अभी पुलिस अधीक्षक हैं और उन्हें उप पुलिस महानिरीक्षक पद पर पदोन्नत किया गया है।

सीएम-सीएम में चर्चा फाइनल

सूत्रों की मानें तो इस संबंध में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुख्य सचिव अनुराग जैन की चर्चा हो चुकी है। गौरतलब है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 का अंतिम पखवाड़ा चल रहा है, जिसमें पूरा प्रशासनिक अमला व्यस्त है। राज्य शासन चाहता है कि मार्च के अंत में वित्तीय वर्ष की समाप्ति के चलते प्रशासनिक कार्यों में निरंतरता बनाए रखी जाए। ऐसे में सरकार ने तय किया है कि अब मंत्रालय से लेकर मैदानी अफसरों और जिलों के कलेक्टर को वित्तीय वर्ष के शुरुआत में बदला जाए, यानि कि अप्रैल माह के प्रथम सप्ताह में बड़ी प्रशासनिक सर्जरी कर दी जाएगी। प्रशासनिक सूत्रों की मानें तो राज्य शासन तकरीबन 35 से ज्यादा आईएएस अधिकारियों के दायित्वों में बदलाव करेगा। इसमें राज्य शासन के कई अहम विभाग के प्रमुखों को भी बदला जा सकता है। खबर यह भी है कि इस वर्ष मुख्य सचिव अनुराग जैन सहित 20 से ज्यादा वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सेवानिवृत्त हो रहे है। ऐसे में सरकार प्रशासनिक बदलाव के समय इन बातों का ध्यान रखते हुए बड़े स्तर पर फैसले लेगी। जानकारों का कहना है कि राज्य शासन की संभावित फेरबदल सूची में 15 से ज्यादा जिलों के कलेक्टर के नाम है। इनमें रीवा और धार सहित दूसरे ऐसे जिलों के कलेक्टर के नाम है, जिनका एक ही जिले में कार्यकाल तीन साल से भी ज्यादा हो चुका है। सूची पर अंतिम फैसला मार्च माह के पहले सप्ताह में ही लिया जा चुका है। जिसे नवरात्रि पर्व से पहले घोषित किया जाना था, लेकिन वित्तीय वर्ष का अंतिम माह होने के वजह से प्रशासनिक कार्य प्रभावित न हो, इसलिए सूची को फिलहाल मार्च में जारी नहीं करने का निर्णय लिया गया। बताया गया है कि इस संबंध में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के समक्ष मुख्य सचिव अनुराग जैन ने वित्त वर्ष का अंतिम समय चलने की वजह प्रशासनिक कार्यों में निरंतरता टूटने की जानकारी दी। जिस पर सीएम ने सूची को अप्रैल में जारी करने पर सहमति जता दी।

बड़ी संख्या में अफसर होंगे रिटायर

जानकारी के अनुसार जिन अधिकारियों का सेवा काल इसी साल पूरा हो रहा है, उनमें माध्यमिक शिक्षा मंडल की अध्यक्ष स्मिता भारद्वाज इसी माह यानि कि 31 अप्रैल को सेवानिवृत्त होंगी। जबकि अप्रैल माह में सचिव मप्र भवन एवं संजय कुमार, मई में केंद्रीय अल्पसंख्यक आयोग की सचिव अलका उपाध्याय, जून में एमपी खादी ग्राम उद्योग बोर्ड के एमडी माल सिंह भयडिया, अगस्त में पशुपालन विभाग के प्रमुख सचिव उमाकांत उमराव, सितंबर माह में मुख्य सचिव अनुराग जैन और चंबल संभागायुक्त सुरेश कुमार सेवानिवृत्त हो जाएंगे। इसी तरह अक्टूबर माह में लोकायुक्त संगठन की सचिव अरुणा गुप्ता, होम सेक्रटरी आशीष श्रीवास्तव, नवंबर में राजस्व विभाग के अपर सचिव चंद्रशेखर वालिम्बे व शहडोल कमिश्नर केदार सिंह और दिसंबर माह में राजस्व मंडल के ललित दाहिमा सहित अन्य अधिकारी भी अपनी अर्ध वार्षिकी सेवाओं को पूरा करेंगे। सूत्रों की मानें तो राज्य सरकार कुछ जिलों में वर्ष 2015 से 2017 बैच के आईएएस अधिकारियों को कलेक्टर बना सकती है। इसी तरह बड़े विभागों की कमान ऐसे अधिकारियों को सौंपी जा सकती है, जिन्होंने अपने-अपने विभागों में बेहतर परिणाम दिए हैं। विशेषकर मैदान में ऐसे अधिकारियों को भेजा जा सकता है, जो जनता और जनप्रतिनिधियों से बेहतर संवाद कर सरकार की योजनाओ का क्रियान्वयन करा सकें। सूची फायनल करने से पहले ऐसे अधिकारियों के नामों पर मंथन किया गया और फिर सूची को सीएम के सामने रखकर अधिकारियों की कार्यशैली पर भी उन्हें जानकारी दी गई।

छिंदवाड़ा हादसा : मृतकों के परिजनों को कांग्रेस देगी 50-50 हजार

सिंघार बोले-ईएमआई मॉडल पर चल रहा मप्र, हादसों में नहीं एक जैसी नीति

भोपाल। छिंदवाड़ा बस हादसे के बाद मुआवजा नीति को लेकर सियासत तेज हो गई है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार पर निशाना साधते हुए पूछा कि अलग-अलग हादसों में मृतकों के परिजनों को अलग-अलग मुआवजा क्यों दिया जाता है। उन्होंने कांग्रेस विधायक दल की ओर से छिंदवाड़ा हादसे के मृतकों के परिवारों को 50-50 हजार की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। सिंघार ने कहा कि प्रदेश में मुआवजे को लेकर कोई एक समान नीति नहीं है। कहीं 1 लाख, कहीं 2 लाख, तो कहीं 4 या 5 लाख दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को एक स्पष्ट और समान मुआवजा नीति बनानी चाहिए, ताकि सभी पीड़ित परिवारों को बराबर राहत मिल सके।

सिंगल विंडो की मांग

नेता प्रतिपक्ष ने मांग की कि मृतकों के परिजनों को 24 घंटे के भीतर सिंगल विंडो सिस्टम के जरिए मुआवजा मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि उद्योगपतियों को तो सिंगल विंडो के तहत सारी सुविधाएं आसानी से मिल जाती हैं, लेकिन गरीब परिवारों को मुआवजे के लिए दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते हैं।

छिंदवाड़ा हादसे पर आरोप

सिंघार ने छिंदवाड़ा हादसे को लेकर प्रशासन पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री की सभा में भीड़ जुटाने के लिए दबाव बनाया गया था। उनके मुताबिक, जनपद पंचायत के सीईओ द्वारा लोगों को कार्यक्रम में नहीं आने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई थी, और इसी जल्दबाजी में यह हादसा हुआ, जिसमें 10 लोगों की मौत और 40 लोग घायल हुए।

कफ सिरप कांड का जिक्र

सिंघार ने कफ सिरप से बच्चों की मौत के मामले का जिक्र करते हुए कहा कि एक पिता ने अपने बच्चे के इलाज के लिए ऑटो तक बेच दिया, फिर भी उसे समय पर इलाज नहीं मिल सका। उन्होंने सवाल उठाया कि सरकार केवल तब सक्रिय क्यों होती है, जब विपक्ष मुद्दा उठाता है। सिंघार ने कहा कि पिछले 5 वर्षों में प्रदेश में 65 हजार से ज्यादा सडक़ हादसे हुए हैं। सिर्फ 2024 में 14,791 लोगों की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं के मामले में मध्यप्रदेश देश में दूसरे स्थान पर है, जो गंभीर स्थिति को दर्शाता है।

मध्यप्रदेश के 16 नगर निगम और 99 नगर पालिकाओं में 700 एल्डरमैन होंगे नियुक्त

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार प्रदेश के नगरीय निकायों में एल्डरमैन (मनोनित पार्षद) की नियुक्ति करने जा रही है। पहले चरण में 16 नगर निगम और 99 नगर पालिकाओं में करीब 700 एल्डरमैन नियुक्त किए जाएंगे। नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा इसके आदेश एक-दो दिन में जारी होने की संभावना है।

सूत्रों के मुताबिक, इन नियुक्तियों को लेकर लंबे समय से तैयारी चल रही थी। बताया जा रहा है कि 16 नगर निगमों में लगभग 144 एल्डरमैन नियुक्त किए जाएंगे। जिन चार बड़े नगर निगमों—इंदौर, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर—की आबादी 10 लाख से अधिक है, वहां 12-12 एल्डरमैन बनाए जाएंगे। वहीं 10 लाख से कम आबादी वाले नगर निगमों जैसे उज्जैन, देवास, सागर, कटनी, रीवा, सतना, सिंगरौली, खंडवा, बुरहानपुर और मुरैना में 8-8 एल्डरमैन नियुक्त किए जाने का प्रावधान है।

सरकार का कहना है कि इन नियुक्तियों से नगरीय निकायों के कामकाज में अनुभव और बेहतर समन्वय मिलेगा, जिससे विकास कार्यों को गति मिल सकेगी।

कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों के लिए ब्रिज कोर्स

भोपाल। विद्यार्थियों में सामाजिक और मानवीय समझ को विकसित करने और उनकी बुनियादी शैक्षणिक गतिविधि में सुधार करने के लिए कक्षा 9वीं में ब्रिज कोर्स का संचालन शुरू होने जा रहा है। प्रथम चरण में शिक्षकों को भोपाल में मास्टर ट्रेनर की ट्रेनिंग दी जा चुकी है।

लोक शिक्षण संचालनालय आयुक्त शिल्पा गुप्ता और अपर संचालक मनीष वर्मा का कहना है कि विद्यार्थी जीवन में नया सीखने की ललक तो होती ही है, उन्हें पढ़ाई के साथ विश्लेषणात्मक तथ्यों से जोड़ा जाना बेहद आवश्यक है। इसीलिए कक्षा 9वीं में ब्रिज कोर्स की शुरुआत इस वर्ष की जा रही है, ताकि उनकी समझ विकसित हो सके, तार्किक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को आत्मसात कर सकें।

शिक्षण पद्धति में नवाचार

इस कोर्स में शिक्षक केवल पढ़ाने वाले नहीं, बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका निभाएंगे। चर्चा, वाद-विवाद, भूमिका निर्वाह और परियोजना कार्य जैसी विधियों के माध्यम से विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इससे शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया अधिक जीवंत, रोचक और प्रभावी बनेगी।

तीन चरणों में मूल्यांकन किया जाएगा

बेसलाइन टेस्ट-1 अप्रैल से विद्यालय खुलते ही मिडलाइन टेस्ट-28 से 30 जून (ग्रीष्मावकाश के बाद) टेस्ट- जुलाई में इन परीक्षणों के प्राप्त अंकों का 50 फीसदी त्रैमासिक परीक्षा में जोड़ा जाएगा। सभी परिणामों की प्रविष्टि विमर्श पोर्टल पर की जाएगी। यह एडलाइन टेस्ट जुलाई में होंगे।

सतत मॉनीटरिंग की व्यवस्था

जिला शिक्षा अधिकारी एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा ब्रिज कोर्स की नियमित मॉनीटरिंग की जाएगी। ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से विद्यालयों का निरीक्षण कर शिक्षण कार्य, उपस्थिति, अध्ययन सामग्री एवं विद्यार्थियों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

राजनैतिक नियुक्तियों की राह में रोड़ा बने सिंधिया समर्थक

क्षेत्रीय संतुलन पर खरे नहीं उतर रहे सिंधिया के सुझाए कुछ नाम

भोपाल। मप्र में होने वाली राजनीतिक नियुक्तियों की शुरूआत लगभग हो चुकी है। हाल ही में प्रदेश भाजपा ने ग्वालियर की सियासत के सबसे बड़े चेहरों में से एक जयभान सिंह पवैया को वित्त आयोग का अध्यक्ष बनाया है। ऐसे में भाजपा ने नवरात्रि के शुभ दिनों में राजनीतिक नियुक्तियों शुरू कर निगम मंडलों में नियुक्तियों के संकेत दे दिए है। पार्टी सूत्रों की माने तो प्रदेश भाजपा 2028 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए राजनीतिक संतुलन साधने के लिए क्षेत्रिय और जातीय समीकरणों का विशेष ध्यान रखेगी। लेकिन सूत्रों का कहना है कि इस पैमाने पर सिंधिया समर्थक राजनैतिक नियुक्तियों की राह में रोड़ा बने हुए हैं। यानी कुछ सिंधिया समर्थकों के कारण निगम-मंडलों-प्राधिकरणों में नियुक्तियां लटक गई हैं।

जानकारी के अनुसार, निगम-मंडल, प्राधिकरण और आयोग में पद पाने के लिए दूसरे बड़े नेताओं के साथ केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थक भी मैदान में हैं। बताया गया है कि सिंधिया ने अपने पांच समर्थकों को निगम-मंडल में पद देने के लिए उनके नाम प्रदेश संगठन के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पास भेजे थे। इनमें से कुछ नामों पर सहमति भी बन चुकी है, लेकिन दो से तीन नामों पर क्षेत्रीय संतुलन की वजह से मुहर नहीं लग पा रही है। इसकी जानकारी मिलने पर केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने प्रदेश नेतृत्व और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से दो से तीन बार मुलाकात की है। पार्टी सूत्रों की मानें तो केन्द्रीय गाइडलाइन की वजह से सिंधिया समर्थकों के नामों पर असहमति बनी है।

दो नामों को लेकर रार

कहा जा रहा है कि केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की थी, तब उनके द्वारा मप्र के निगम मंडल में अपने 5 समर्थकों को जगह दिलाने का भी आग्रह किया गया था। इनमें से 3 नामों पर सहमति बन चुकी है। लेकिन अभी भी सिंधिया दो और नामों को एडजस्ट कराने के प्रयास में है। इसी वजह से निगम मंडलों की सूची जारी नहीं हो पा रही है। भोपाल में सिंधिया के सबसे करीबी युवा नेता कृष्णा घाडगे का नाम भी निगम मंडल की दौड़ में लिया जा रहा है। उनके नाम की भी केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा सिफारिश की गई है। वहीं डबरा विधानसभा से चुनाव हारने वालीं इमरती देवी किसी बड़े निगम मंडल में पद पा सकती है। शिवराज सरकार में राज्य मंत्री रहे गिर्राज दंडोतिया भी निगम मंडल के जरिए अपनी राजनीतिक सक्रियता जारी रखना चाहते हैं। सिंधिया समर्थक जसपाल सिंह जज्जी भी पिछला विधानसभा चुनाव हार चुके है। ऐसे में उन्हें भी निगम मंडल में पद दिया जा सकता है। चर्चा यह भी है कि सिंधिया समर्थक चाहते हैं कि जिस तरह शिवराज सिंह चौहान सरकार ने वर्ष 2021 में निगम मंडल और प्राधिकरणों में अध्यक्ष-उपाध्यक्ष के 25 पदों पर नियुक्तियां की थीं, उसमें आधा दर्जन से अधिक नाम सिंधिया के करीबियों के थे। ऐसे वे इस बार भी वैसा प्रतिनिधित्व मिलने की उम्मीद समर्थक लगाए हुए हैं। सूत्रों का कहना है कि निगम मंडलों की सूची में सीएम मोहन यादव से लेकिन शिवराज सिंह और ज्योतिरादित्य सिंधिया का दबदबा रह सकता है।

तीन राज्यों के युवा विधायकों का दो दिनी सम्मेलन कल से भोपाल में

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा में युवा विधायकों का दो दिवसीय सम्मेलन 30 और 31 मार्च, 2026 को विधानसभा के विधान परिषद हाल में आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन में राष्ट्रकुल संसदीय संघ (भारत क्षेत्र 6) के तीन राज्यों मध्य प्रदेश के 18, छत्तीसगढ़ के 15 तथा राजस्थान के 22 युवा विधायक सम्मिलित होंगे। 30 मार्च को आयोजित उद्घाटन कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन के प्रथम दिवस 'लोकतंत्र और नागरिकों की भागीदारी को मजबूत करने हेतु युवा विधायकों की भूमिका' विषय पर मंथन होगा। प्रथम दिवस माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर वारी भी युवा विधायकों को संबोधित करेंगे। सम्मेलन के दूसरे दिन 31 मार्च को 'विकसित भारत 2047- युवा विधायकों के दायित्व एवं चुनौतियां' विषय पर मंथन होगा। इस दिन अन्य सत्रों के अलावा एमआईटी पूना के चेयरमैन डॉ. राहुल वी. कराड का संबोधन होगा।

समापन समारोह में राज्य सभा के उप सभापति हरिवंश उपस्थित रहेंगे। इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय एवं नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

शराब दुकानों की बढ़ी कीमत पर सरकार का यू टर्न...

अब तक न बिक पाई 871 दुकानों को पिछले साल से भी कम कीमत पर बेचा जाएगा

-नीलामी के लिए बचे हैं सिर्फ 4 दिन, और कम हो सकती हैं कीमतें

भोपाल। प्रदेश में शराब दुकानों की कीमतों को 20 प्रतिशत बढ़ाए जाने का फैसला सरकार के गले की हड्डी बन चुका है, जिसके चलते अब सरकार इस पर यू टर्न लेती नजर आ रही है। नीलामी के लिए अब सिर्फ 4 दिन बचे हैं और अब भी प्रदेश की 871 दुकानें नीलाम नहीं हो पाई हैं। ये कुल दुकानों का करीब 25 प्रतिशत हैं। इसे देखते हुए सरकार ने मजबूरी में इन दुकानों को पिछले साल से भी कम कीमत पर नीलाम करने का फैसला लिया है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश सरकार ने नई आबकारी नीति 2026-27 के तहत प्रदेश की कुल 3553 दुकानों की कीमत को 20 प्रतिशत बढ़ाने का फैसला लिया था। इसके तहत 27 फरवरी से दुकानों की नीलामी शुरू की गई। इस एक माह में आठ चरणों में नीलामी के बाद भी प्रदेश की 871 दुकानें अब तक नीलाम नहीं हो पाई हैं। इसे देखते हुए सरकार ने अब इन दुकानों की नीलामी के लिए तय की गई कीमत पर 20 प्रतिशत कम की बोली लगाने का विकल्प भी खोल दिया है। यानी अब सरकार इन दुकानों को पिछले साल से भी कम कीमत पर बेचने को तैयार हो गई है। इसके तहत आज से नीलामी के 9वें चरण में घटी हुई कीमतों के साथ टेंडर भरे जा सकते हैं, जिन्हें कल खोला जाएगा।

पिछले साल से भी 4 प्रतिशत कम में बिकेंगी दुकानें

सरकार के इस यू टर्न को ऐसे समझें कि एक शराब दुकान की कीमत पिछले साल 100 रुपए थी, जिसे 20 प्रतिशत बढ़ाने के बाद इस साल उसकी कीमत 120 रुपए तय की गई थी। अब इस पर 20 प्रतिशत कम किए गए हैं। यानी 120 रुपए पर 20 प्रतिशत कम करने पर नई कीमत 96 रुपए हो चुकी है, जो पिछले साल जिस कीमत पर दुकान बिकी थी उससे भी 4 प्रतिशत कम है। यानी जहां सरकार को इन दुकानों पर पिछले साल से ज्यादा कमाई की उम्मीद थी, वहीं अब पिछले साल की तुलना में नुकसान पर भी सरकार दुकानें नीलाम करने को तैयार है।

पिछले साल 35 प्रतिशत तक कम हुई थी कीमतें

ऐसा नहीं है कि नीलामी में सिर्फ इस बार ही सरकार को कम कीमत मिल रही है। पिछले साल भी प्रदेश की 25 से 30 प्रतिशत दुकानों को सरकार ने आखिरी समय तक खरीदार न मिलने पर 35 प्रतिशत तक कम कीमत पर नीलाम किया था।

निजी कंपनी के डायरेक्टर की मौत पर 1 करोड़ 38 लाख 89 हजार का मुआवजा

सड़क हादसे में गई थी जान, कोर्ट ने इंश्योरेंस कंपनी को दिये क्षतिपूर्ति राशि देने के आदेश

भोपाल(ईएमएस)। प्रायवेट कंपनी के डायरेक्टर की सड़क दुर्घटना में हुई मौत के मामले में प्रधान जिला न्यायाधीश मनोज कुमार श्रीवास्तव ने मृतक के परिजनों को 1 करोड़ 38 लाख 89 हजार रूपए की क्षतिपूर्ति राशि 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से दिए जाने के आदेश दुर्घटना करने वाले वाहन के स्वामी,चालाक और श्रीराम जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड अरेरा हिल्स भोपाल को को दिए हैं। मृतक के परिजनों की ओर से राकेश कुमार वर्मा और नंदकिशोर शर्मा अधिवक्ता ने जिला न्यायालय में क्लेम का प्रकरण प्रस्तुत किया था। मामले में मिली जानकारी के अनुसार 32 वर्षीय विनीत खुशलानी साल 2024 की 4 जून को शाम करीब लगभग पॉच बजे अपने दो पहिया वाहन से एमपी नगर से वल्लभ भवन की ओर जा रहे थे। रास्ते में सतपुड़ा भवन के सामने कार के चालक ने काफी तेजी और लापरवाही से कार चलाते हुए विनीत खुशालानी के दो पहिया वाहन में जोरदार टक्कर मार दी थी। हादसे में विनीत खुशलानी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें उपचार के लिए पहले जयप्रकाश अस्पताल ले जाया गया था। वहॉ चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत देखते हुए उन्हें हमीदिया अस्पताल रेफर किया था। हमीदिया अस्पताल पहुंचने पर वहॉ डॉक्टरो ने शुरुआती चेकअप के बाद ही उन्हें मृत घोषित कर दिया था। थाना अरेरा हिल्स ने मृतक के परिजनों की शिकायत के आधार पर संबंधित कार के चालक और स्वामी के विरुद्ध अपराध दर्ज कर विवेचना के बाद जिला न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया था।

मप्र के 8 शहरों में बनेंगे ईवी चार्जिंग स्टेशन

भोपाल। पेट्रोल-डीजल वाहनों पर निर्भरता कम करने और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। पीएम-ई ड्राइव योजना के तहत मध्य प्रदेश के भोपाल, इंदौर समेत आठ प्रमुख शहरों में पब्लिक इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। इसके लिए नगरीय निकायों से उपयुक्त स्थान चिन्हित करने को कहा गया है, जबकि अनुदान केंद्र सरकार उपलब्ध कराएगी।

केंद्र के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने इन शहरों में ई-बस संचालन के लिए 63.22 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है, जिसमें से 57।13 करोड़ रुपये पहले ही जारी किए जा चुके हैं। वहीं, भारी उद्योग मंत्रालय के माध्यम से चार्जिंग स्टेशन के लिए वित्तीय सहायता दी जाएगी।

इन शहरों में बनेगा नेटवर्क

राज्य के जिन शहरों को योजना में शामिल किया गया है, उनमें भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, सागर, देवास और सतना शामिल हैं। इन सभी नगर निगमों से प्रस्ताव मांगे गए हैं, ताकि चरणबद्ध तरीके से चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जा सकें।

भीड़भाड़ वाले स्थानों पर फोकस

नगरीय निकायों को निर्देश दिए गए हैं कि वे ऐसे स्थान चिन्हित करें, जहां लोगों की आवाजाही अधिक हो और पार्किंग की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध हो। इसके तहत बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, बड़े बाजार, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और प्रमुख सडक़ों के आसपास चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जा सकते हैं।

प्रदूषण में कमी और निवेश को बढ़ावा

पीएम-ई ड्राइव योजना का मुख्य उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देना और प्रदूषण को कम करना है। चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर बढने से न केवल आम लोगों को सुविधा मिलेगी, बल्कि इस क्षेत्र में निजी निवेश भी बढ़ेगा। लोक निर्माण विभाग के चीफ इंजीनियर बी।पी। पटेल के मुताबिक, शहरों में चार्जिंग स्टेशनों का नेटवर्क विकसित होने से इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या में तेजी आएगी और पेट्रोल-डीजल पर निर्भरता घटेगी, जिससे पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिलेगी।

1 अप्रैल से महंगा होगा टोल

भोपाल ।वाहन चालकों के लिए 1 अप्रैल से सफर महंगा होने जा रहा है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा टोल टैक्स में 5 से 10 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की जा रही है, जो हर साल की तरह इस बार भी लागू होगी। इस बढ़ोतरी का सीधा असर जबलपुर से नागपुर, रायपुर, प्रयागराज और भोपाल जैसे प्रमुख शहरों की यात्रा पर पड़ेगा। वाहन चालकों को अब हर टोल प्लाजा पर ज्यादा राशि चुकानी होगी। जानकारी के अनुसार, जबलपुर के आसपास स्थित टोल प्लाजा पर कार चालकों को 5 से 10 रुपए तक अतिरिक्त शुल्क देना पड़ सकता है। वहीं फास्टेग के जरिए मिलने वाले करीब 3 हजार रुपए के एनुअल पास में भी लगभग 75 रुपए तक की बढ़ोतरी की संभावना है। टोल टैक्स की दरें होलसेल प्राइस इंडेक्स के आधार पर तय की जाती हैं। हर साल के अंत में इंडेक्स का मूल्यांकन कर सडक़ परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय नए रेट जारी करता है। टोल की राशि सडक़ की लंबाई और उस पर बने इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे फ्लाईओवर, अंडरपास, टनल आदि के आधार पर भी तय होती है। जहां ज्यादा सुविधाएं होती हैं, वहां टोल भी अधिक लगता है।

वाहन चालकों का कहना है कि टोल बढ़ाना समझ में आता है, लेकिन सडक़ों का मेंटेनेंस भी उतना ही जरूरी है। भोपाल रोड की हालत खराब बताई जा रही है, जबकि बरेला के आगे अभी भी काम जारी है। इसके बावजूद पूरा टोल वसूला जा रहा है, जिससे लोगों में नाराजगी है। जबलपुर से दमोह, सागर अभी हाईवे घोषित है, लेकिन बना नहीं है, जिसके चलते यह अभी स्टेट हाइवे की श्रेणी में आता है। इसी तरह से जबलपुर से पाटन, तेंदूखेड़ा जबलपुर से गोटेगांव में स्टेट हाईवे को टोल है। वाहन मालिकों का कहना है कि टोल टैक्स बढ़ाए जाना अच्छा है, पर सडक़ का मेंटेनेंस भी जरुरी होता है। उनका कहना है कि सडक़ को साल भर मेनटेन नहीं किया जाता है।

अब पेड़ काटने की अनुमति वन विभाग देगा

भोपाल। मप्र के सभी 413 नगरीय निकायों में अब निजी या सरकारी जमीन पर पेड़ों के कटाई की परमिशन जिला प्रशासन या नगर निगम के अधिकारी नहीं दे सकेंगे। राज्य सरकार ने नगरीय निकाय और जिला प्रशासन के अधिकारियों से यह अधिकार छीनकर वन विभाग के अधिकारियों को सौंप दिए हैं। प्रदेश में अब कहीं भी पेड़ काटने या पेड़ों की छंटाई की परमिशन वन विभाग के वन परिक्षेत्र अधिकारी (फॉरेस्ट रेंजर) से लेनी होगी।

एमआई विरुद्ध केकेआर : वानखेड़े में हाईवोल्टेज टक्कर

आंकड़ों में मुंबई भारी लेकिन हालिया फॉर्म में कोलकाता आगे

नई दिल्ली। आईपीएल के 19वें सीजन की शुरुआत के साथ ही रोमांच अपने चरम पर पहुंचने वाला है। टूर्नामेंट का दूसरा मुकाबला बेहद दिलचस्प रहने की उम्मीद है, जहां मुंबई इंडियस और कोलकाता नाइट रायडर आमने-सामने होंगी। यह मुकाबला 29 मार्च को मुंबई के वानखेडे स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां दोनों टीमें जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करना चाहेंगी।

मुंबई इंडियंस की कप्तानी हार्दिक पाण्डया के हाथों में है, जबकि कोलकाता नाइटराइडर्स की कमान अजिक्य रहाणे संभाल रहे हैं। दोनों कप्तानों के लिए यह मुकाबला खास होगा, क्योंकि शुरुआती जीत टीम के आत्मविश्वास को नई ऊंचाई दे सकती है। अगर दोनों टीमों के हेड-टू-हेड रिकॉर्ड की बात करें तो यहां मुंबई इंडियंस का पलड़ा साफ तौर पर भारी नजर आता है। अब तक दोनों के बीच कुल 35 मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें मुंबई ने 24 मैच जीते हैं, जबकि कोलकाता को सिर्फ 11 मैचों में जीत

मिली है। शुरुआती सीजन में मुंबई ने लगातार दबदबा बनाए रखा और 2008-09 में सभी मुकाबले अपने नाम किए।

हालांकि, 2012 के बाद तस्वीर थोड़ी बदली। 2014 और 2015 में केकेआर ने मुंबई पर बढ़त बनाई और चार में से तीन मैच जीते। इसके बाद 2016 से 2018 तक मुंबई ने फिर से पूरी तरह वापसी करते हुए लगातार सात मुकाबले जीत लिए। लेकिन हालिया सीजनों पर नजर डालें तो कोलकाता ने बेहतर प्रदर्शन किया है। पिछले चार सीजन में दोनों टीमों के बीच खेले गए छह मुकाबलों में से चार में केकेआर ने जीत दर्ज की है, जो उनके आत्मविश्वास को दर्शाता है। खिताब की बात करें तो मुंबई इंडियंस अब तक पांच बार आईपीएल ट्रॉफी जीत चुकी है और छठे खिताब की तलाश में है। टीम ने 2013, 2015, 2017, 2019 और 2020 में खिताब अपने नाम किए थे। वहीं, कोलकाता नाइटराइडर्स तीन बार (2012, 2014 और 2024) चैंपियन बन चुकी है और इस सीजन में अपने प्रदर्शन को और मजबूत करना चाहेगी।

कुल मिलाकर यह मुकाबला आंकड़ों और मौजूदा फॉर्म के बीच दिलचस्प जंग होने वाला है। जहां एक ओर इतिहास मुंबई के पक्ष में है, वहीं हालिया प्रदर्शन के आधार पर कोलकाता को हल्के में नहीं आंका जा सकता। क्रिकेट फैंस के लिए यह मैच एक रोमांचक शुरुआत का वादा करता है।

मुंबई इंडियंस की टीम

रॉबिन मिंज, नमन धीर, शेरफेन रदरफोर्ड, रयान रिकेलटन, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या (कप्तान), राज बावा, विल जैक्स, कॉर्बिन बॉश, मिशेल सैंटनर, तिलक वर्मा, ट्रेंट बोल्ट, अश्वनी कुमार, जसप्रित बुमरा, दीपक चाहर, मयंक मारकंडे, शार्दुल ठाकुर, क्विंटन डी कॉक, एएम गजनफर, रघु शर्मा, मयंक रावत, दानिश मालेवार, अथर्व अंकोलेकर, मोहम्मद सलाउद्दीन इजहार.

कोलकाता नाइटराइडर्स की टीम

अजिंक्य रहाणे, मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, रिंकू सिंह, सुनील नारायण, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, हर्षित राणा, उमरान मलिक, वरुण चक्रवर्ती, कैमरून ग्रीन, फिन एलन, मथीशा पथिराना, कार्तिक त्यागी, राहुल त्रिपाठी, टिम सीफर्ट, तेजस्वी दहिया, सार्थक रंजन, रचिन रवींद्र, आकाश दीप, प्रशांत सोलंकी, दक्ष कामरा.

आईपीएल 2026 में कोहली पड़ेंगे भारी? आकाश चोपड़ा ने धोनी-रोहित पर भी रखी अपनी राय

नई दिल्ली । आकाश चोपड़ा का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में विराट कोहली, एमएस धोनी और रोहित शर्मा की तुलना में ज्यादा प्रभावशाली प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने कोहली की फिटनेस और निरंतरता को उनकी सबसे बड़ी ताकत बताया है। आकाश चोपड़ा ने हाल ही में एक बातचीत के दौरान कहा कि विराट कोहली की फिटनेस उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग बनाती है। उन्होंने याद दिलाया कि आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को खिताब दिलाने में कोहली की भूमिका बेहद अहम रही थी। कोहली ने उस सीजन में 15 मैचों में 657 रन बनाए थे और आठ अर्धशतक जड़े थे, जो उनकी शानदार फॉर्म का प्रमाण है। चोपड़ा के मुताबिक, कोहली जब एक बार लय पकड़ लेते हैं तो लगातार रन बनाते हैं। साथ ही, सलामी बल्लेबाज के रूप में खेलने से उन्हें पारी की शुरुआत से ही समय मिलता है, जिससे वह खुद को बेहतर तरीके से सेट कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यही बात रोहित शर्मा पर भी लागू होती है, लेकिन मौजूदा समय में कोहली की निरंतरता उन्हें बढ़त दिलाती है। वहीं एमएस धोनी को लेकर चोपड़ा ने कहा कि उनके लिए आईपीएल 2026 में अच्छा प्रदर्शन करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। धोनी की उम्र 40 साल से अधिक हो चुकी है और लंबे समय तक क्रिकेट से दूर रहने के बाद सीधे आईपीएल में उतरना आसान नहीं होता। इसके अलावा, निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हुए उन्हें बहुत कम गेंदें खेलने का मौका मिलता है और विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी निभानी होती है, जिससे उनका काम और कठिन हो जाता है। रोहित शर्मा को लेकर चोपड़ा ने कहा कि उनसे एक बार फिर आक्रामक शुरुआत की उम्मीद रहेगी। मुंबई इंडियंस के मजबूत बल्लेबाजी क्रम को देखते हुए रोहित की भूमिका पावरप्ले में टीम को तेज शुरुआत देने की होगी। उन्होंने यह भी कहा कि जब टीम में क्विंटन डी कॉक, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या जैसे बल्लेबाज मौजूद हों, तो शुरुआती ओवरों का अधिकतम फायदा उठाना बेहद जरूरी हो जाता है। कुल मिलाकर, आकाश चोपड़ा का मानना है कि आईपीएल 2026 में जहां अनुभव और आक्रामकता अहम भूमिका निभाएंगे, वहीं फिटनेस और निरंतरता के दम पर विराट कोहली बाकी दिग्गजों से आगे निकल सकते हैं।

मियामी ओपन के फाइनल में पहुंचे सिनर, लेहेका से होगा मुकाबला

मियामी । इटली के टेनिस स्टार जैनिक सिनर मियामी ओपन टेनिस में जीत के साथ ही मियामी ओपन के फाइनल में पहुंच गये हैं। विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी सिनर ने सेमीफाइनल में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-3, 7-6(4) से हराया। इस जीत के साथ ही सिनर ने एक अहम उपलब्धि भी अपने नाम कर ली है। अब वह एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट्स में लगातार 32 सेट जीतने

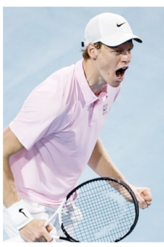

वाले एकमात्र खिलाड़ी बन गये हैं। इसी के पास इस सत्र में अपना दूसरा खिताब जीतने का अवसर भी है। हाल ही में सिनर ने इंडियन वेल्स में भी खिताबी मुकाबला जीता था। अब रविवार को होने वाले फाइनल में सिनर का सामना चेक गणराज्य के जिरी लेहेका से होगा। लेहेका ने एक अन्य सेमीफाइनल मेंआर्थर फिल्स को 6-2, 6-2 से हराकर अपने करियर में पहली बार मास्टर्स 1000 फाइनल में जगह बनाई है। सिनर अब खिताब जीतकर स्विटजरलैंड के रोजर फेडरर के बाद सनशाइन डबल पूरा करने वाले दूसरे खिलाड़ी बनाना चाहेंगे। सनशाइन डबल उसे कहते हैं जब कोई खिलाड़ी इंडियन वेल्स और मियामी दोनों ही खिताब जीत ले।

सिनर ने इसी महीने की शुरुआत में इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में भी ज्वेरेव को पराजित किया था। एटीपी के मुकाबलों में अब सिनर 8-4 से आगे हैं।

ज्वेरेव के खिलाफ मुकाबले में शुरुआत में ही सिनर ने 3-1 की बढ़त बना ली।दूसरे सेट में, ज्वेरेव ने तेजी दिखायी। सिनर मैच को टाई-ब्रेक तक ले गए। वहां ज्वेरेव ने एक ओवरहेड शॉट को ठीक से नहीं लगा पाये, जिसके बाद सिनर ने 5/4 की बढ़त बना ली, और अंत में मुकाबला जीत लिया।

ऑस्ट्रेलिया समेत चार टीमों की मेजबानी करेगा भारत

- बीसीसीआई ने जारी किया घरेलू सीजन 2026-27 का पूरा शेड्यूल

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय टीम के घरेलू सीजन 2026-27 का शेड्यूल घोषित कर दिया है। इस सीजन में भारत कुल 17 शहरों में 22 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलेगा और आस्ट्रेलिया समेत चार टीमों की मेजबानी करेगा। टीम इंडिया का कार्यक्रम काफी व्यस्त रहने वाला है। आईसीसी पुरुष टी20 विश्वकप 2026 के बाद खिलाड़ी सीधे इंडियन प्रिमियर लीग (आईपीएल) 2026 में हिस्सा लेंगे, जिसकी शुरुआत 28 मार्च से होगी। आईपीएल के बाद जून में भारतीय टीम एक टेस्ट और तीन वनडे मैचों की घरेलू सीरीज खेलेगी, जबकि जुलाई में उसे इंग्लैंड दौरे पर जाना है, जहां पांच टी20 और तीन वनडे मैच खेले जाएंगे।

इंग्लैंड दौरे से लौटने के बाद घरेलू सीजन का आगाज 27 सितंबर से वेस्ट इंडीज के खिलाफ सीरीज से होगा। इस दौरे में तीन वनडे और पांच टी20 मैच खेले जाएंगे। वनडे मुकाबले त्रिवेंद्रम, गुवाहाटी और न्यू चंडीगढ़ में होंगे, जबकि टी20 मैच लखनऊ, रांची, इंदौर, हैदराबाद और बेंगलुरु में आयोजित किए जाएंगे। टीम की कप्तानी शुभमन गिल के हाथों में होगी। इसके बाद दिसंबर 2026 में श्रीलंका की टीम भारत दौरे पर आएगी। इस दौरान तीन वनडे और तीन टी20 मुकाबले खेले जाएंगे। वनडे मैच दिल्ली, बेंगलुरु और अहमदाबाद में होंगे, जबकि टी20 सीरीज राजकोट, कटक और पुणे में आयोजित की जाएगी। नए साल 2027 की शुरुआत जिम्बाब्वे के दौरे से होगी। जिम्बाब्वे की टीम जनवरी में तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलने भारत आएगी, जिसके मुकाबले कोलकाता, हैदराबाद और मुंबई में खेले जाएंगे। यह सीरीज 3 जनवरी से 9 जनवरी तक चलेगी।

सीजन का समापन प्रतिष्ठित बार्डर-गावस्कर ट्राफी के साथ होगा, जिसमें भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज का पहला मुकाबला 21 जनवरी 2027 से नागपुर में शुरू होगा, जबकि बाकी मैच चेन्नई, गुवाहाटी, रांची और अहमदाबाद में खेले जाएंगे। कुल मिलाकर, यह घरेलू सीजन भारतीय क्रिकेट के लिए बेहद अहम और व्यस्त रहने वाला है, जिसमें फैंस को देश के अलग-अलग शहरों में हाई-वोल्टेज मुकाबले देखने को मिलेंगे।

वेस्टइंडीज का भारत दौरा:

27 सितंबर: भारत बनाम वेस्टइंडीज, पहला वनडे, त्रिवेंद्रम
30 सितंबर: भारत बनाम वेस्टइंडीज, दूसरा वनडे, गुवाहाटी
3 अक्टूबर: भारत बनाम वेस्टइंडीज, तीसरा वनडे, मुल्लांपुर
6 अक्टूबर: भारत बनाम वेस्टइंडीज, पहला टी20, लखनऊ
9 अक्टूबर: भारत बनाम वेस्टइंडीज, दूसरा टी20, रांची
11 अक्टूबर: भारत बनाम वेस्टइंडीज, तीसरा टी20, इंदौर
14 अक्टूबर: भारत बनाम वेस्टइंडीज, चौथा टी20, हैदराबाद
17 अक्टूबर: भारत बनाम वेस्टइंडीज, पांचवां टी20, बेंगलुरु

श्रीलंका का भारत दौरा:

13 दिसंबर: भारत बनाम श्रीलंका, पहला वनडे, नई दिल्ली
16 दिसंबर: भारत बनाम श्रीलंका, दूसरा वनडे, बेंगलुरु
19 दिसंबर: भारत बनाम श्रीलंका, तीसरा वनडे, अहमदाबाद
22 दिसंबर: भारत बनाम श्रीलंका, पहला टी20, राजकोट
24 दिसंबर: भारत बनाम श्रीलंका, दूसरा टी20, कटक
27 दिसंबर: भारत बनाम श्रीलंका, तीसरा टी20, पुणे

जिम्बाब्वे का भारत दौरा:

3 जनवरी: भारत बनाम जिम्बाब्वे, पहला वनडे, कोलकाता
6 जनवरी: भारत बनाम जिम्बाब्वे, दूसरा वनडे, हैदराबाद
9 जनवरी: भारत बनाम जिम्बाब्वे, तीसरा वनडे, मुंबई

ऑस्ट्रेलिया का भारत दौरा:

21-25 जनवरी: भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, पहला टेस्ट, नागपुर
29 जनवरी-2 फरवरी: भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, दूसरा टेस्ट, चेन्नई
11-15 फरवरी: भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, तीसरा टेस्ट, गुवाहाटी
19-23 फरवरी: भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, चौथा टेस्ट, रांची
27 फरवरी-3 मार्च: भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, पांचवां टेस्ट, अहमदाबाद

नसीम शाह को मरियम नवाज पर टिप्पणी करना भारी पड़ा

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के तेज गेंदबाज नसीम शाह को अपनी एक पोस्ट भारी पड़ गयी है। इसमें नसीम ने पीएसएल के उद्घाटन मैच में पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज को लेकर आपत्ति जनक टिप्पणी की थी। उन्हें इसी कारण केन्द्रीय और मीडिया नियमों के उल्लंघन के आरोप में कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। यह मामला पाकिस्तान सुपर लीग 2026 सत्र के उद्घाटन को है। इस पोस्ट में नसीम ने मरियम के कार्यक्रम में किए गए व्यवहार की आलोचना की थी। पीसीबी ने कहा है कि इस तेज गेंदबाज के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। बोर्ड ने हालांकि ये नहीं बताया है कि किस अनुबंध की शर्त का उल्लंघन हुआ है, लेकिन यह जरूर कहा कि नसीम के जवाब की बाद में समीक्षा होगी। यह विवाद नसीम शाह के एक्स अकाउंट से पीएसएल के उद्घाटन मैच के दौरान किए गए एक पोस्ट से शुरू हुआ। इस पोस्ट में मरियम के स्टेडियम पहुंचने का वीडियो था और लिखा था, 卐इन्हें लॉर्ड्स में रानी जैसा क्यों ट्रीट किया जा रहा है?卐 विवाद होने पर ये यह पोस्टडिलीट कर दी गई और बाद में कहा गया कि नसीम का अकाउंट हैक हो गया था। इस सफाई के बावजूद मामला शांत नहीं हुआ।. यह घटना और भी चर्चा में आ गई क्योंकि उद्घाटन समारोह में कई बड़े नेता मौजूद थे, जबकि पहले ही बाहरी कारणों से आम जनता की उपस्थिति सीमित करने का फैसला लिया गया था। दूसरी ओर पीसीबी का कहना है कि तेज गेंदबाज की इस हरकत से उनके अनुबंध और मीडिया पॉलिसी का उल्लंघन हुआ है।. इसमें अधिकारियों, संस्थाओं या हितधारकों के खिलाफ सार्वजनिक आलोचना या अनुचित टिप्पणी करने पर रोक है। बोर्ड ने पिछले कुछ समय में खिलाड़ियों के आचरण, खासकर सार्वजनिक बयानों और राजनीतिक टिप्पणियों को लेकर सख्त रुख अपनाया है। अब यह मामला नसीम के जवाब के आधार पर आगे बढ़ेगा, जिसके बाद ही कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई तय की जाएगी। नसीम उनके अगले मैच में पेशावर जाल्मी के खिलाफ खेलते दिखेंगे।

धूल भरे गांव से आईपीएल तक: मंगेश यादव की कहानी, संघर्ष, सपनों और पिता के त्याग की मिसाल

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के छोटे से गांव बोरगांव से निकलकर रॉयल चेलेंजर बेंगलुरु तक पहुंचने वाले मंगेश यादव का सफर सिर्फ 5.2 करोड़ रुपये की बोली तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक परिवार के संघर्ष, त्याग और अटूट विश्वास की कहानी है। यह कहानी बताती है कि कठिन परिस्थितियां भी उस इंसान को नहीं रोक सकतीं, जिसके पास प्रतिभा और उसे तराशने वाला सही मार्गदर्शक हो।

मंगेश के पिता रामावध यादव ट्रक ड्राइवर रहे हैं, जिनकी जिंदगी लगातार सफर, अनिश्चित आय और कठिन हालातों से भरी रही। दिन-रात मेहनत करने के बावजूद उनके मन में एक ही सपना था अपने बेटे को एक बेहतर भविष्य देना। आर्थिक तंगी के बावजूद उन्होंने मंगेश की ट्रेनिंग कभी नहीं रुकने दी, चाहे इसके लिए उन्हें उधार ही क्यों न लेना पड़ा हो। कई रातें उन्होंने यह सोचते हुए बिताईं कि अगली फीस कहां से आएगी, लेकिन बेटे के हौसले को टूटने नहीं दिया। मंगेश की प्रतिभा को पहली पहचान तब मिली जब उनके चाचा ने उन्हें दिल्ली भेजने की सलाह दी। पिता ने जैसे-तैसे 24,000 रुपये जुटाए और उन्हें कोच फूलचंद शर्मा के पास भेज दिया। दिल्ली में शुरुआती संघर्ष बेहद कठिन रहा न रहने की जगह, न खाने का ठिकाना। लेकिन कोच ने उनकी प्रतिभा को पहचानते हुए उन्हें सहारा दिया और रहने-खाने की व्यवस्था करवाई। यही वह मोड़ था, जिसने मंगेश के करियर को नई दिशा दी।

हालांकि, इस सफर में एक दौर ऐसा भी आया जब मंगेश अनुशासन से भटक गए। तब उनके कोच ने सख्ती दिखाते हुए उन्हें घर लौटने तक की चेतावनी दे दी। यह झटका मंगेश के लिए टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। उन्होंने खुद को संभाला और फिर पूरी मेहनत के साथ क्रिकेट में जुट गए। डीडीसीए लीग से लेकर यूपी अंडर-19 कैंप तक उन्होंने लगातार मेहनत की, हालांकि कई बार चयन न होने की निराशा भी झेलनी पड़ी।

उनकी मेहनत का असली फल 'मध्य प्रदेश टी20 लीग' में मिला, जहां उन्होंने 6 मैचों में 14 विकेट लेकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। इसके बाद उन्हें आरसीबी के ट्रायल के लिए बुलाया गया, जहां दिनेश कार्तिक ने उनकी काबिलियत को परखा। मंगेश ने हर स्थिति में खुद को साबित किया और अंततः उन्हें 5.2 करोड़ रुपये में टीम ने अपने साथ जोड़ लिया। आज मंगेश की सफलता उनके पिता के संघर्ष का सम्मान है। जो लोग कभी उनके सपनों का मजाक उड़ाते थे, वही अब उनकी सराहना कर रहे हैं।

वॉर्नर ने स्पिनरों को दिया जीत का श्रेय

लाहौर। कराची किंग्स ने पाकिस्तान सुपर लीग में एक संघर्ष पूर्ण मुकाबले में में क्वेटा ग्लैडिएटर्स को 14 रनों से हराया दिया। इस मैच मे कप्तान डेविड वॉर्नर की कराची किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 181 रन बनाये जिसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए क्वेटा की टीम 167 रन ही बना पायी। वार्नर ने अपनी टीम की जीत को लक्ष्य गेंदबाजों विशेषकर स्पिनरों को दिया है। वार्नर के अनुसार स्पिनरों के अच्छे प्रदर्शन से ही टीम जीती है।

इस मैच में एक समय क्वेटा तेजी से आगे बढ़ रही थी पर इसके बाद हसन अली की सटीक गेंदबाजी से क्वेटा का मध्यक्रम ढ़ह गया। हसन ने 4 ओवर में केवल 27 रन देकर 4 विकेट लिए थे। वहीं एडम ज़म्पा और मोईन अली ने 4-4 ओवर के अपने स्पेल में केवल 26-26 रन देकर क्वेट के 1-1 खिलाड़ी को पेवेलियन भेजा। इस कारण क्वेटा की टीम 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 167 रन ही बना सकी और 14 रनों से हार गयी। वहीं इससे पहले कराची की पहली पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज मोहम्मद वसीम खाता खोले बिना ही पवेलियन लौट गए। वॉर्नर ने 35 रन बनाकर पारी को संभाला। इसके बाद मध्यक्रम में साद बेग ने 30 और सलमान आगा ने 22 रन बनाये। इसके बाद मोईन अली ने केवली 29 गेंदों पर 48 रन बनाकर पारी को आगे बढ़ाया। उनकी इस पारी से कराची किंग्स 20 ओवर में सात विकेट पर 181 रन बनाने में सफल रही। क्वेटा की ओर से अहमद दानियाल ने 36 रन देकर 3 विकेट लिए। वहीं क्वेटा ग्लैडिएटर्स को शमिल हुसैन ने 52 रन और कप्तान सऊद शकील ने 33 रन बनाकर तेज शुरुआत दिलायी।

राहुल जीत सकते हैं ऑरेंज कैप कैप - अश्विन

चेन्नई । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि इस बार केएल राहुल सबसे अधिक रन बनाकर ऑरेंज कैप जीत सकते हैं।

उन्होंने कहा कि अगर राहुल दिल्ली कैपिटल्स की ओर से पारी शुरु करते हैं तो लीग में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन सकते हैं। अश्विन के अनुसार राहुल नई गेंद के खिलाफ सफल रहे हैं और ऐसे में वह पावरप्ले में तेजी से रन बना सकते हैं।

अश्विन ने कहा कि पिछले सत्र में टीम ने राहुल को मध्यक्रम में उतार कर गलती की थी। उन्होंने कहा कि राहुल तकनीकी रूप से मजबूत खिलाड़ी हैं और उन्हें नई गेंद खेलने का मौका मिलना चाहिए। अश्विन के मुताबिक, राहुल को उनकी पसंदीदा पोजिशन पर खिलाने से दिल्ली कैपिटल्स को बड़ा फायदा होगा। अश्विन ने कहा कि दिल्ली को राहुल और पथुम निसांका से पारी शुरु करानी चाहिये। इस कारण है कि दोनो ही अच्छे फार्म में हैं। जिसका लाभ टीम को मिल सकता है। अश्विन ने दिल्ली कैपिटल्स से कहा है कि कि टीम को बार-बार अंतिम ग्यारह और और बल्लेबाजी क्रम नहीं बदलना चाहिये।। उन्होंने कहा कि अगर टीम अपने खिलाड़ियों को लगातार मौके देगी, तो उसके खिताब जीतने की संभावन रहेगी। अश्विन ने कहा कि सहयोगी स्टाफ कभी-कभी काफी बदलाव कर देते हैं जिससे भी टीम को नुकसान होगा है। साथ ही उम्मीद जतायी कि टीम अपने खिलाड़ियों का सही प्रयोग करेगी।

आईपीएल में अब कमेंटर की भूमिका निभा रहे अश्विन

मुम्बई । दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में अब कमेंट्री कर रहे हैं। अश्विन इस नई भूमिका में अपनी रणनीतिक समझ और विश्लेषण से दर्शकों पर कितना प्रभाव बनाते हैं ये देखना होगा। अश्विन का कमेंट्री के आने को एक अहम बदलाव माना जा रहा है। इससे साफ है कि अब कमेंट्री में मनोरंजन के साथ ही डेटा, मैच की रणनीति पर भी विस्तार से चर्चा होगी। गौरतलब है कि अश्विन ने अब तक आईपीएल में 221 मैच खेलकर 187 विकेट लिए हैं, ऐसे में उनका अनुभव कमेंट्री में भी नजर आयेगा।

आईपीएल इतिहास में युवराज सिंह का अनोखा रिकॉर्ड, एक ही सीजन में दो हैट्रिक का कमाल

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते रहे हैं, लेकिन गेंदबाजी में भी उन्होंने कई बार मैच का रुख बदला है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट हो या इंडियन प्रीमियर लीग, जब भी उन्हें गेंद थमाई गई, उन्होंने अपनी उपयोगिता साबित की। ऐसा ही एक ऐतिहासिक कारनामा उन्होंने आईपीएल 2009 में किया, जो आज तक कोई दोहरा नहीं सका है। आईपीएल का दूसरा सीजन 2009 में खेला गया था, जिसमें युवराज सिंह पंजाब किंग्स (तब किंग्स इलेवन पंजाब) का हिस्सा थे। उस सीजन में उन्होंने बल्ले से भी अहम योगदान दिया और 2 अर्धशतकों की मदद से 340 रन बनाए। हालांकि, असली इतिहास उन्होंने अपनी गेंदबाजी से रचा। युवराज सिंह ने उस सीजन में दो अलग-अलग मैचों में हैट्रिक लेने का अद्भुत कारनामा किया। उनकी पहली हैट्रिक रॉयल चेलेंजर बेंगलुरु के खिलाफ आई, जहां उन्होंने लगातार गेंदों पर रॉबिन उथप्पा, जैक्स कैलिस और मार्क बाउचर को आउट कर सभी को चौंका दिया। इसके बाद उन्होंने डेक्कन चार्ज के खिलाफ मुकाबले में दूसरी हैट्रिक ली, जिसमें हर्शल गिब्स, एंड्रयू साइमंड्स और वेणुगोपाल राव को पवेलियन भेजा। इस तरह युवराज सिंह आईपीएल इतिहास के पहले और अब तक इकलौते खिलाड़ी बन गए, जिन्होंने एक ही सीजन में दो हैट्रिक लेने का रिकॉर्ड बनाया। दिलचस्प बात यह है कि पूरे टूर्नामेंट में उन्होंने कुल 20 ओवर गेंदबाजी की और 6 विकेट हासिल किए और ये सभी विकेट उनकी दोनों हैट्रिक में ही आए। युवराज का यह रिकॉर्ड आईपीएल के इतिहास में आज भी कायम है और इसे तोड़ पाना किसी भी खिलाड़ी के लिए आसान नहीं माना जाता। यह उपलब्धि उनके हरफनमौला खेल और बड़े मौकों पर प्रदर्शन करने की क्षमता को दर्शाती है।

वनडे क्रिकेट की पहली हैट्रिक : जलालुद्दीन ने रचा था इतिहास

नई दिल्ली। साल 1971 में एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की शुरुआत हुई थी और तब से इस फॉर्मेट में कई बदलाव देखने को मिले हैं। समय के साथ बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में नए-नए कीर्तिमान बने, लेकिन कुछ रिकॉर्ड ऐसे होते हैं जो हमेशा इतिहास के पन्नों में दर्ज रहते हैं। ऐसा ही एक खास रिकॉर्ड है हैट्रिक लेने का, जो किसी भी गेंदबाज के लिए बेहद बड़ी उपलब्धि मानी जाती है।

क्रिकेट में जब कोई गेंदबाज लगातार तीन गेंदों पर तीन विकेट हासिल करता है, तो उसे हैट्रिक कहा जाता है। यह न सिर्फ मैच का रुख बदलने वाला पल होता है, बल्कि गेंदबाज के करियर का भी एक यादगार क्षण बन जाता है। वनडे क्रिकेट में पहली हैट्रिक का रिकॉर्ड जलालुद्दीन के नाम दर्ज है।

पाकिस्तान के इस तेज गेंदबाज ने साल 1982 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की थी। उस मुकाबले में जलालुद्दीन ने लगातार तीन गेंदों पर रॉड मार्श, ब्रूस यार्डली और ज्योफ लॉसन को आउट कर सनसनी मचा दी थी। उनकी इस शानदार गेंदबाजी की बदौलत पाकिस्तान ने वह मैच 59 रन से जीत लिया था। जलालुद्दीन की यह हैट्रिक वनडे क्रिकेट के इतिहास में मील का पत्थर साबित हुई। इसके बाद से अब तक इस फॉर्मेट में कई गेंदबाजों ने हैट्रिक

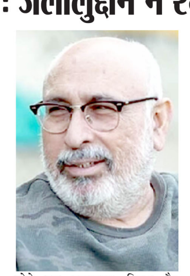

लेने का कारनामा किया है। आंकड़ों के अनुसार, पिछले चार दशकों में वनडे क्रिकेट में 50 से ज्यादा बार हैट्रिक देखने को मिल चुकी है, लेकिन पहली हैट्रिक का गौरव हमेशा जलालुद्दीन के नाम ही रहेगा।

हालांकि, इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल करने के बावजूद जलालुद्दीन का अंतरराष्ट्रीय करियर बहुत लंबा नहीं रहा। उन्होंने पाकिस्तान के लिए टेस्ट और वनडे मिलाकर कुल 14 मैच खेले, जिनमें 25 विकेट अपने नाम किए। वहीं, फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनका प्रदर्शन बेहतर रहा, जहां उन्होंने 70 मैचों में 261 विकेट लिए। लिस्ट ए क्रिकेट में भी उन्होंने 37 मुकाबलों में 24 विकेट हासिल किए। वनडे क्रिकेट के इतिहास में जलालुद्दीन की यह उपलब्धि आज भी एक प्रेरणादायक उदाहरण है, जो दिखाती है कि एक शानदार प्रदर्शन कैसे खिलाड़ी को हमेशा के लिए इतिहास में अमर कर सकता है।

मोदी-ट्रंप की टेलीफोनिक बातचीत में एलन मस्क की मौजूदगी से दुनिया हैरान

दोनों नेताओं ने होर्मुज को खुला, सुरक्षित और सुचारु बनाए रखने पर दिया जोर

नई दिल्ली। ईरान युद्ध के बीच पीएम मोदी और ट्रंप की एक टेलीफोनिक बातचीत में एलन मस्क की मौजूदगी ने सबको हैरान कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक गंभीर भू-राजनीतिक संकट के दौरान दो राष्ट्राध्यक्षों की चर्चा में एक निजी नागरिक का शामिल होना एक असामान्य घटना है। इस बातचीत का मुख्य विषय पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और उसके वैश्विक प्रभाव थे। खास तौर पर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खुला, सुरक्षित और सुचारु बनाए रखने पर जोर दिया गया। यह समुद्री मार्ग वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए बहुत अहम है और विश्व ऊर्जा बाजार की स्थिरता में इसकी बड़ी भूमिका है।

वैसे ऐसी तमाम अटकलों पर विदेश मंत्रालय ने विराम लगाते हुए आधिकारिक बयान जारी किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता का कहना है कि इस संवाद का केंद्र केवल आपसी सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता था और यह बातचीत केवल पीएम मोदी और ट्रंप के बीच ही हुई। जबकि मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी अधिकारियों ने पुष्टि की है कि एलन मस्क इस कॉल का हिस्सा थे। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि उन्होंने चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लिया या नहीं, लेकिन उनकी मौजूदगी कई सवाल खड़े कर रही है। मस्क की कंपनियों का मध्य पूर्वी संप्रभु वेल्थ फंड्स के साथ गहरा निवेश संबंध है। मस्क लंबे समय से भारत में व्यावसायिक अवसरों की तलाश कर रहे हैं। पिछले कुछ महीनों में ट्रंप और मस्क के बीच संबंधों में काफी सुधार हुआ है, जो इस कॉल में उनकी मौजूदगी का एक बड़ा कारण हो सकता है।

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने बताया कि दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय तनाव और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने की रणनीतिक जरुरत पर विस्तार से चर्चा की। वहीं, पीएम मोदी ने एक्स पर कहा कि भारत तनाव कम करने और जल्द शांति बहाल करने के पक्ष में है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच इस मुद्दे पर लगातार संपर्क बनाए रखने पर सहमति

बनी है। भारत की ओर से जारी बयान में यह भी कहा गया कि होर्मुज के जरिए सुरक्षित आवाजाही वैश्विक आर्थिक स्थिरता के लिए अत्यंत जरुरी है। यह बातचीत ऐसे समय में हुई जब ट्रंप ने पांच दिनों के लिए हमले टालने की घोषणा की थी, जिससे तनाव कम होने की उम्मीद जगी है।

इसी बीच खबरें है कि अमेरिका अपने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को पाकिस्तान भेज सकता है, जहां ईरानी अधिकारियों के साथ बातचीत हो सकती है। यह कदम क्षेत्र में कूटनीतिक समाधान की दिशा में एक प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। भारत की ओर से भी सक्रिय कूटनीतिक पहल जारी है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ बातचीत कर इस संकट के वैश्विक बाजार और भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रभावों पर चर्चा की। साथ ही, उन्होंने भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फथाली से भी मुलाकात की और भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई।

रिपोर्ट के मुताबिक सरकार ने ट्रंप के सैन्य कार्रवाई टालने के फैसले पर आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन विदेश मंत्रालय ने कहा है कि वह स्थिति पर नजर बनाए हुए है। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साफ किया कि भारत का मानना है कि इस संकट का समाधान केवल संवाद और कूटनीति के जरिए ही संभव है। भारत, अमेरिका के नेतृत्व वाले उस नौसैनिक गठबंधन में शामिल होने को लेकर उत्सुक नहीं दिखा जिसका उद्देश्य स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को सुरक्षित बनाए रखना है। यह रुख भारत की स्वतंत्र विदेश नीति और संतुलित कूटनीतिक दृष्टिकोण को दर्शाता है।

अमरावती को आंध्रप्रदेश की राजधानी बनाने विधानसभा में पेश हुआ प्रस्ताव

सीएम नायडू ने सभी सदस्यों से अपना पूर्ण समर्थन देने का किया आग्रह

अमरावती। आंध्रप्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को विधानसभा में एक अहम प्रस्ताव पेश किया, जिसमें केंद्र सरकार से अमरावती को राज्य की राजधानी के रूप में वैधानिक मान्यता देने का आग्रह किया। विधानसभा का यह सत्र विशेष रूप से अमरावती को राजधानी के रूप में कानूनी दर्जा दिए जाने की मांग वाले प्रस्ताव पर चर्चा करने और इसे बुलाया गया था, जो राजधानी शहर के मुद्दे पर स्पष्टता और स्थिरता लाने की दिशा में एक अहम कदम है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अपने संबोधन में सीएम नायडू ने इस बात पर जोर दिया कि राजधानी के मुद्दे पर कानूनी निश्चितता आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 में उचित संशोधनों के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है। विधानसभा ने भारत सरकार से अधिनियम की धारा 5 में संशोधन करने का अनुरोध करने का संकल्प लिया। यह संशोधन अमरावती में शब्द जोड़कर और स्पष्टीकरण का विस्तार करके किया जाएगा, ताकि यह साफ हो सके कि अमरावती में वे क्षेत्र शामिल हैं जो आंध्र प्रदेश राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण अधिनियम, 2014 के तहत अधिसूचित किए गए हैं। अपने भाषण में सीएम नायडू ने सदन के सभी सदस्यों से प्रस्ताव पर विचार-विमर्श करने और अपना पूर्ण समर्थन देने का आग्रह किया। वहीं, आंध्र प्रदेश सरकार में राजस्व मंत्री सत्य प्रसाद अनागनी ने एक्स पर लिखा कि सएम चंद्रबाबू नायडू ने अमरावती को स्थायी राजधानी के रूप में मान्यता देने की मांग करते हुए एक ऐतिहासिक प्रस्ताव पेश किया, जिसमें केंद्र सरकार से अमरावती राजधानी शहर को वैधानिक मान्यता प्रदान करने का आग्रह किया गया। आंध्र प्रदेश कैबिनेट ने गुरुवार को अमरावती से जुड़े प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। सीएम नायडू ने पहले ही केंद्र सरकार से अनुरोध किया था कि वह अमरावती को आंध्र प्रदेश की राजधानी के तौर पर कानूनी मान्यता दे।

पश्चिम एशिया संकट के बीच एलपीजी गैस लेकर एक और जहाज गुजरात के जामनगर पहुंचा

-कुछ और जहाजों के जल्द ही भारत पहुंचने की संभावना

जामनगर । पश्चिम एशिया संकट के बीच रसोई गैस (एलपीजी) लेकर एक और जहाज गुजरात के जामनगर में वडीनार बंदरगाह पहुंचा गया है। कांडला बंदरगाह पहुंचने के बाद एमटी जग वसंत जहाज की तस्वीर सामने आई है जिस पर 47,000 मीट्रिक टन लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) लदी हुई है। वडीनार बंदरगाह पर लंगर डालकर खड़े जग वसंत जहाज पर से गैस को दूसरी जहाजों में खाली किया जा रहा है। जग वसंत उन दो जहाजों में से एक है जो सोमवार सुबह फारस की खाड़ी से रवाना हुआ था। सूत्रों के हवाले से बताया कि इन मर्चेंट जहाजों को सुरक्षा मुहैया कराने के लिए भारतीय नौसेना के युद्धपोत तैनात थे। एलपीजी टैंकर पाइन गैस और जग वसंत होर्मुज स्ट्रेट को पार करने से पहले सोमवार सुबह फारस की खाड़ी से रवाना हुए। दोनों एक-दूसरे के करीब चल रहे हैं। इन जहाजों पर लदी गैस देश में करीब एक दिन की खाना पकाने की गैस मौजूद है। जहाजों की आवाजाही पर नजर रखने से जुड़े आंकड़ों से इसकी जानकारी मिली। बहरहाल, सूत्रों का कहना है कि कुछ और जहाजों के जल्द ही भारत पहुंचने की संभावना है। बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया था कि एलपीजी टैंकर पाइन गैस और जग वसंत पर करीब 92,000 टन एलपीजी है। ये दोनों जहाज उन 22 भारतीय झंडे वाले जहाज में शामिल हैं जो युद्ध के बाद फारस की खाड़ी में फंस गए थे। इसका कारण युद्ध के चलते होर्मुज स्ट्रेट का करीब बंद होना है। होर्मुज स्ट्रेट ईरान और ओमान के बीच का संकरा जलमार्ग है जो तेल और गैस उत्पादक खाड़ी देशों को दुनिया के बाकी देशों से जोड़ता है।

लगभग 92,712 टन एलपीजी ला रहे एमटी शिवालिक और एमटी नंदा देवी सुरक्षित रूप से भारतीय तट पर पहुंच चुके हैं। यह देश की लगभग एक दिन की खाना पकाने की गैस की खपत के बराबर है। एलपीजी ला रहा जहाज शिवालिक 16 मार्च को गुजरात के मुंदड़ा बंदरगाह पहुंचा। एक अन्य एलपीजी टैंकर नंदा देवी, अगले दिन गुजरात के कांडला बंदरगाह पर पहुंचा।

अखिलेश पर तंज कसते हुए पीएम मोदी ने कहा, सत्ता जाने के डर के कारण कभी नोएडा नहीं आए

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समाजवादी पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव पर तंज कस दिया है। पीएम मोदी ने कहा कि नोएडा को पहले की सरकारों ने अंधविश्वास के कारण अपने हाल पर छोड़ दिया गया था। कुर्सी जाने के डर से सीएम यहां आने से डरते थे। पीएम मोदी ने कहा कि मुझे याद है, जब उत्तरप्रदेश में सपा की सरकार थी और मैंने नोएडा आने का कार्यक्रम बनाया। तब मुख्यमंत्री इतने डरे हुए थे कि वहां उस कार्यक्रम में नहीं पहुंचे।

पीएम मोदी ने कहा कि मुझे भी लोगों ने डराने की कोशिश की कि नोएडा मत जाओ मोदी जी, अभी-अभी प्रधानमंत्री बने हो। तब मैंने कहा इस धरती का आशीर्वाद लेने जा रहा हूं जो मुझे लंबे समय तक सेवा करने का मौका देगी। अब वहीं इलाका पूरी दुनिया का स्वागत करने को तैयार है। ये पूरा क्षेत्र आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सशक्त कर रहा है।

वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में किसानों की अहम भूमिका है। आज मैं विशेष रूप से अपने उन किसानों का दिल से धन्यवाद करना चाहूंगा जिन्होंने एयरपोर्ट परियोजना के निर्माण के लिए अपनी जमीन दी है। आपके योगदान से पूरे क्षेत्र में विकास का एक नया दौर शुरू होने वाला है। आधुनिक कनेक्टिविटी के विस्तार से पश्चिमी यूपी में खाद्य प्रसंस्करण की संभावनाएं मजबूत होंगी। अब कृषि उत्पाद वैश्विक बाजारों में और अधिक प्रभावी ढंग से पहुंच सकते है।

अमेरिका-ईरान जंग की बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मैं अपने किसानों का एक और बात के लिए धन्यवाद करना चाहूंगा। आपके गन्ने से उत्पादित इथेनॉल ने कच्चे तेल पर देश की निर्भरता कम हुई है। यदि इथेनॉल का उत्पादन और पेट्रोल में इसकी ब्लेंडिंग (मिश्रण) न बढ़ी होती, तब देश को हर साल विदेशों से 4.5 करोड़ बैरल कच्चा तेल आयात करना होता। हमारे किसानों की कड़ी मेहनत ने संकट के दौरान देश को बड़ी राहत दी है। देश को इथेनॉल से लाभ हुआ है और किसानों को भी बहुत फायदा पहुंचा है। करीब 1.5 लाख करोड़ रुपए की विदेशी मुद्रा की बचत हुई है। इथेनॉल के बिना यह पैसा विदेशों में चला जाता।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बीजेपी सरकार ने लगातार यह सुनिश्चित करने की कोशिश की है कि हवाई अड्डे बनें और आम लोगों के लिए हवाई किराया किफायती हो। इसके लिए हमारी सरकार ने उड़ान योजना शुरू की। इस योजना की बदौलत बीते कुछ सालों में 1.6 करोड़ से ज्यादा लोगों ने किफायती हवाई किराए पर यात्रा की है। हाल ही में, केंद्र ने उड़ान योजना का और विस्तार करते हुए करीब 29000 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। आने वाले सालों में हम छोटे शहरों में 100 नए हवाई अड्डे और 200 नए हेलीपैड बनाने की योजना बना रहे हैं। इससे उत्तर प्रदेश को भी बहुत फायदा होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि किसी भी देश में हवाई अड्डा सिर्फ आम सुविधा नहीं होता। हवाई अड्डे प्रगति को भी उड़ान देता हैं। 2014 से पहले देश में सिर्फ 74 हवाई अड्डे थे। आज देश में 160 से ज्यादा हवाई अड्डे हैं। अब बड़े शहरों के अलावा हवाई कनेक्टिविटी देश के सबसे छोटे शहरों तक भी पहुंच रही है। पिछली सरकारों का मानना ??था कि हवाई यात्रा सिर्फ अमीरों के लिए होनी चाहिए, लेकिन बीजेपी सरकार ने आम लोगों के लिए हवाई यात्रा को आसान बना दिया है।

आशुतोष महाराज को बम से उड़ाने की धमकी

प्रयागराज। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद पर यौन उत्पीडन् की एफआईआर कराने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज को जान से मारने की धमकी मिली है। आशुतोष ब्रह्मचारी ने बताया- अंजान नंबर से कॉल करने वाले ने कहा कि शंकराचार्य के केस की पैरवी बंद कर दो वरना बम से उड़ा देंगे। तुम्हे और तुम्हारे वकील सौरभ गुप्ता को उठवा लेंगे। आशुतोष ब्रह्मचारी ने धमकी मिलने के बाद शामली पुलिस से शिकायत की है। शिकायत मिलने के बाद शुक्रवार शाम को पुलिस टीम उनके घर पहुंची और जानकारी ली। पुलिस को मिली शिकायत के अनुसार, 25 मार्च को अज्ञात मोबाइल नंबर +923200605681 से धमकी वाली कॉल आई थी।

अटल बिहारी वाजपेई के समय शुरू हुआ था, आयल बॉन्ड कांग्रेस के सिर पर ठीकरा फोड़ती है, भाजपा ?

नई दिल्ली। देश में इन दिनों 'ऑयल बॉन्ड' को लेकर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। विभिन्न दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप के बीच इस मुद्दे की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को याद करना जरूरी है। दरअसल, ऑयल बॉन्ड की शुरुआत वर्ष 2002 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में शुरू हुई थी। उस समय अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण पेट्रोलियम कंपनियों को होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए सरकार ने यह व्यवस्था अपनाई थी।

ऑयल बॉन्ड का उद्देश्य था, सरकार सीधे सब्सिडी का बोझ बजट पर न डालकर बॉन्ड के माध्यम से भुगतान को भविष्य के लिए टाल सके। वाजपेयी सरकार के दौरान लगभग 9,000 करोड़ रुपये के ऑयल बॉन्ड जारी किए गए थे। इसके बाद जब मनमोहन सिंह के नेतृत्व में सरकार बनी, तब भी इस नीति को जारी रखा गया। बढ़ती तेल कीमतों के चलते उस दौर में ऑयल बॉन्ड का दायरा काफी बढ़ा और कुल देनदारी हजारों करोड़ रुपये तक पहुंच गई।

आर्थिक जानकारों के अनुसार, ऑयल बॉन्ड एक तरह से सरकार की उधारी होती है। जिसे बाद के वर्षों में ब्याज सहित चुकाना पड़ता है। यही कारण है कि आज भी सरकार को पुराने ऑयल बॉन्ड का भुगतान करना पड़ता है।जिससे वित्तीय बोझ बना रहता है। इसका असर बजट में नहीं पड़ता है। आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है, यह नीति तत्काल राहत देती है, लेकिन दीर्घकाल में सरकारी खजाने पर ब्याज का बोझ बढ़ाती है।

वर्तमान राजनीतिक माहौल में इस मुद्दे को लेकर अलग-अलग दावे किए जाते हैं। आयल बांड को लेकर कांग्रेस को घेरने का प्रयास किया जाता है। भाजपा इसके लिए पूर्व सरकारों को जिम्मेदार ठहराती है। आर्थिक विशेषज्ञों का तर्क है। यह व्यवस्था सरकार के बजट को प्रभावशील बनाकर रखती है। यह एक निरंतर चलने वाली नीति है। जिसे विभिन्न सरकारों ने अपने-अपने समय में अपनाया। 2014 के बाद से कच्चे तेल के अंतर्राष्ट्रीय दाम लगातार गिरावट में रहे हैं। उसके कारण मोदी सरकार को आयल बांड की समझ नहीं है। अब जिस तेजी के साथ कच्चे तेल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ रही हैं। ऐसी स्थिति में मोदी सरकार को भी इसका सहारा लेना पड़ेगा।

जिस तेजी के साथ महंगाई, ईंधन कीमतों और सब्सिडी को लेकर आम जनता की चिंताएं सामने आ रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है। वर्तमान सरकार को भी इसी नीति को अपनानी चाहिए। जिससे आम उपभोक्ताओं को राहत मिले और साथ ही वित्तीय अनुशासन भी बना रहे।

कुल मिलाकर, ऑयल बॉन्ड का मुद्दा केवल राजनीतिक लाभ हानि का विषय नहीं है। यह देश की आर्थिक नीति और दीर्घकालिक वित्तीय प्रबंधन से भी जुड़ा हुआ महत्वपूर्ण विषय है।

जंग के बीच रुपये में जारी गिरावट को रोकने आरबीआई ने उठाया कदम....अधिकृत डीलर बैंकों को निर्देश

नई दिल्ली । भारतीय अर्थव्यवस्था में हाल ही में बढ़ते दबाव को देखकर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने रुपए की गिरावट को नियंत्रित करने और सट्टेबाजी पर रोक लगाने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। केंद्रीय बैंक ने अधिकृत डीलर बैंकों को निर्देश दिया है कि वे दिन के अंत तक अपनी ओपन पोजीशन को 100 मिलियन डॉलर तक सीमित रखें। यह नई दैनिक सीमा 10 अप्रैल तक लागू करने को कहा गया है, और जरूरत पड़ने पर बदला भी जा सकता है।

यह फैसला तब लिया गया है जब वैश्विक तनाव—खासतौर पर अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच के कारण बाजार में अनिश्चितता बढ़ी है। इसके चलते भारत का व्यापार घाटा बढ़ा है और रुपए पर दबाव बना हुआ है। हाल ही में रुपया पहली बार 94 प्रति डॉलर के नीचे चला गया, जो लगभग 1 प्रतिशत की गिरावट दिखाता है। कुल मिलाकर, ईरान से जुड़े तनाव शुरू होने के बाद से रुपए में 4 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आ चुकी है।

इस बीच, ब्रेंट क्रूड की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई है, जो आरबीआई के पहले के 70 डॉलर के अनुमान से काफी अधिक है। इससे भारत का आयात बिल बढ़ा है और महंगाई तथा चालू खाता घाटा (सीएडी) पर दबाव बढ़ा है। आरबीआई ने रुपए को सहारा देने के लिए अपने विदेशी मुद्रा भंडार का भी उपयोग किया है, जिससे उसकी भविष्य में हस्तक्षेप की क्षमता कुछ सीमित हो सकती है।

विशेषज्ञों के अनुसार, यदि रुपए में गिरावट जारी रहती है, तब आरबीआई और सख्त कदम उठा सकता है। हालांकि, कुछ सकारात्मक संकेत भी सामने आए हैं। एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की रिपोर्ट के मुताबिक, आने वाले 2ङ्क3 महीनों में रुपया सुधारकर 91 प्रति डॉलर तक पहुंच सकता है। साथ ही, 10 साल के सरकारी बॉन्ड की यील्ड भी 6.83 प्रतिशत से घटकर करीब 6.65 प्रतिशत तक आ सकती है। भारत की अर्थव्यवस्था अभी स्थिर बनी हुई है, लेकिन वैश्विक तेल कीमतों में वृद्धि और भू-राजनीतिक तनाव भविष्य में आर्थिक संतुलन, महंगाई और विकास दर को प्रभावित कर सकते हैं।

हाइब्रिड इवैल्यूएशन सिस्टम का ऐलान, किसी भी छात्र को नहीं होगा नुकसान

सीबीएसई का ये नया ग्रेडिंग सिस्टम बेस्ट परफॉर्मिंग सब्जेक्ट्स के औसत पर आधारित

नई दिल्ली, । मिडिल ईस्ट में युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा है। बढ़ते तनाव के कारण इस साल सीबीएसई को 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं को रद्द करना पड़ा था। इसमें बहरीन, ईरान, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और यूएई में रह रहे हजारों छात्रों और उनके अभिभावकों की चिंता बढ़ गई है। छात्रों के मन में सबसे बड़ा सवाल था कि उनका रिजल्ट कैसे बनेगा या उन्हें किस तरह नंबर दिए जाएंगे? अब इस चिंता को दूर करते हुए सीबीएसई ने हाइब्रिड इवैल्यूएशन सिस्टम 2026 की घोषणा की है। बता दें 16 मार्च से 10 अप्रैल के बीच इन परीक्षाओं का आयोजन होना था, जो युद्ध के चलते बीच में ही रद्द करनी पड़ी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बोर्ड ने हाइब्रिड इवैल्यूएशन सिस्टम 2026 का ऐलान करते हुए साफ कहा है कि किसी भी छात्र को शैक्षणिक नुकसान नहीं होगा। उन्होंने यह भी कहा है कि रिजल्ट की घोषणा समय पर की जाएगी। ईरान के साथ इजराइल-अमेरिका युद्ध का असर खाड़ी देशों के छात्रों पर भी देखने को मिल रहा है। पहले तो उनकी परीक्षा स्थगित हुई और फिर रद्द कर दी गई। इसलिए सीबीएसई ने अब नया ग्रेडिंग सिस्टम लेकर आया है, जिससे युद्द के चक्कर में उनका साल बर्बाद न हो। रिपोर्ट के मुताबिक सीबीएसई का ये नया ग्रडिंग सिस्टम बेस्ट परफॉर्मिंग सब्जेक्ट्स के औसत पर आधारित है। ऐसे में जिन विषयों की परीक्षा हो चुकी है, उस पेपर के हिसाब से नंबर दिए जाएंगे। लेकिन वहीं, जिन विषयों के लिए परीक्षा नहीं हुई है, उसके लिए बोर्ड इंटरनल असेसमेंट और प्रैक्टिकल नंबरों के आधार पर फाइनल रिजल्ट तैयार करेगा यानी स्कूल में हुए टेस्ट और प्रैक्टिकल के आधार पर नंबर दिए जाएंगे। बता दें बोर्ड ने कहा है कि स्कूलों को 6 से 13 अप्रैल के बीच सीबीएसई के पोर्टल पर छात्रों के मार्क्स अपलोड करने होंगे। एक बार नंबर अपलोड होने के बाद इनमें कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

अभिभावकों और छात्रों की सबसे बड़ी चिंता बोर्ड रिजल्ट की तारीखों को लेकर है, लेकिन बोर्ड ने यह साफ कर दिया है कि खाड़ी देखों का रिजल्ट भारत समेत दुनिया भर के साथ ही घोषित किया जाएगा। इससे छात्रों को विदेशी या भारत के प्रतिष्ठित संस्थानों में समय रहते आवेदन किया जा सकता है। वहीं, अगर कोई छात्र हाइब्रिड फॉर्मूला से मिले नंबरों से खुश नहीं हैं, तो उन्हें मई-जून में आयोजित होने वाली इंप्रूवमेंट परीक्षा में बैठने का मौका दिया जाएगा।

राजकोषीय घाटा पूरा करने के लिए केंद्र का बड़ा कदम बाजार से 8.2 लाख करोड़ उधार लेने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने बताया कि केंद्र सरकार राजस्व घाटे को पूरा करने के लिए 2026-27 की अप्रैल-सितंबर अवधि के दौरान प्रतिभूतियों के माध्यम से 8 लाख करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। वित्तीय घाटे को पूरा करने के लिए वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में सकल बाजार उधार 17.20 लाख करोड़ रुपये था। बजट पेश होने के बाद से राजकोषीय प्रतिभूतियों की अदला-बदली की गई, जिससे सकल बाजार उधार घटकर 16.09 लाख करोड़ रुपये रह गया।

मंत्रालय ने कहा, 16.09 लाख करोड़ रुपये में से, 8.20 लाख करोड़ रुपये (51 प्रतिशत) पहली छमाही में दिनांकित प्रतिभूतियों के माध्यम से उधार लेने की योजना है, जिसमें 15,000 करोड़ रुपये के संप्रभु ग्रीन बॉन्ड शामिल हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.3 प्रतिशत अनुमानित राजकोषीय घाटे को पूरा करने के लिए 17.2 लाख करोड़ रुपये उधार लेने का प्रस्ताव रखा था। पूर्ण रूप से, 2026-27 के लिए राजकोषीय घाटा 16.9 लाख करोड़ रुपये आंका गया है। बयान के अनुसार, 8.2 लाख करोड़ रुपये का सकल बाजार उधार 26 साप्ताहिक नीलामियों के माध्यम से पूरा किया जाएगा। संस्थागत और खुदरा निवेशकों को अपने निवेश की कुशलतापूर्वक योजना बनाने में सक्षम बनाने और सरकारी प्रतिभूति बाजार में पारदर्शिता और स्थिरता प्रदान करने के लिए, सरकार ने भारतीय रिज़र्व बैंक के परामर्श से इस अवधि के दौरान प्रति सप्ताह 28,000 करोड़ रुपये से 34,000 करोड़ रुपये तक का उधार लेने की योजना बनाई है।

पांच फीसदी हिस्सा खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित

सरकार ने कहा कि इस कैलेंडर में शामिल सभी नीलामियों में गैर-प्रतिस्पर्धी बोली की सुविधा होगी, जिसके तहत अधिसूचित राशि का पांच प्रतिशत खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित होगा। सरकार पहले की तरह अधिसूचित राशि, निर्गमन अवधि, परिपक्वता अवधि आदि के संदर्भ में उपरोक्त कैलेंडर में संशोधन करती रहेगी। बाजार की बदलती स्थितियों और अन्य प्रासंगिक कारकों के आधार पर, गैर-मानक परिपक्वता वाले उपकरण, फ्लोटिंग रेट बॉन्ड, मुद्रास्फीति वाले बॉन्ड सहित विभिन्न प्रकार के उपकरण जारी करने के लिए लचीलापन बनाए रखेगी।

राज्यों के कर्ज लेने की लागत बढ़कर चार साल में सबसे ज्यादा

भारत में राज्यों के लिए कर्ज लेना तेजी से महंगा होता जा रहा है और शुक्रवार को हुई नीलामी में इसकी साफ झलक देखने को मिली। वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, कई राज्यों की बॉन्ड यील्ड 8 फीसदी के ऊपर पहुंच गई। ये जुलाई, 2022 के बाद सबसे ऊंचा स्तर है। इस नीलामी में राज्यों ने करीब 40,000 करोड़ रुपये जुटाए, जिसमें से लगभग 45 फीसदी रकम 8 से 8.09 फीसदी की ऊंची ब्याज दर पर उठानी पड़ी। पिछली नीलामी में यह दर 7.60 से 7.88 फीसदी के बीच थी। विशेषज्ञों का कहना है कि ब्याज दरों में यह उछाल कई वजहों से आई है। इसमें बाजार में कर्ज की अधिक सप्लाई, वैश्विक स्तर पर बढ़ती यील्ड, और पश्चिम एशिया संकट के चलते कच्चे तेल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी शामिल है। इसके अलावा इरडा के प्रस्तावित नियमों ने भी बाजार की धारणा को प्रभावित किया है।

सब-इंस्पेक्टर की मुख्य परीक्षा अब 29 अप्रैल को होगी...

भोपाल। मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन बोर्ड (ईएसबी) ने सब-इंस्पेक्टर और जूनियर कमीशंड ऑफिसर (जेसीओ) भर्ती परीक्षा-2025 की मुख्य परीक्षा (दूसरे चरण) की तिथि में बदलाव किया है। अब यह परीक्षा 29 अप्रैल, 2026 को आयोजित होगी। इसके पहले यह 9 अप्रैल और फिर 26 अप्रैल के लिए निर्धारित थी। यह तीसरी बार है जब परीक्षा की तिथि बदली है। ईएसबी अधिकारियों का कहना है कि यह बदलाव उम्मीदवारों के हित में किया गया है, ताकि यह परीक्षा 27 अप्रैल को होने वाली एमपीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा के साथ टकराए नहीं। दोनों परीक्षाओं में बड़ी संख्या में उम्मीदवार शामिल होने वाले हैं, इसलिए टकराव से बचने के लिए मुख्य परीक्षा की तिथि 29 अप्रैल तक स्थगित की गई। दूसरे चरण के लिए कुल 5734 उम्मीदवार पात्र हैं, जिन्होंने पहले चरण की लिखित परीक्षा में सफलता प्राप्त की थी।

न्यूज गैलरी

वारासिवनी में आकस्मिक निरीक्षण, अवैध पेट्रोल व गैस सिलेंडर जब्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले की वारासिवनी तहसील में प्रशासन द्वारा अवैध भंडारण और विक्रय के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। शनिवार, 28 मार्च को नायब तहसीलदार सुश्री वंदना कुशराम एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सुश्री निहारिका अवस्थी के नेतृत्व में टीम ने ग्राम झालीवाड़ा, मेंहदीवाड़ा एवं कौलीवाड़ा की विभिन्न दुकानों का आकस्मिक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान टीम को गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से विक्रय के लिए संग्रहित लगभग 50 लीटर पेट्रोल जब्त किया गया। इसके अलावा ग्राम मेंहदीवाड़ा में अवैध रूप से भंडारित 22 एलपीजी गैस सिलेंडर भी जब्त किए गए।

प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप की स्थिति रही। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिना अनुमति पेट्रोल एवं गैस सिलेंडर का भंडारण और विक्रय पूर्णतः अवैध है तथा ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

टीम ने दुकानदारों को आवश्यक नियमों का पालन करने की सख्त हिदायत दी और भविष्य में इस प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

गैस बुकिंग के बाद भी नहीं मिल रहा सिलेंडर

सब्सिडी का मैसेज मिला, लेकिन सिलेंडर नहीं मिलने से लोग परेशान, संचालकों ने बताया स्टॉक पर्याप्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर में पेट्रोल-डीजल के बाद अब घरेलू गैस को लेकर भी अफवाहों का माहौल बनता नजर आ रहा है। कुछ उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया है कि उन्हें गैस बुकिंग और सब्सिडी का मैसेज तो मिल गया, लेकिन अभी तक सिलेंडर की डिलीवरी नहीं हो सकी है। वहीं कई लोगों का कहना है कि वे पिछले कुछ दिनों से गैस सिलेंडर के लिए प्रयास कर रहे हैं, लेकिन उन्हें समय पर गैस उपलब्ध नहीं हो पा रही है, जिससे परेशानी बढ़ रही है। हालांकि गैस एजेंसी संचालकों ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि उनके पास पर्याप्त मात्रा में गैस सिलेंडर का स्टॉक उपलब्ध है। उनका कहना है कि पेट्रोल-डीजल की तरह ही गैस को लेकर भी अनावश्यक घबराहट फैल रही है, जिसके कारण अचानक एजेंसियों पर भीड़ बढ़ गई है। संचालकों के अनुसार लोगों की हड़बड़ी और एक साथ बड़ी संख्या में पहुंचने के कारण वितरण व्यवस्था प्रभावित हो रही है, जिससे गैस नहीं मिलने की स्थिति उत्पन्न हो रही है।

जिले में इन दिनों घरेलू एलपीजी गैस को लेकर आम उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जहां एक ओर उपभोक्ता समय पर गैस सिलेंडर नहीं मिलने की शिकायत कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर गैस एजेंसी संचालकों का कहना है कि जिले में न तो गैस की कमी है और न ही स्टॉक की कोई समस्या, बल्कि अफवाहों और व्यवस्था में बदलाव के कारण यह स्थिति बनी है। उपभोक्ताओं के अनुसार पहले जहां गैस सिलेंडर आसानी से और समय पर उपलब्ध हो जाता था, वहीं अब बुकिंग के बाद भी कई-कई दिनों तक इंतजार करना पड़ रहा है। कुछ उपभोक्ताओं ने बताया कि उन्होंने महीनों पहले मोबाइल के माध्यम से गैस बुकिंग करवाई थी, लेकिन उन्हें सिलेंडर नहीं मिला। उल्टा, उनके मोबाइल पर गैस डिलीवरी

का मैसेज आ गया और सब्सिडी राशि भी खाते में जमा हो गई, जबकि वास्तविकता में उन्हें सिलेंडर प्राप्त ही नहीं हुआ। इस स्थिति को लेकर लोगों में यह धारणा बनने लगी कि जिले में गैस की कमी है और स्टॉक खत्म हो रहा है। हालांकि जब इस विषय पर गैस एजेंसी संचालकों से चर्चा की गई तो उन्होंने इन सभी बातों को खारिज किया। उनका कहना है कि उनके पास पर्याप्त गैस सिलेंडर और स्टॉक उपलब्ध है। एजेंसी संचालकों के अनुसार समस्या का मुख्य कारण अफवाहें और उपभोक्ताओं का व्यवहार है। कई उपभोक्ता होम डिलीवरी के लिए गैस बुक तो कर देते हैं, लेकिन गैस खत्म होने की झूठी खबरों के चलते वे खुद ही सीधे एजेंसी, डिलीवरी वाहन (लोड) के पास पहुंचकर सिलेंडर ले लेते हैं। इससे होम डिलीवरी की प्रक्रिया प्रभावित हो रही है और कई बार सिलेंडर रास्ते में ही खत्म हो जाते हैं, जिसके कारण अन्य उपभोक्ताओं तक समय पर गैस नहीं पहुंच पाती। उन्होंने यह भी बताया कि विभागीय निर्देशों के अनुसार अब गैस सिलेंडर की बुकिंग के बाद 20 से 25 दिनों का अंतराल रखा जा रहा है। ऐसे में जिन उपभोक्ताओं के पास सिंगल कनेक्शन है, उन्हें अधिक परेशानी महसूस हो रही है, क्योंकि उन्हें नए सिलेंडर के लिए निर्धारित समय तक इंतजार करना पड़ रहा है। एजेंसी संचालकों का कहना है कि गैस की कोई कमी नहीं है, बल्कि उपभोक्ताओं को धैर्य रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने की जरूरत है। साथ ही उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे निर्धारित प्रक्रिया के तहत ही गैस प्राप्त करें और अनावश्यक रूप से एजेंसी और डिलीवरी वाहनों पर भीड़ न लगाएं। वर्तमान स्थिति में स्पष्ट है कि जिले में गैस संकट नहीं, बल्कि प्रबंधन और भ्रम की स्थिति से समस्या उत्पन्न हो रही है। यदि उपभोक्ता संयम रखें और व्यवस्था के अनुसार गैस प्राप्त करें, तो स्थिति जल्द ही सामान्य हो सकती है।

शिकायतों पर विभाग ने कार्रवाई शुरू कर दी है - सुनील किरार

कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सुनील किरार ने दूरभाष पर जानकारी देते हुए बताया कि विभाग के संज्ञान में ऐसे मामले आए हैं, जिनमें उपभोक्ताओं को गैस बुकिंग के बाद सिलेंडर प्राप्त हुए बिना ही डिलीवरी का मैसेज और सब्सिडी मिलने की सूचना मिल रही है। उन्होंने बताया कि इस तरह की शिकायतों पर विभाग ने कार्रवाई शुरू कर दी है और संबंधित मामलों की जांच की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी उपभोक्ता के साथ इस प्रकार की स्थिति बनती है, तो वह तत्काल विभाग में शिकायत दर्ज कराएं, ताकि दोषियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जा सके। सुनील किरार ने यह भी कहा कि गैस की कालाबाजारी और अनियमितताओं पर विभाग लगातार नजर बनाए हुए है और जहां भी गड़बड़ी सामने आएगी, वहां सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने उपभोक्ताओं को आश्वस्त करते हुए कहा कि जिले में एलपीजी गैस का स्टॉक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है और किसी भी प्रकार की कमी नहीं है। लोगों को अफवाहों पर ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है और न ही घबराने की जरूरत है। नागरिक आपूर्ति अधिकारी ने अपील करते हुए कहा कि उपभोक्ता गैस एजेंसियों के निर्धारित नियमों और प्रक्रिया का पालन करते हुए ही गैस प्राप्त करें। सभी उपभोक्ताओं को क्रमवार गैस उपलब्ध कराई जा रही है और किसी को भी अनावश्यक रूप से परेशान होने की जरूरत नहीं है।

अवैध रेत उत्खनन पर रामपायली पुलिस की बड़ी कार्रवाई : 4 ट्रैक्टर और 1 लोडर मशीन जप्त

महाराष्ट्र के 8 रेत तस्कर गिरफ्तार, वैनगंगा नदी के घाट पर किया जा रहा था देश का अवैध उत्खनन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रामपायली पुलिस ने अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अपने थाना क्षेत्र के बैनगंगा नदी के घाटों में रेत का अवैध उत्खनन और परिवहन करते पाए गए 4 ट्रैक्टर एवं 1 लोडर मशीन जप्त किये और इस मामले में 8 रेत तस्करों को गिरफ्तार किये, सभी महाराष्ट्र राज्य के है। जप्त वाहनों की अनुमानित कीमत करीब 22 लाख रुपये बताई जा रही है।

पुलिस अधीक्षक द्वारा अवैध रेत उत्खनन एवं रेत की तस्करी करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने निर्देशित जिले के समस्त थाना प्रभारी को दिया गया है। इस निर्देश के पालन में जिले के समस्त थाना प्रभारी अपने थाना क्षेत्र में रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन को गंभीरता से लेते हुए सतत निगरानी रखे हुए हैं। रामपायली पुलिस को 27-28 मार्च की दरम्यानी रात करीब 2 बजे सूचना की ग्राम सेलवटपार एवं भेंडारा से लगी बैनगंगा नदी में लोडर मशीन से अवैध रूप से रेत का उत्खनन कर ट्रैक्टरों में रेत भरकर महाराष्ट्र की ओर परिवहन किया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची।मौके पर अवैध उत्खनन करते पाए जाने पर पुलिस ने अलग-अलग टीम बनाकर दबिश दी और 4 ट्रैक्टर एवं 1 लोडर मशीन को जप्त कर लिये। साथ ही मौके से 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

महाराष्ट्र राज्य के हैं रेत के तस्कर

पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपियों में नरेंद्र मेश्राम पिता रमन मेश्राम निवासी रावनवाड़ी, जिला गोंदिया (महाराष्ट्र),नामदेव कारे पिता वेंकट कारे निवासी ग्राम सिवनी थाना रावनवाड़ी, जिला गोंदिया (महाराष्ट्र), पालेंद्र कुशराम पिता मोहपत कुशराम निवासी ग्राम निलसा थाना रावनवाड़ी, जिला गोंदिया (महाराष्ट्र),दुर्गेश भोयर पिता परसराम भोयर निवासी टेड़वा, जिला गोंदिया (महाराष्ट्र),मुकेश मात्रे पिता गोवर्धन मात्रे ग्राम टेड़वा, थाना रावनवा ?ी

जिला गोंदिया (महाराष्ट्र),अरविंद गजभिए पिता रामु गजभिए निवासी रापेवाड़ा, थाना गोंदिया जिला गोंदिया (महाराष्ट्र), रितेश सुलाखे पिता बुदेल सुलाखे निवासी ग्राम पांढराबो ?ी थाना गोंदिया जिला गोंदिया (महाराष्ट्र),अनमोल नेवारे पिता रवि नेवारे निवासी ग्राम बिरसी थाना दौनीवा ?ा जिला गोंदिया (महाराष्ट्र) निवासी है। इन आरोपियों से जान डियर हरे कलर का ट्रैक्टर लोडर मशीन, के अलावा स्वराज कंपनी के चार ट्रैक्टर जप्त किए गए हैं।

आरोपियों के खिलाफ दर्ज किए अपराध

रामपायली पुलिस ने मोके पर ही आरोपियों के खिलाफ धारा 303(2),317(5) 3(5) भारतीय न्याय संहिता 2023 और 53(1),4/21 गोंड खनिज अधिनियम और धारा 177,130(1) मोटर व्हीकल एक्ट के तहत दो अलग-अलग प्रकरण दर्ज किये और प्रकरण में आगे की जांच एवं वैधानिक कार्रवाई जारी है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

रेत अवैध उत्खनन और परिवहन के इस मामले में निरीक्षक दिलीप मौर्य, उप निरीक्षक कलशराम उइके सहायक उप निरीक्षक नरेंद्र गहरवार, सहायक उप निरीक्षक राजीव जाचक, प्रधान आरक्षक शैलेंद्र सैयाम, आरक्षक आलोक बिसेन, आरक्षक श्यामसिंह, आरक्षक रविंद्र, आरक्षक जितेंद्र, आरक्षक नरोत्तम, आरक्षक अंकित, आरक्षक चालक नासिर और डायल 100 पायलट अनिल की उल्लेखनीय भूमिका रही।

श्रीमती शीला नगपुरे बनीं लोधी समाज की जिलाध्यक्ष

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लोधी लोधा लोध महासभा के महिला मोर्चा में नई नियुक्तियों की घोषणा की गई है। इसमें बालाघाट से श्रीमती शीला नगपुरे को जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा नियुक्त किया गया है।प्रदेश स्तर पर भी कई पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है, जिनमेंश्रीमती गौरी राजेश लिल्हारे प्रदेश महामंत्री,श्रीमती ज्योति ईश्वर उमरे प्रदेश प्रवक्ता,श्रीमती अंबिका गगन नगपुरे प्रदेश सचिव,श्रीमती रितु जितेंद्र सिंह मोहारे प्रदेश संयुक्त सचिव,श्रीमती छाया नगपुरे प्रदेश सह-सचिव,श्रीमती सपना विजय मसखरे प्रदेश उपाध्यक्ष,श्रीमती रत्ना नगपुरे प्रदेश प्रचार मंत्री,श्रीमती पूनम गणेश लिल्हारे प्रदेश कार्यालय मंत्री,महासभा ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए आशा जताई है कि उनके नेतृत्व में समाज और अधिक संगठित होगा तथा नई दिशा में आगे बढ़ेगा।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

पूर्व मंत्री जालम सिंह पटेल का 3 अप्रैल को बालाघाट आगमन

लोधी समाज की बैठक में होंगे शामिल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री एवं लोधी लोधा लोध महासभा के प्रदेशाध्यक्ष जालम सिंह पटेल 3 अप्रैल को एक दिवसीय प्रवास पर बालाघाट पहुंचेंगे। अपने इस दौरे के दौरान वे लोधी समाज की महत्वपू।र्ण बैठक में भाग लेंगे और कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करेंगे।महासभा के प्रदेश प्रवक्ता शौकत बिसाने द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह बैठक 3 अप्रैल को सुबह 11 बजे कोसमी स्थित शुभारंभ लॉन में आयोजित की जाएगी। बैठक में आगामी 28 अप्रैल को भोपाल के जंबूरी मैदान में आयोजित होने वाले शौर्य दिवस कार्यक्रम की तैयारियों पर चर्चा की जाएगी।

यह कार्यक्रम राजा हिरदेशाह लोधी की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है। जिन्हें स्वतंत्रता संग्राम का अग्रदूत माना जाता है। उनके शौर्य और बलिदान को याद करते हुए इस आयोजन को भव्य रूप दिया जाएगा।बैठक में अनुभा मुंजारे, राजकुमार कर्राहे सहित संभागीय प्रभारी डॉ. विजय बरैया, जिला प्रभारी, सहप्रभारी, समाज के जनप्रतिनिधि, पूर्व जनप्रतिनिधि, महिला एवं युवा मोर्चा के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहेंगे।अपने प्रवास के दौरान जालम सिंह पटेल ग्राम पंचायत कोसमी में निर्माण कार्यों के शिलान्यास कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। इसके अलावा वे ग्राम बगदरा में रानी अवंती बाई की प्रतिमा के अनावरण एवं अन्य विकास कार्यों के भूमिपूजन कार्यक्रम में भी भाग लेंगे।महासभा के जिला पदाधिकारियों ने समाज के सभी सदस्यों, जनप्रतिनिधियों, सरपंचों, पंचों तथा जिला एवं जनपद पंचायत सदस्यों से बैठक में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित रहने की अपील की है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायलयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट